



अपराधियों और मास्टरमाइंडों को गिरफ्तार करें: सी.के. राममूर्ति @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 24 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : <https://www.shubhlabhdaily.com> | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-234

जयशंकर की टैरिफ वॉर पर अमेरिका को दो टूक, बोले

भारत रेड लाइन्स से नहीं करेगा समझौता

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ को लेकर जारी विवाद पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अहम टिप्पणियाँ की हैं। जयशंकर ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत अपनी 'रेड लाइन' से कभी समझौता नहीं करेगा, चाहे बात किसानों के हितों की हो या रणनीतिक स्वायत्तता की। अमेरिका द्वारा लगाए टैरिफ पर जयशंकर ने कहा, इसे तेल का मुद्दा बताया जाता है लेकिन चीन पर कोई टैरिफ नहीं लगाया गया।

जानकारी के मुताबिक, अमेरिका के साथ ट्रेड को लेकर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, बातचीत अभी भी चल रही है लेकिन हमारी कुछ रेड लाइन्स हैं। सबसे अहम है किसानों और छोटे उत्पादकों के हित, यह ऐसा मुद्दा है जिस पर समझौता संभव नहीं है।

जयशंकर ने अमेरिका पर सवाल उठाते हुए कहा, इसे तेल का मुद्दा बताया जाता है लेकिन चीन, जो रूस से सबसे बड़ा आयातक है, उस पर कोई टैरिफ नहीं लगाया गया। भारत को निशाना बनाने वाली दलीलें

इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम 2025 में विदेश मंत्री जयशंकर ने यूरोप और अमेरिका को लेकर कहा, अगर आपको भारत से तेल या रिफाइनड उत्पाद खरीदने में समस्या है, तो इसे न खरीदें, लेकिन यूरोप खरीदता है, अमेरिका खरीदता है। अगर पसंद नहीं तो हमसे मत खरीदिए।



तेल खरीदने पर हमें निशाना बनाने वाली दलीलें चीन पर क्यों नहीं होतीं लागू

उन्होंने आगे कहा, यह हास्यास्पद है कि एक व्यापार-समर्थक अमेरिकी प्रशासन के लिए काम करने वाले लोग दूसरों पर व्यापार करने का आरोप लगा रहे हैं। अमेरिका और पाकिस्तान के बीच संबंधों पर बोलते हुए उन्होंने कहा, उनका एक-दूसरे के साथ इतिहास रहा है और अपने इतिहास को नजरअंदाज करने का

रहे हैं। अमेरिका और पाकिस्तान के बीच संबंधों पर बोलते हुए उन्होंने कहा, उनका एक-दूसरे के साथ इतिहास रहा है और अपने इतिहास को नजरअंदाज करने का

टैरिफ विवाद के बीच भारत का बड़ा एक्शन, 25 अगस्त से अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवा बंद

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर तनावपूर्ण स्थिति के बीच भारत ने अमेरिका के लिए अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवाओं को निलंबित कर दिया है। इस रोक में 100 डॉलर तक की यह एलान ऐसे वक्त में हुआ है, जब अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 7 अगस्त से अमेरिका में 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। साथ ही रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत से नाराजगी जताते हुए, ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है।

दरअसल, डाक विभाग ने शनिवार को घोषणा की कि वह 25 अगस्त से संयुक्त



राज्य अमेरिका के लिए सभी डाक सेव-1ओं को निलंबित कर रहा है, क्योंकि ट्रंप प्रशासन के नए सीमा शुल्क नियम इस महीने के अंत में लागू होने वाले हैं। डाक विभाग ने कहा कि 29 अगस्त से अमेरिका के लिए निर्धारित सभी अंतर्राष्ट्रीय डाक वस्तुएं, चाहे उनका मूल्य

भी उनका इतिहास रहा है।

जयशंकर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में कहा, अब तक हमने ऐसा कोई अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं देखा है, जिसने विदेश नीति को वर्तमान राष्ट्रपति की तरह सार्वजनिक रूप से संचालित किया हो। यह अपने आप में एक बदलाव है, जो केवल भारत तक ही सीमित नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप का दुनिया के साथ व्यवहार करने का तरीका, यहाँ तक कि अपने देश के साथ व्यवहार करने का तरीका पारंपरिक रूढ़िवादी तरीके से बहुत बड़ा बदलाव है।

कुछ भी हो, देश-विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईसीपीए) टैरिफ ढांचे के अनुसार सीमा शुल्क के अधीन होंगी। डाक विभाग ने अमेरिकी प्रशासन द्वारा 30 जुलाई, 2025 को जारी कार्यकारी आदेश संख्या 14324 पर ध्यान दिया है, जिसके तहत 800 अमेरिकी डॉलर तक के मूल्य के सामानों पर शुल्क-मुक्त न्यूनतम छूट 29 अगस्त, 2025 से वापस ले ली जाएगी। संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए भेजी जाने वाली सभी अंतर्राष्ट्रीय डाक वस्तुएं, चाहे उनका मूल्य कुछ भी हो, देश-विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक

►10पर

सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात पर बोले अमित शाह

उनके अनुभव से देश को होगा लाभ



नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को उपराष्ट्रपति पद के एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। गृह मंत्री शाह ने उन्हें अनुभवी एवं दूरदर्शी नेता बताते हुए उनके उज्ज्वल योगदान देने पर विश्वास जताया।

अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस मुलाकात की जानकारी दी। सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की तस्वीरें पोस्ट करते हुए अमित शाह ने 'एक्स' पर लिखा, उपराष्ट्रपति

चुनाव के लिए एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। वे एक अनुभवी नेता हैं, जिनके पास व्यापक संगठनात्मक और प्रशासनिक अनुभव है। मुझे विश्वास है कि वे अपने व्यापक अनुभव के साथ भारत के राष्ट्रीय विमर्श में महत्वपूर्ण योगदान देने पर

वहीं, सीपी राधाकृष्णन ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, आज नई दिल्ली में हमारे गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर और उनकी शुभकामनाएं पाकर बहुत खुशी हुई।

इससे पहले, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी शनिवार

को सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राधाकृष्णन को उनकी उम्मीदवारी के लिए बधाई दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सीपी राधाकृष्णन के साथ मुलाकात की तस्वीरें भी शेयर कीं। उन्होंने लिखा, थिरु सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। मुझे विश्वास है कि थिरु राधाकृष्णन एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति साबित होंगे और भारत के लोगों की एक सशक्त आवाज बनेंगे। एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। उल्लेखनीय है कि जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे के बाद यह चुनाव हो रहा है।

►10पर

हिंदू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से बाहर किया जाए : विहिप



हल्द्वानी, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

विहिप द्वारा आयोजित एक प्रेस वार्ता में संगठन के अंतर्राष्ट्रीय महामंत्री बजरंग लाल बंगारा ने मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर हिंदू समुदाय को सौंपने की बात कही। उन्होंने कहा कि हिंदूओं द्वारा दिए जाने वाले चढ़ावे का उपयोग हिंदू समुदाय के उत्थान के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कई राज्य सरकारों के साथ बातचीत चल रही है और जल्द ही कुछ सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने अवैध धर्मांतरण पर आई तेजी पर चिंता व्यक्त करी और अनेक राज्य सरकारों से वार्ता की बात कही उत्तराखंड सरकार द्वारा हाल ही में पुराने धर्मांतरण कानून में संशोधन करने की सलाहना की। अवैध धर्मांतरण और जनसंख्या असंतुलन पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने राज्य सरकारों से सख्त धर्मांतरण कानून बनाने की अपील की।

►10पर

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर बोला हमला, कहा चिल्ला-चिल्लाकर मेरा गला बैठ गया

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने हाल ही में संसद के मानसून सत्र में विपक्ष के हंगामे को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा, मेरा गला भी बैठ गया है। विपक्ष को चिल्ला-चिल्लाकर मैं अनुरोध करता हूँ कि बहस होने दीजिए। रिजिजू ने कहा कि

संसदीय लोकतंत्र में संसद विपक्ष की होती है और सरकार जवाब देने के लिए जिम्मेदार होती है। उन्होंने कहा, विपक्ष को सवाल पूछने ही होंगे। अगर सवाल पूछने वाले ही भाग जाएं तो सरकार क्या करेगी? हम उनसे लगातार कह रहे हैं कि वे हंगामा न करें।

किरेन रिजिजू ने कहा कि अगर संसद नहीं चलती है, तो नुकसान विपक्ष का है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को संसदीय चर्चाओं में कोई रुचि



नहीं है और वे संसद में बहस और चर्चा में विश्वास नहीं करते। उन्होंने कहा कि विपक्ष हंगामा करके केवल सुर्खियां बटोरना चाहता है। रिजिजू ने कहा कि संसद का यह मानसून सत्र देश के दृष्टिकोण से तो सफल रहा, लेकिन विपक्ष के दृष्टिकोण से पूरी तरह विफल रहा। उन्होंने कहा कि सरकार राष्ट्रहित में विधेयक पारित करेगी, लेकिन अगर विधेयक बिना चर्चा के पारित हो जाते हैं तो यह अच्छा नहीं है।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में हारने के बाद कांग्रेस ने मतदाता सूची में संशोधन करने का अनुरोध किया था। उन्होंने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें किसी ने एक नोट दिया था कि क्या बोलना है, लेकिन वे बोलते-बोलते भटक गए। रिजिजू ने कांग्रेस के आर-गोपा को खारिज करते हुए कहा कि वे सी आई एस एफ नहीं थे, बल्कि सदन के मार्शल थे। उन्होंने कहा, सेना या सी आई

एस एफ को सदन में कैसे लाया जा सकता है? कांग्रेस झूठ बोल रही है। रिजिजू ने कहा कि विपक्ष को उनके पार्टी नेताओं द्वारा ऊपर से आदेश दिया गया है कि वे जाकर हंगामा करें और सुर्खियां बटोरें। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने गृह मंत्री का माइक छीनकर सारी हद्दें पार कर दीं।

रिजिजू ने कहा कि सरकार के लिए यह सत्र पूरी तरह सफल रहा है, क्योंकि इसमें कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक क्रांतिकारी विधेयक पेश किया है, जिसमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी भी मंत्री को कानून से ऊपर नहीं माना गया है। उन्होंने सवाल किया कि विपक्ष को इस विधेयक से क्या आपत्ति है।

सर्पा बाज़ार



(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,02,300/-

(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,16,022/-

(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°

न्यूनतम : 22°

चंद्रबाबू नायडू देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री

30 मौजूदा सीएम की कुल संपत्ति में 57% सिर्फ नायडू के पास, ममता के पास सिर्फ 15 लाख

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू भारत के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। उनके पास 931 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति है। देश के मौजूदा 30 मुख्यमंत्रियों के पास कुल 1632 करोड़ रुपए की संपत्ति है। इसका करीब 57% हिस्सा चंद्रबाबू के पास है। उनके पास 810 करोड़ रुपए की चल संपत्ति (कैश डिपॉजिट, जेवर आदि) और 121 करोड़ रुपए

5 सबसे ज्यादा संपत्ति वाले CM



चंद्रबाबू नायडू (आंध्र प्रदेश)
₹931.8 करोड़



ये.एस. जगन रेड्डी (आंध्र प्रदेश)
₹332.5 करोड़



सिद्धार्थ राव (कालिका)
₹51.93 करोड़



नेपथु रियो (नागालैंड)
₹46.95 करोड़



मोहन यादव (मध्य प्रदेश)
₹42.04 करोड़

की अचल संपत्ति (मकान, जमीन आदि) है। चंद्रबाबू पर 10 करोड़ रुपए का कर्ज भी है। वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पास सबसे कम संपत्ति है। उनके पास सिर्फ 15.38 लाख रुपए की चल संपत्ति है। ममता के पास किसी प्रकार की अचल संपत्ति नहीं है। चुनाव सुधार के लिए काम करने वाले एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म

►10पर

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में विधायक केसी वीरेंद्र गिरफ्तार

12 करोड़ की नकदी और 6 करोड़ के गहने-गाड़ी जब्त

बेंगलूरु, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए चित्रदुर्ग के विधायक केसी वीरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। पिछले 24 घंटे में ईडी ने देशभर में लगभग 31 ठिकानों पर छापे मारे। इस दौरान, करीब 12 करोड़ रुपए की नकदी, 6 करोड़ रुपए के गहने और गाड़ियां जब्त की गईं।

ईडी ने शुक्रवार को ऑनलाइन और ऑफलाइन जुआ के मामले में चित्रदुर्ग के विधायक केसी वीरेंद्र और अन्य के खिलाफ छापेमार कार्रवाई शुरू की



थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), बेंगलूरु जोनल कार्यालय ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 22 अगस्त और 23 अगस्त को गंगटोक, चित्रदुर्ग जिला, बेंगलूरु शहर, हुबली, जोधपुर, मुंबई और गोवा समेत देशभर में 31 स्थानों पर एक तलाशी अभियान चलाया गया। जांच में सामने आया है कि आरोपी किंग-567 और राजा567 जैसी कई ऑनलाइन जुआ वेबसाइट चला रहे थे। इसके अलावा, आरोपी का भाई केसी थिप्पेस्वामी दुबई से 3 व्यावसायिक संस्थाओं का संचालन कर रहा है, जिनका नाम डायमंड सॉफ्टवेक, टीआरएस टेक्नोलॉजीज और प्राइम9

►10पर

कार्टून कॉर्नर

विधायक केसी वीरेंद्र को तार किया: छापेमारी में 12 ग, 6 करोड़ की ज्वेलरी मि नेताओं में हमें जागरूक चाहिए...जिन्हें पता स्वस बैंक नाम की भी चीज होती है





अटकोगे तो भटकोगे: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

साध्वी निर्मला के सानिध्य में पर्युषण महापर्व के चौथे दिन प्रवचन देते हुए साध्वी नंदिनी ने कहा कि आत्मा में बसना ही पर्युषण है और संसार में बसना प्रदूषण है।

आज प्रशासन प्रदूषण को हटाने के अनेक उपाय कर रहा है, परंतु भारत में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। इसी प्रकार आत्मा में अटकाव के कारण जीवन में भटकाव बना रहता है। अंतकृत दशांग सूत्र में 90 भव्य आत्माओं का वर्णन आता है जिन्होंने अपनी आत्मा से प्रदूषण को मिटा दिया और मुक्ति का द्वार खोला। साध्वी नंदिनी ने कहा कि व्यक्ति मनचाही और अनचाही वस्तुओं में अटक जाता है। यदि मुक्ति की ओर बढ़ना है तो अटकना छोड़ना होगा,



क्योंकि अटका तो भटका। व्यक्ति मनचाही और अनचाही वस्तुओं में उलझकर अटक जाता है। ध्यान अटका तो जीवन भी भटक जाता है। जहाँ भी मनुष्य अटकता है, वहीं से उसका भटकाव शुरू हो जाता है। यदि मन

किसी वस्तु, व्यक्ति, परिस्थिति या विचार में उलझ गया, तो जीवन की दिशा बदल जाती है। साधना और आत्ममार्ग पर चलने वाले के लिए अटकना ही सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने कहा कि वीतरागता की साधना अटकने की नहीं, बल्कि

आत्मभाव में रमण करने की साधना है। वीतरागता की साधना, आत्मा की ओर साधना है। यदि कदम रुक गए तो मंजिल भी रुक जाएगी। जो संभलते हैं, वही मंजिल तक पहुँचते हैं। संसार को हमने बहुत देख लिया है, अब समय है अपने

भीतर झाँकने का। पूर्व में अंतकृत दशांग सूत्र का वांचन साध्वी ऋषिता ने किया और विवेचन साध्वी नंदिनी ने। ममता बागरेचा ने 16 उपवास, संदीप भुरट, रणु सुरेश जैन ने 7 उपवास व अन्य ने पचखान लिए। प्रभावना के लाभार्थी नेमीचंद नितिन गौरव दलाल परिवार रहे। इस अवसर पर लुधियाना से आचार्य आत्माराम जैन संघ अध्यक्ष अनिल जैन, जैन कॉन्फ्रेंस पंजाब महिला शाखा की पूर्व अध्यक्ष प्रवीण जैन, रोहित जैन, मेधा जैन, आभा जैन का अभिन्दन संघ की ओर से किया गया। उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, सहमंत्री राकेश दलाल व कोषाध्यक्ष प्रसन भलगत ने स्वागत किया। संचालन अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया ने और आभार संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने ज्ञापित किया।

वार्षिक महामहोत्सव के लिए सांसद को किया आमंत्रित



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जणवा चौधरी क्षत्रिय समाज बेंगलूरु के वार्षिक महामहोत्सव के तहत सोमवार को भजन संध्या व मंगलवार को महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

मारवाड़ गोडवाड से धर्म गुरु महामंडलेश्वर संत श्रीश्री 1008 संतोष दास जी और नवाचार्य बालसंत श्री सुंदरदास जी महाराज हिंगलाज लाहरा भाखर आश्रम दांतीवाड़ा समेत अन्य लोग कार्यक्रम में पधरेंगे। इसी बीच

जणवा चौधरी क्षत्रिय समाज बेंगलूरु ने सांसद पी सी मोहन को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इस मौके पर भाजपा नेता किशोर सिंह राडावास, जणवा समाज के अध्यक्ष रामलाल जणवा, उपाध्यक्ष मगनभाई, फताराम, जेठाराम, मोहनलाल, वागाराम, पुखराज, गमनाराम, गुलाबराम, रूपाराम, किरण कुमार, डूंगाराम, रमेश, विक्रम, कैलाश व अन्य समाज के सदस्य मौजूद रहे।

साधना से ही साधक की सिद्धि: आचार्यश्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर, माधवनगर में चल रहे पर्युषण महापर्व के चौथे दिन आचार्य अरिहंतसागरसुरीश्वरजी ने अपने प्रातःकालीन प्रवचन में श्रीकल्पसूत्र की महिमा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि पर्युषण पर्व में पाँच दिन तक नौ प्रवचनों द्वारा सकलशास्त्र-चूडामणि श्रीकल्पसूत्र का वाचन-श्रवण करने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। इस महाग्रंथ की रचना चौदह पूर्वधर आचार्य श्री भद्रबाहुस्वामीजी ने की थी। महामहोपाध्याय श्री विनयविजयजी की रचित टीका सुबोधिका को सरल और ग्राह्य बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष इसी का वाचन होता है। इसमें साधु के दस आचारों का सुंदर विवेचन है, जिनमें 'पर्युषणा' नामक आचार के अंतर्गत कल्पसूत्र-श्रवण के साथ वंदन, संवत्सरी प्रतिक्रमण, क्षमायाचना और अद्रुम तप जैसे कर्तव्य भी शामिल हैं। आचार्यश्री ने कहा कि यह पर्व आत्मशुद्धि का महान साधन है। इसके पालन से कषायों का शमन, रत्नत्रयी की आराधना, देव-गुरु-धर्म की भक्ति, अबोल जीवों की रक्षा, साधर्मिक भक्ति और श्रुतज्ञान की उपासना जैसी अनगिनत साधनाएँ संभव होती हैं। यही साधना आत्मोत्थान का मार्ग प्रशस्त करती है और अध्यात्म योग व ध्यान योग का समन्वय स्थापित करती है। दोपहर के प्रवचन में आचार्यश्री ने श्रमण भगवान महावीर के गर्भावतरण और स्वर्ग-परिवर्तन की घटनाओं का विस्तृत वर्णन किया। साथ ही चौदह गर्भों, गर्भों की 27 भावों की यात्रा तथा सम्यक्त्व की प्रप्ति के प्रसंग भी सुनाए। उन्होंने समझाया कि तीर्थंकर जैसी दिव्य आत्माओं को भी कर्म का दंड भोगना पड़ता है। यही जैन धर्म की निष्पक्षता और महान विशेषता है।

प्रत्येक पाप का कर्ज चुकाना ही पड़ता है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-त्वधान में महावीर भवन में आयोजित पर्युषण पर्व के चौथे दिन अपने प्रवचन में अंतगड़ दशा सूत्र का विवेचन करते हुए साध्वी श्री इंद्रुप्रभा जी ने कहा कि प्रत्येक पाप का कर्ज चुकाना ही पड़ता है। इसलिए हम कर्म देख कर करें। इन कर्मों की बहुत बड़ी मार होती है। स्वयं परमात्मा भी कर्म कर्ज से बच नहीं सकते हैं। गजसुकुमाल मुनि को लाखों भव पूर्व का कर्ज सिर पर अग्रि का दहन सह कर चुकाना पड़ा। उन्होंने यह कर्ज साहूकार की भांति हंसते हंसते चुकाया। पर्युषण यही संदेश देता है कि इस



संसार में जो हमें दुख दे रहे हैं, वे हकीकत में हमें कर्म कर्ज से मुक्ति दिलाने में सहायक मित्र होते हैं।

हम किसी से वैर की गांठ नहीं बांधें। लगे हाथ हम क्षमायाचना कर लें। प्रवचन में साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने अच्छे परिवार पर विवेचन करते हुए कहा कि

परिवार में सहनशक्ति बहुत जरूरी है। हमारे संस्कारों में परिवार को जोड़े रखने की भावना होनी चाहिए। माता पिता भी अपनी बिटिया को ऐसी शिक्षा दें कि वह ससुराल में सभी को अपना बना ले। मनमुटाव हो तो तुरंत झुक जाना चाहिए। क्योंकि समय के साथ दूरियां दीवार बन जाती हैं।

पीढ़ियों से संयुक्त परिवार बालू रेत की तरह बिखर जाते हैं। घर में बड़ों का आदर सम्मान होना चाहिए। घर में धार्मिक संस्कार होंगे तो वे घर कभी भी नहीं टूटेंगे।

साध्वी श्री रिद्धिप्रभा जी ने शास्त्र वाचन किया। प्रवचन सभा में हर्षिका गोटावत ने 11 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने तपस्वी का सम्मान किया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए बताया कि रविवार को आचार्य श्री शुभचंद्र जी महाराज साहब का सातवां पुण्य स्मृति दिवस गुणानुवाद एवं सामायिक के साथ मनाया जाएगा।

अनियंत्रित मन को करें नियंत्रित: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि पर्वधिराज का आज चौथा दिन है और इस पर्व के संदर्भ में हम महान आगम का स्वादन कर रहे हैं। संसार का अंत कर कर्म काटने वाले महापुरुषों के बारे में सुन रहे हैं। कर्म किसी को नहीं छोड़ता है।

राजा हो या रंक, कर्म के हिसाब से उसको भोगना ही पड़ता है। ऐसा कोई नहीं है जो कर्मों से बच गया हो। जो जैसा दे रहा है उसको वैसा ही मिलेगा। इष्या में आकर किसी के बारे में बुरा नहीं सोचना चाहिए। बुरा करना तो दूर बुरा सोचने से भी जीवन नकों की ओर बढ़ता

है। कर्मों का जब उदय होगा तो पछताने से भी कुछ नहीं मिलेगा। समता भाव और क्षमा भाव से मनुष्य अपने बंध कर्मों को खोल सकता है। कर्मों के खेल निराले होते हैं। ऋषि मुनि भी इन कर्मों से हार जाते हैं। इसलिए कहते हैं कि कर्मों के खेल निराले होते हैं। मनुष्य को उसका कर्म नचा कर रख देता है। कर्म मनुष्य को दर दर की भीख मंगवा सकता है। समय रहते मनुष्य को अच्छे कर्म कर लेना चाहिए। समय अच्छा है तो बुरे कर्म नहीं करना चाहिए। कर्म के सामने कोई बड़ा नहीं कोई छोटा नहीं। खैर, खून, खांसी, खुशी, झगड़ा, प्रीति, मददान, पाप, पुण्य कभी नहीं छिपता है। ये जहां भी होगा वहां भले ढेर में लेकिन भांडा फुट जाता है। मनुष्य लाख कोशिश कर



ले की उसके पाप के बारे में किसी को पता न चले लेकिन समय आने पर पता चल ही जाता है। मनुष्य करता जरूर है लेकिन ये गुप्त पाप कभी भी छिपता नहीं है। आज समय अच्छा है तो भले छिप जाए लेकिन एक न एक दिन खुलेगा जरूर। गुरुदेव में बताया कि गुप्त पाप को

कोई कितना भी छिपाने की कोशिश करे वह छिपता नहीं है। इसलिए मनुष्य को कुछ ऐसा नहीं करना चाहिए जो जग से छिपाना पड़े। खाते खाते मनुष्य अपनी जिंदगी पूरा कर रहा है। ऐसे तपस्या नहीं होता है।

मनुष्य को अपने मन पर नियंत्रण करना चाहिए। मन जीता तो जग जीत लिया। अगर जीवन में आगे जाना है तो मन पर नियंत्रण करें। ऐसा करके संसार से मुक्त होकर आनंद के भागी बन सकते हैं। सभा में विकास कोठारी, अभिषेक विनायकिया, संगीता तलेसरा, विभा विनायकिया समेत कई लोगों ने 5 उपवास के पचखान लिए। कई लोगों ने 4 उपवास भी किए। कर्नाटक जैन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष प्रकाशचंद बुरड,

उपाध्यक्ष दिनेश पोकरणा, जसवंत गवा, राष्ट्रीय विहार सेवा अध्यक्ष रतनलाल सिंघवी, प्रान्तीय महिला अध्यक्ष संतोष आच्छा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरती बुरड, युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली, मुकेश बाबेल, हसमुख मारु, रूपेश सिसोदिया, प्रकाश बोहरा, हस्तीमल बाफना, तेजराज मकाणा, महावीर गादिया, हस्तीमल मकाणा, राकेश कोठारी एवं बड़ी संख्या में युवा एवं विहार सेवा के सदस्य उपस्थित रहे। राकेश लोढ़ा, सारक्री एवं डोडुबालापुर से संघ उप-स्थित हुआ। कल्प सूत्र का वांचन दोपहर में लोकेश मुनि ने किया। सभी का स्वागत अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने किया। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड ने किया।

जीभ का उपयोग सोच समझकर करना चाहिए



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चिकपेट श्रीसंघ में विराजित परम पूज्य मुनिराज श्री आर्यशेखरविजयजी ने पर्युषण के चौथे दिन कल्पसूत्र का वाचन करते हुए फरमाया कि कल्पसूत्र में 1215 श्लोक प्रमाण रचना 14 पूर्वधर आ.भद्रभाहु स्वामीजी ने की है। वे 14 पूर्व के ज्ञान को समझने के लिए 16383 हाथी के वजन बराबर शाही बनाने के पत्थर में पानी घोलकर उस स्याही से जितने

श्लोक लिखे जायेंगे इतने ज्ञान के धनी थे। महापुरुष ने हमें कल्पसूत्र और उवसगहर मंत्र की भेंट दी है। यह पवित्र कल्पसूत्र का 21 बार पठन श्रवण करने वाले भाग्यशाली की 7, 8 भवों में मुक्ति हो जाती है। पूज्यश्री ने बताया कि कल्पसूत्र हमें सिखाता है बोलो कम और सुनो ज्यादा। जैसे सुधार का मंत्र होता है दो बार मापना एक बार काटना। संत श्री ने कहा जीभ का उपयोग सोच समझकर करना

चाहिए। गलत बोलने वाले को अनेक जन्मों तक जीभ दोबारा नहीं मिलती। दृष्टांत देते हुए महाराजजी ने कहा नारदजी लंका पथारे दशानन रावण ने स्वागत किया और बाद में अपनी लंका की विशेषता बताते लगा। यह मेरी शख शाला, यह पाक शाला, सारी साला देखकर अंत में नारदजी बोले यह सब तो ठीक है लेकिन अच्छे संस्कार देने वाली उत्तम पाठशाला कहां है। हमने आंख, कान और मन को गलत से नहीं रोका तो दुर्गति में जाने से हमें क्यों बचाएगा। पर्युषण के पांचवें दिन भगवान महावीर का पालना घर ले जाने का लाभ पारुबाई, देशमल, सेरमल शालेचा मरूधर मोधरा बेंगलूरु वालों ने लिया।

अभिनव सामायिक दिवस का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य डॉ. मुनि श्री पुलकितकुमार जी के सानिध्य में, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद, बेंगलूरु में अभिनव सामायिक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा साथी और श्रावक श्राविकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मुनि पुलकितकुमार जी द्वारा नमस्कार महामंत्र के द्वारा की गई। मुनि पुलकितकुमारजी ने अपने प्रेरक प्रवचन में मर्यादा पत्र का वाचन किया और विस्तृत रूप से बहुत आसान भाषा में सभी को समझाया। नचिकेता



मुनिश्री आदित्य कुमार जी ने त्रिपदी वंदना, सामायिक का प्रत्याख्यान, नमस्कार महामंत्र के पंच पद्यों पर ध्यान, अहंम की ध्वनि, रेचन, कायगुप्ति, करवाया। तेरापंथ युवक परिषद की भजन मंडली प्रज्ञा संगीत सुधा ने मंगलाचरण की प्रस्तुति की। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन महासभा आंचलिक प्रभारी

प्रकाश लोढ़ा ने करवाया। आभातेयुप अभूतपूर्व अध्यक्ष युवा गौरव विमल कटारिया की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। परिषद शाखा प्रभारी अभित दक ने अपने विचार साझा करते हुए तेरापंथ धर्मसंघ के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला और आभातेयुप के इस कार्यक्रम की सम्पूर्ण जानकारी दी।

हुब्ल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, हुब्ल्ली के तत्व-त्वधान में, पूज्य मधुर व्याख्यानि मुनि नवीनप्रज्ञ जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित चातुर्मास के दौरान तपस्विनी सारिका महेन्द्र चोपड़ा की तपस्या की अनुमोदना करते हुए उन्हें समाजबंधुओं द्वारा भावपूर्ण सम्मान अर्पित किया गया। तप-स्विनी सारिका चोपड़ा अब तक 26 उपवास की तपस्या पूर्ण कर चुकी हैं और अब वे मासखमण (31 उपवास) की ओर अग्रसर हैं। इस कठिन तप और अद्वितीय आत्म-साधना के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए समाज के गणमान्य जनों ने उनकी सुखसाता पृष्ठकर तप की अनुमोदना की और उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर

स्थानकवासी समाज के पूर्व अध्यक्ष एवं समाज शिरोमणि महेन्द्र सिंधी, चातुर्मास 2025 के गौतम प्रसादी के लाभार्थी परिवार के गौतम गोलेच्छा, संघ के पूर्व सहमंत्री मदन तातेड़, निदेशक संजय साकरिया तथा भारत जैन महामंडल (हुब्ल्ली शाखा) के अध्यक्ष सुभाष चंद्रा डंक सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे। समाजसेवी महेन्द्र सिंधी ने तप-स्विनी की अनुमोदना करते हुए कहा सारिका चोपड़ा की यह दीर्घ तपस्या, उनका आत्मबल, संयम और साधना वास्तव में समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत है। पूज्य मुनिश्री नवीनप्रज्ञ जी महाराज की सद्प्रेरणा से तपस्विनी सारिका चोपड़ा की यह तपयात्रा समस्त समाज के लिए एक आध्यात्मिक आदर्श बनती जा रही है।

नवकार नवयुवक मंडल द्वारा डमसराज प्रतियोगिता का आयोजन

हुब्ल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, हुब्ल्ली के तत्वावधान में, पूज्य मधुर व्याख्यानि मुनि नवीनप्रज्ञ जी के पावन सानिध्य में आयोजित चातुर्मास के दौरान, पूज्य जागृत मुनि महाराज के सान्निध्य में नवकार नवयुवक मंडल द्वारा

डमसराज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस मनोरंजक प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने जैन धर्म से संबंधित विषयों को अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि सबसे छोटी उम्र के बच्चों की



टीम विजेता बनी। विजेता टीम के सदस्य ध्रुव डंक, दिव्यांश चोपड़ा, केतन डंक, लक्ष्य कटारिया, संयम सुराणा, तपुष कवाड विजयी टीम का सम्मान चातुर्मास लाभार्थी अनिल कुमार, जयशील कुमार, भूट परिवार एवं मंडल सदस्यों द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस

आयोजन को सफल बनाने में मंडल के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विशेष रूप से अध्यक्ष गौरव बडोला कार्यदर्शी राकेश डंक, अरुण भंडारी, गिरीश बागरेचा, अरिहंत तालेडा, अभिषेक कानूंगा, आशीष भंसाली, नवीन ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस

मेहता, चंद्रकुमार कांकरिया एवं अजित कटारिया ने आयोजन की संपूर्ण व्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभाई। इस प्रकार यह आयोजन न केवल मनोरंजन से परिपूर्ण रहा, बल्कि बच्चों और युवाओं में धर्म, संस्कृति और रचनात्मकता के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला भी सिद्ध हुआ।



कांग्रेस का 2028 में सत्ता में लौटना तय, लेकिन मैं सीएम पद की दौड़ में नहीं रहूंगा: सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को विधानसभा में घोषणा की कि 2028 के चुनावों में भले ही वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नहीं होंगे, लेकिन कांग्रेस पार्टी की सत्ता में वापसी निश्चित है।

भाजपा नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल की इस टिप्पणी पर कि अगर सिद्धरामैया मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नहीं होंगे तो कांग्रेस के वोट विपक्षी दलों को मिल जाएंगे, उन्होंने कहा मैं दोबारा मुख्यमंत्री पद के लिए चुनाव नहीं लड़ूंगा। लेकिन किसी भी हालत में हमारे वोट आपको (विपक्षी दलों को) नहीं मिलेंगे। आप दलित विरोधी, ओबीसी विरोधी और अल्पसंख्यक विरोधी हैं। अगर भाजपा



और जद(एस) एक साथ आ भी जाएँ, तो भी कांग्रेस 141 सीटों से नीचे नहीं आएगी। इसलिए, न तो भाजपा, न

पलटवार करते हुए यतनाल ने कहा आप मुझे निष्कासित करते हैं, लेकिन एक बार देवेगौड़ा ने भी आपको निष्कासित किया था। बाद में आप मुख्यमंत्री बने। मैं भी मुख्यमंत्री बनूंगा।

यह आपका आखिरी कार्यकाल है, और आपने खुद स्वीकार किया है कि आप दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। इसलिए, आपके वोटों से मैं मुख्यमंत्री बनूंगा। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने जोर देकर कहा अगर कांग्रेस सरकार अपनी जनविरोधी नीतियों पर चलती रही, तो हम निश्चित रूप से 175 सीटें जीतेंगे। जद(एस) नेता सुरेश बाबू ने पूछा अगर बहुमत नहीं है, तो क्या आप हमारा समर्थन नहीं माँगेंगे? जवाब देते हुए, सिद्धरामैया ने कहा जब से आपने भाजपा

से हाथ मिलाया है, आप एक तरह से अछूत हो गए हैं। आपकी कोई विचारधारा नहीं है। मैं कभी जेडी(एस) का अध्यक्ष था और मेरे नेतृत्व में हमने 59 सीटें जीती थीं। आज आपकी सीटें घटकर 18 रह गई हैं और अगली बार शायद आप सिर्फ 2 या 3 ही जीत पाएँ। बेहतर होगा कि आप भाजपा में विलय कर लें। यह सलाह देवेगौड़ा को दें। उन्होंने दोहराया कि 2028 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ही फिर से सरकार बनाएगी। सिद्धरामैया ने मजाक करते हुए कहा यह 100 प्रतिशत तय है। लेकिन मैं मुख्यमंत्री नहीं बनूंगा। जहाँ तक जेडी(एस) की बात है, तो 2-3 सीटें जीतना ही एक उपलब्धि होगी। बेहतर होगा कि पार्टी भाजपा में विलय कर ले।

झूठी जानकारी देने के आरोप में एसआईटी ने 'मास्कमैन' को किया गिरफ्तार



मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। धर्मस्थल मामले में, जहाँ कई शवों को दफनाए जाने के आरोप लगे थे, एसआईटी अधिकारियों ने शिकायतकर्ता 'मास्कमैन' को झूठी जानकारी देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। एसआईटी अधिकारियों ने उसे शनिवार को सुबह 11 बजे बेल्टांगडी अदालत में पेश किया। सूत्रों के अनुसार, एसआईटी प्रमुख प्रणव मोहंती ने शिकायतकर्ता से 22 अगस्त की सुबह 10 बजे से 23 अगस्त की सुबह 5 बजे तक गहन पूछताछ की। पूछताछ के बाद, यह पता चला कि शिकायत झूठी थी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

धर्मस्थल मामला : सुजाता ने लापता बेटी पर यू-टर्न लिया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धर्मस्थल में कथित संदिग्ध मौतों और दफनाये के मामले में चल रही एसआईटी जाँच के बीच, सुजाता भट, जिन्होंने पहले दावा किया था कि उनकी बेटी अनन्या भट 2003 में धर्मस्थल की यात्रा के बाद लापता हो गई थी, ने अब कहा है कि उनकी कोई बेटी ही नहीं थी।

उन्होंने कहा कि उन्होंने गिरीश मट्टनवर, जयंत टी. और अन्य लोगों के उकसावे पर झूठी शिकायत दर्ज कराई थी। भट ने दावा किया कि उनकी कोई बेटी ही नहीं थी। उन्होंने कहा मुझे इस बात की शिकायत थी कि मेरे दादा की पैतृक संपत्ति मेरे हस्ताक्षर के बिना दे दी गई। मैं बस यही पूछना चाहती थी। गिरीश मट्टनवर और



अन्य लोगों ने मुझे उकसाया और मुझसे यह दावा करवाया कि मेरी बेटी धर्मस्थल में लापता हो गई है। उन्होंने कहा मुझे भी शिकायत थी कि हमारे भगवान को जैनियों

को दे दिया गया। कुछ महीने पहले, गिरीश मट्टनवर मुझसे मिले थे और कहा था कि वह मेरे साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने मुझे कोई पैसा नहीं दिया। मुझे नहीं पता था कि

मेरी शिकायत इतनी तूल पकड़ लेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हाल ही में उन्होंने मीडिया को जो तस्वीर दिखाई थी, जिसमें उन्होंने अपनी बेटी होने का दावा

किया था, वह भी फर्जी थी। सूत्रों ने बताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी), जिसे हाल ही में इस मामले की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, ने भट को उनके समक्ष पेश होने के लिए नोटिस दिया था। पुलिस पहले ही यह पता लगा चुकी थी कि भट द्वारा किए गए कई दावे - कि अनन्या भट 2003 में कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज में पढ़ रही थीं जब वह लापता हो गई और उस समय वह कोलकाता स्थित सीबीआई कार्यालय में कार्यरत थीं - झूठे थे। भट के इस यू-टर्न के साथ, भाजपा और यहां तक कि उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार द्वारा धर्मस्थल को बदनाम करने की साजिश के आरोपों के और अधिक जोर पकड़ने की उम्मीद है।

उत्पीड़न के बाद महिला फूल विक्रेता ने आत्महत्या का किया प्रयास

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

48 वर्षीय महिला रेहड़ी-पटरी विक्रेता शालिनी ने कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया। कुछ पुरुषों ने उसे बॉर्डेल सर्कल के पास अपनी फूलों की दुकान खाली करने के लिए कहा था। कवूर पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार, शालिनी लगभग 13 वर्षों से बॉर्डेल में फूलों की दुकान चला रही थी। बुधवार को दोपहर लगभग 12:30 बजे, श्रीनिवास कृष्णनगर, पुष्पराज, किरण कृष्णनगर और संतोष नामक चार लोगों ने कथित तौर पर दुकान के पास उसका सामना किया। उन्होंने उस पर ऑटोरिक्षा पार्किंग में बाधा डालने का आर-



पेप लगाया, उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और दुकान खाली न करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। धमकियों से निराश और अपनी आजीविका की चिंता में, शालिनी ने शुक्रवार सुबह लगभग 7 बजे अपने घर पर चूहे मारने की दवा खा ली। उसके पति

यशोधर उसे तुरंत ए.जे. अस्पताल ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने उसे इलाज के लिए एमआईसीयू में भर्ती कराया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कावूर पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 352, 351(2), 126(2) और भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले, सूत्रों ने संकेत दिया था कि शालिनी को ऑटोरिक्षा चालक संघ के सदस्यों के दबाव और राजनीतिक हस्तक्षेप का भी सामना करना पड़ा था, जबकि घटनास्थल पर ऑटो स्टैंड के लिए कोई आधिकारिक अनुमति नहीं दी गई थी।

रक्तदान शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मायुम बेंगलूरु स्टार्स ने बन्नरघट्टा रोड स्थित एएमसी इंजीनियरिंग कॉलेज में नारायण हृदयालय के सहयोग से अपना 19वां रक्तदान शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया। पांच घंटे चले इस शिविर में कुल 140 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जो मानवता के लिए महत्वपूर्ण योगदान है।

इस शिविर के साथ ही शाखा की 13वीं कार्यकारिणी ने अब तक कुल 1,032 रक्त यूनिट एकत्रित कर 13 वर्षों के इतिहास में एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया। शिविर में युवा, युवातियों, अध्यापक, अध्यापिकाएं और सहायक कर्मचारी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। करीब 50 दाताओं ने



पहली बार रक्तदान किया, जबकि 80 प्लस इच्छुक दाताओं ने रक्तदान न कर पाने के बावजूद अपनी सक्रिय भागीदारी दिखाई। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. युवराज और मुख्य प्रशासक उमाशंकर ने स्टार शाखा का धन्यवाद करते हुए कहा कि शाखा लगातार कई वर्षों से रक्तदान शिविर आयोजित कर रही है और यह समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। शाखा के सचिव अजय अग्रवाल ने कॉलेज

प्रशासन का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस बड़े और सफल शिविर के आयोजन में हर संभव सहयोग प्रदान किया। शाखा के अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला ने शाखा रक्तदान संयोजक सौरभ रूंगटा का धन्यवाद किया, जिनके अथक प्रयासों से पिछले 5 महीनों में 19 सफल शिविर आयोजित हुए और 1,000 रक्त इकाइयों का आंकड़ा पार किया, जो शाखा के 13 वर्षों के इतिहास में पहली बार संभव हुआ।

कर्मबंधन के समय में हमें बहुत जागृति रखनी चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाडी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित मुनिराज श्री मलयप्रभ सागर जी ने पशुपुष्य पर्व के चतुर्थ दिवस के कल्पसूत्र वाचन के प्रवचन में कहा कि त्रिकालदर्शी आत्मा शुद्ध द्रव्य है। हमें आत्मा की मूल्यवत्ता समझनी चाहिए। पर्याय बदलती रहती है लेकिन आत्मा वही रहती है। परमात्मा महावीर का सम्यक दर्शन का पहला भव नयसार का रहा, वहीं से महावीर की आत्मा को सम्यक दर्शन प्राप्त हुआ। नयसार ने साधु भगवतों को भावोल्लास से निर्दोष गोचरी बोहराई। वहीं से सम्यक की प्राप्ति हुई और वहीं पर महावीर बनने का बीजारोपण हो



गया। दूसरे भव में उनकी आत्मा देव बनी। तीसरे भव में मरीचि के रूप में उत्पन्न हुए। साधुपना ग्रहण करने के बाद त्रिदंडी का वेश धारण कर लिया। भगवान ऋषभदेव के साथ मेरे पास भी धर्म है यह कहकर उत्सूत्र प्ररूपणा की और अपना भव भ्रमण बढ़ा दिया। चतुर्थ भव से सोलहवें भव

तक एक भव तापस का और एक भव देव का किया। सत्रहवें भव में विश्वभूति के रूप में उत्पन्न हुए। कर्मबंधन के समय में हमें बहुत जागृति रखनी चाहिए। भाई के साथ वैर बंधन में नियाणा करके विश्वभूति ने अपना भव बिगाड़ दिया। अष्टाहवें भव में देव और उन्नीसवें भव में त्रिपृष्ठ वासुदेव बने

और शेर के रूप में उत्पन्न अपने भाई को मारा और शय्या पालक के कान में गरमा गरम शीशा डलवाया। कर्मों की लीला को हमें समझना है यह भवों भव तक चलता रहता है। बीसवें भव में महावीर की आत्मा नरक में उत्पन्न हुई। हमें अगर एक भव भी नरक का याद आ जाए तो हमारे सारे पाप बंद हो जाएंगे। हमारा मन ना तो हमें भगवान बनने देता है और ना ही भगवान का बनने देता है। हमें अपने मन पर नियंत्रण करना सीखना है। इक्कीसवें भव में शेर, बाइसवें भव में पुनः नरक गति प्राप्त हुई। तेईसवें भव में प्रियमित्र चक्रवर्ती बने। चौबीसवें भव में देवलोक में उत्पन्न हुए। पच्चीसवें भव में नंदन राजा का भव प्राप्त हुआ। इसी भाव में वीश स्थानक

तफ की आराधना, एक लाख से अधिक मासक्षमण की आराधना की और तीर्थंकर नामकर्म का उपाजन किया। सारे जगत के प्रति करुणा का भाव रखा। सभी जीवों को जिनशासन का रसिक बनाने की भावना भाई। इसी भव में क्षायिक सम्यक की प्राप्ति की। छब्बीसवें भव में पुनः देव बने और मोक्ष से पूर्व सत्ताइसवें भव में महावीर प्रभु के रूप में उत्पन्न हुए। गुरुदेव ने देवचंद्र जी महाराज की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में उनका गुणानुवाद किया। रविवार को महावीर प्रभु का जन्म वाचन, स्वप्न दर्शन होगा और पालना सकल संघ के साथ मुकुल कुमार, सुशील कुमार, अभिमन्यु कुमार भंडारी के निवास पर बाजते गाजते जाएंगे।

पहले गुरुकुल का भव्य शुभारंभ



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एफटीएस युवा बेंगलूरु चैप्टर ने अपने पहले गुरुकुल का भव्य शुभारंभ किया। यह क्षण संगठन के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है, क्योंकि पिछले 10 महीनों से इसकी तैयारी लगातार चल रही थी। गुरुकुल केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि बच्चों को संस्कार, आत्मरक्षा, संस्कृति और व्यक्तित्व विकास की दिशा में तैयार करने का एक अभिनव प्रयास है। संगठन का विश्वास है कि यह पहल आने वाली पीढ़ी के निर्माण

में मील का पत्थर सिद्ध होगी। कार्यक्रम में सुभाष बंसल (अध्यक्ष, अग्रवाल समाज), प्रीतम अग्रवाल (सीईओ, हेलेो किड्स), बिमल सरावगी (सेक्रेटरी, एफटीएस साउथ जोन) और हाथीमल बैद (अध्यक्ष, एफटीएस बेंगलूरु चैप्टर) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावक भी शामिल हुए। गुरु माँ छाया गांधी ने अभिभावकों से संवाद कर यह जाना कि वे अपने बच्चों में कौन से संस्कार देखना

चाहते हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि तीन माह बाद जब अभिभावक पुनः मिलेंगे, तो वे अपने बच्चों के व्यक्तित्व में स्पष्ट सकारात्मक बदलाव अनुभव करेंगे। एफटीएस युवा, बेंगलूरु के सचिव विकास गुप्ता ने बताया कि यह गुरुकुल संगठन के पूर्व अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल के सपनों का साकार रूप है। इसे गुरुकुल प्रभारी मितेश खण्डेलवाल और पूरी टीम ने अथक प्रयासों से संभव बनाया है। उन्होंने घोषणा की कि सितंबर माह में दो और गुरुकुलों की शुरुआत की जाएगी। इस अवसर पर हेलेो किड्स हनी ब्रांच की प्राचार्या वासुमति एवं पूरा स्टाफ मौजूद रहा। साथ ही युवा टीम से आशीष गुप्ता, बृजेश अग्रवाल, दीपिका जैन, आयुष अग्रवाला, पुनीत गोयल, गौरव अग्रवाल, गौरव शर्मा, रचना डालमिया, एकता अनंत, उत्तम बागेरका एवं जितेन्द्र गुप्ता ने अपनी सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम को सफल बनाया।

अमावस्या पर महाप्रसादी का वितरण



गौशाला में भेंट की सहयोग राशि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा प्रति माह की अमावस्या को की जाने वाली महाप्रसादी अन्नदान कार्यक्रम की 91वीं कड़ी निर्बाध गति से हजारों लोगों को भोजन करारक संपन्न हुई। इस दौरान समिति द्वारा विजयपुरा गौशाला के लिए 51000 की आर्थिक सहयोग राशि भी प्रदान की गई। समिति के चेयरमैन गौतम चंद धारीवाल ने बताया कि शनि अमावस्या पर स्थानीय मैसूरू बैंक सर्कल स्थित श्री हनुमानजी के समीप आयोजित महाप्रसादी के लाभार्थी स्वर्गीय चौसरबाई शेषमल पोरवाल की स्मृति में शांतिाल, अशोक, राकेश, निलेश, राहुल, गजानन पोरवाल (उदयपुर बेंगलूरु मुंबई) थे। इस दौरान अनिल पोंकरणा, रतन सिंघवी, मानमल बाफना, मुकेश खांटेड, राजेश कातरेला, मंजूनाथ राव, प्रकाश बाफना, यशवंत सालेचा, नीता सालेचा, श्रुति जैन, आशीष बाफना, अनिल बाफना आदि कार्यकर्ताओं ने सेवा सहयोग में करीब 3500 से अधिक लोगों को प्रसाद कराया। धारीवाल ने बताया कि समिति को समाजसेवी उद्योगपति इंद्रजीत नाहर द्वारा प्राप्त 51000 की राशि विजयपुरा गौशाला के महावीर कोठारी को कार्याध्यक्ष आशीष बाफना द्वारा अपने हाथों से गोवंश की सेवार्थ रक्षार्थ प्रदान की गई। महाप्रसादी के लाभार्थी परिवार एवं सेवाभावी समिति सदस्यों कार्यकर्ताओं आदि सभी का आभार प्रकाश चंद बाफना ने जताया।

कल्पसूत्र कल्पतरु से अनन्त गुणा हितकारी: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि कल्पसूत्र कल्पतरु से अनन्त गुणा हितकारी, विस्मयकारी व गुणकारी है, क्योंकि यह भौतिक समृद्धि से आगे बढ़कर आध्यात्मिकता का मार्ग दिखाता है। यह जैन आगमों का एक महत्वपूर्ण ग्रन्थ है, भद्रबाहु स्वामी द्वारा रचित है, और इसमें मुख्यतः तीन भाग होते हैं, जिनमें से प्रथम भाग में तीर्थंकरों का जीवन चरित्र वर्णित है। दूसरे में गणधर पट्ट परम्परा का उल्लेख है। तिसरे भाग में साधु समाचारी का विश्लेषण है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि कल्पसूत्र भौतिक इच्छाओं को पूरा करने वाले कल्पतरु के साथ अंधकार से निकासकर आध्यात्मिक ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। इसे मुक्तिनगर का द्वार, साधना-मंदिर का स्वर्ण कलश, श्रद्धा-आलाय की नींव



और सभी साधनाओं का मंगल-चरण कहा गया है। यह आध्यात्मिक क्रांति का बीजसूत्र है और शांति, सम, क्षमा तथा आत्मिक आनंद का प्रतीक है। कल्पसूत्र का श्रेय भद्रबाहु को दिया जाता है, जिन्होंने भगवान महावीर के निर्वाण के कुछ समय बाद इसकी रचना की थी। देव-धर्दिगुणी क्षमाश्रमण ने इस ग्रंथ को लिपिबद्ध किया। कल्पसूत्र एक ऐसा पवित्र जैन आगम है जो सांसारिक कल्याण से ऊपर उठकर आध्यात्मिक मुक्ति और आनंद की राह दिखाता है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ उपाध्यक्ष राजेन्द्र पोरवाल ने बताया कि पहली ज्ञानपूजा नटरलाल

अभिचंद, दूसरी ज्ञानपूजा सुनील कुमार रामलाल बोहरा, तीसरी ज्ञानपूजा पुरिबाई रिखबचंद पोरवाल, चौथी ज्ञान पूजा महावीर कुमार वक्तावरमल, पांचवी ज्ञान पूजा प्रकाशचंद कांतिलाल, अष्ट प्रकारी पूजन सुरेश कुमार, देवचंद बालगोत्र, सोना रुपा के फूलों से वधामाणा पूतमचंद गणेशमल सोलंकी, कल्पसूत्र आरती बाँम्बे स्टेशनरी, शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की आरती नेमीचंद भबूतमल, मंगल दीपक आरती किशोरमल सुखराज, गुरुदेव की आरती मफलाल खंगारमल, आरती विजयराज इंवारचंद, भवरलाल पेरानमल, अंबालाल फुलचंद ने लिया।

शुभ-लाभ परिवार के अभिभावक श्री गोपाल अग्रवाल को दी गई अश्रुपूरित विदाई, शोक संवेदनाओं का क्रम जारी

हैदराबाद, 23 अगस्त (ब्यूरो)।

शुभ-लाभ परिवार के अभिभावक श्री गोपाल अग्रवाल को आज सैकड़ों नागरिकों ने अश्रुपूरित विदाई दी। स्थानीय पुराना पुल स्थित श्मशानघाट पर स्व. अग्रवाल के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ। स्वर्गीय अग्रवाल के प्रति शोक-संवेदनाएं प्रेषित करने का क्रम लगातार जारी है। समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियों और प्रतिष्ठित नागरिकों की शोक-संवेदनाएं हम शुभ-लाभ में प्रकाशित कर रहे हैं।

पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षति: श्री गोपाल जी अग्रवाल का निधन

हमें यह जानकर अत्यंत दुःख हुआ कि शुभ लाभ हिंदी दैनिक समाचार पत्र के सर्वेसर्वा, श्री गोपाल जी अग्रवाल, का आकस्मिक निधन हो गया है। उनके जाने से पत्रकारिता जगत और उनके चाहने वालों को गहरा आघात लगा है।

किसी अपने को खोने का दर्द शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। यह एक ऐसा घाव है जो बाहर से भले ही दिखाई न दे, पर अंदर से व्यक्ति को पूरी तरह तोड़ देता है। श्री गोपाल जी अग्रवाल जैसे प्रिय व्यक्ति का हमारी जिंदगी से जाना बेहद दुःखदायी है। उनके साथ बिताए गए पल और उनके द्वारा दी गई खुशियों को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। उनकी स्मृति हमारे दिलों में हमेशा जीवित रहेगी। ॐ शांति ।

—बंडारू दत्तात्रेय
पूर्व राज्यपाल

गोपाल अग्रवाल जी अपने जीवन में पत्रकारिता के क्षेत्र में अपार योगदान दिया

बड़ी दुःखद और हृदयविदारक खबर है कि हमारे प्रिय शुभ लाभ हिंदी दैनिक समाचार पत्र के सर्वेसर्वा, श्री गोपाल जी अग्रवाल, का आकस्मिक निधन हो गया है। वे हमारे बीच से इस दुनिया से अचानक विदा हो गए, और इस सदमे से हम सभी गहरे शोक में डूब गए हैं।

श्री गोपाल जी अग्रवाल का नाम हर घर में सम्मान और श्रद्धा के साथ लिया जाता है। उन्होंने अपने जीवन में पत्रकारिता के क्षेत्र में अपार योगदान दिया, और अपने ईमानदार, निष्पक्ष और जागरूक पत्रकारिता के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य किया। उनके विचार, उनकी मेहनत और समर्पण की मिसाल आज भी लोगों के मन में जीवित हैं।

उनकी इस असामयिक मृत्यु से केवल उनके परिवार ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पत्रकारिता जगत, समाज और शुभ लाभ हिंदी दैनिक के पाठक वर्ग भी गहरे शोक में डूब गया है। उन्होंने अपने जीवन को समाज सेवा और पत्रकारिता के लिए समर्पित किया, और उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा।

यह दुःखद घड़ी हम सभी के लिए अत्यंत कठिन है, और हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि स्वर्गीय श्री गोपाल जी अग्रवाल की आत्मा को शांति प्रदान करें। उनके परिवारजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें। हम उनके अधूरे सपनों और स्वप्नों को पूरा करने का संकल्प लेते हैं।

उनकी आत्मा को शांति मिले, और उनकी यादें सदैव हमारे हृदयों में जीवित रहें।

— अनिरुद्ध गुप्ता,
अध्यक्ष अग्रवाल समाज तेलंगाना

गोपाल जी ने समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता का दीप जलाया

शुभ लाभ हिंदी दैनिक समाचार पत्र के आदरणीय सर्वेसर्वा श्री गोपाल जी अग्रवाल का आकस्मिक निधन की खबर सुनकर हर हृदय व्यथित और स्तब्ध रह गया है।

श्री गोपाल जी अग्रवाल का नाम एक मिसाल के रूप में लिया जाता रहा है, जिन्होंने अपने जीवन में पत्रकारिता के क्षेत्र में अद्भुत कार्य किया।

उन्होंने सदैव सत्य और निष्पक्षता का मार्ग अपनाया, और समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता का दीप जलाया। उनके प्रयास, उनके संस्कार और उनका समर्पण समाज के लिए एक प्रेरणा स्रोत रहेंगे।

उनकी इस असामयिक मृत्यु ने हम सभी को गहरे शोक में डाल दिया है। उनके बिना यह समाचार पत्र, उनका यह परिवार और उनका समाज, एक अनसुलझी कसक और भारी दुःख के साथ महसूस कर रहा है।

उनके जाने से एक युग का अंत हो गया है, जिसने सदैव समाज के हित में कार्य किया। यह समय उनके परिवार और प्रियजनों के लिए अत्यंत कठिन है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि स्वर्गीय श्री गोपाल जी अग्रवाल को स्वर्ग में स्थान मिले, और उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। उनके इस संसार से जाने का दुःख हमें सदैव याद रहेगा, और उनके आदर्श हमें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहेंगे।

इस दुःखद घड़ी में हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह सबको साहस और धैर्य प्रदान करें। उनके सद्गुण और उनकी स्मृतियों को सदैव जीवित रखेंगे।

—प्रमोद केडिया,
चेयरमैन, अग्रसेन बैंक

मीडिया जगत का एक उज्ज्वल सितारा बुझ गया

हमारे प्रिय शुभ लाभ हिंदी दैनिक के मार्गदर्शक श्री गोपाल जी अग्रवाल का असामयिक निधनकी खबर सुनकर सम्पूर्ण परिवार, मित्र, सहयोगी और शुभचिंतक सभी स्तब्ध और शोकाकुल हैं। श्री गोपाल जी अग्रवाल ने अपने जीवन में पत्रकारिता के क्षेत्र में अद्भुत समर्पण और ईमानदारी का परिचय दिया। उन्होंने सत्य के मार्ग पर चलकर समाज में जागरूकता फैलाने का अपना कर्तव्य निभाया। उनका व्यक्तित्व, उनका अनुभव और उनके विचार सदैव हमारे लिए प्रेरणा स्रोत रहेंगे। उनके निधन ने न केवल एक महान व्यक्तित्व को हमसे छीन लिया है, बल्कि हमारे समाज और

मीडिया जगत का एक उज्ज्वल सितारा भी बुझ गया है। उनकी अनुपस्थिति में यह संसार अधूरा सा प्रतीत होता है। उनकी यादें और उनकी शिक्षाएँ हमें आगे बढ़ने का संबल देंगीं। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि स्वर्गीय श्री गोपाल जी अग्रवाल को स्वर्ग में स्थान मिले और उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। उनके परिवारजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें। हम उनके प्रति अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लेते हैं।

—सीए नवीन कुमार अग्रवाल,
वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अग्रसेन बैंक

शोक संदेश

श्री गोपाल जी अग्रवाल (शुभ लाभ हिंदी दैनिक समाचार पत्र) के आकस्मिक निधन पर हमें गहरा दुःख है। इस दुःख की घड़ी में हम शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करते हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को सद्गति और मुक्ति प्रदान करें। हम प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर परिवार के सदस्यों को इस कठिन समय का सामना करने के लिए साहस, संबल और शक्ति प्रदान करें। समय के साथ यह दर्द कम हो और आपको अपने प्रियजन की यादों में शांति और सुकून मिले।

— राम प्रकाश गोयल,
गोयल फार्मा, सुल्तान बाजार

हिंदी पत्रकारिता के लिए अपूरणीय क्षति

डेली शुभ लाभ, हैदराबाद के सम्पादक श्री गोपाल अग्रवाल जी के असामयिक निधन पर स्तब्ध हूं। उनका जाना न केवल व्यापार जगत के लिए अपितु हिंदी पत्रकारिता के लिए अपूरणीय क्षति है। एक सफल व्यवसायी होते हुए भी गोपाल जी ने हिंदी समाचार पत्र की शुरुआत करके हिंदी पत्रकारिता को नया आयाम दिया। मुझे आज भी याद है जब हम 5 लोगों ने मिलकर शुभ लाभ समाचार पत्र का पहला संस्करण प्रकाशित किया था। इसके लिए गोपाल जी ने बालानगर स्थित अपने ऑफिस का चैबर हमें सौंप दिया था और स्वयं ग्राउंड फ्लोर पर स्थित ऑफिस में बैठने लगे। उन्होंने बहुत ही मेहनत और लगन से इस समाचार पत्र को नयी ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इतना ही नहीं, सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद द्वारा आयोजित समस्त कार्यक्रमों की रिपोर्ट को शुभ लाभ में प्रमुखता से प्रकाशित करके मेरा उत्साहवर्धन किया। मैं दिवंगत आत्मा के प्रति मेरी ओर से एवं समस्त सूत्रधार साहित्यिक परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि वे उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति दें।

—सरिता सुराणा
पूर्व फीचर एडिटर
डेली शुभ लाभ, हैदराबाद

हमने एक सच्चे दोस्त और मानवता के मूल्यों को समझने वाले हमदर्द को खो दिया

उद्योगपति गोपाल जी अग्रवाल के निधन के समाचार से वैश्य समाज, व्यापार, उद्योग और धार्मिक-सामाजिक क्षेत्रों में शोक की लहर छा गई है।

पूना के चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने इसे समाज के साथ-साथ अपनी व्यक्तिगत क्षति बताया। मुंबई के घनश्याम दास मोदी और अनूप गोयल ने कहा कि समाज ने एक ऐसे धनी व्यक्ति को खो दिया है, जो सामाजिक और धार्मिक कार्यों को आगे बढ़ाने में सक्रिय थे, जिसकी क्षतिपूर्ति होना मुश्किल है।

बेंगलुरु के उद्योगपति राजकुमार और संजीव सेठ अग्रवाल ने उन्हें एक सच्चा इंसान बताया। चेन्नई से श्री ब्रह्मरूपि गुरुवानंद स्वामी के नजदीकी और श्री ब्रह्मरूपि आश्रम के एकमात्र महामंत्री तथा भवानी ट्रेडर्स के मालिक प्रताप जैन भटेरा, गोविंद अग्रवाल और विक्रम अग्रवाल ने उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज हमने एक सच्चे दोस्त और मानवता के मूल्यों को समझने

वाले हमदर्द को खो दिया है।

इसके अलावा, भिवानी (हरियाणा) से अजय गुप्ता, बिन्नू तंवर, मीनू अग्रवाल और पत्रकार राम मेहर शर्मा ने भी शोक व्यक्त किया है। गुरुग्राम से पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, सुधीर गोयल, दिल्ली से राजीव गुप्ता और जयपुर से प्रमोद पालीवाल ने भी अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं।

—बिन्नू तंवर

श्री गोपाल जी अग्रवाल के निधन पर गहरा शोक

बेगम बाजार रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से, हम श्री गोपाल जी अग्रवाल के आकस्मिक निधन पर अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करते हैं।

गोपाल जी अग्रवाल सिर्फ एक व्यक्ति नहीं थे, बल्कि एक

प्रेरणा थे जिन्होंने अपने जीवन को समाज सेवा, व्यापार और धार्मिक कार्यों के लिए समर्पित किया। उनका निधन पूरे वैश्य समाज, उद्योग जगत और उन सभी के लिए एक अपूरणीय क्षति है, जो उनके नेक कार्यों से जुड़े थे।

हम परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उन्हें सद्गति एवं मोक्ष प्रदान करें। इस दुःख की घड़ी में, हम उनके परिवार और मित्रों को यह हृदय विदारक पीड़ा सहने की शक्ति और साहस देने की कामना करते हैं। इस दुःख के समय में हम सब आपके साथ हैं।

— राजगोपाल व्यास

अध्यक्ष, बेगम बाजार रेजिडेंट्स
वेलफेयर एसोसिएशन हैदराबाद

पत्रकारिता और व्यापार जगत को गोपाल जी अग्रवाल के निधन से गहरा आघात

जाने-माने उद्योगपति और शुभ लाभ हिंदी दैनिक समाचार पत्र से जुड़े श्री गोपाल जी अग्रवाल के आकस्मिक निधन से उनके चाहने वालों और मीडिया जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

डॉ. अजय अग्रवाल ने उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि उनका इस समय जाना पत्रकारिता के क्षेत्र में एक बड़ा शून्य पैदा कर गया है। उन्होंने कहा कि गोपाल जी अपने निर्भीक, निडर और निष्पक्ष कार्यशैली के लिए जाने जाते थे। अपने मधुर और मिलनसार स्वभाव से उन्होंने सबका दिल जीत लिया था।

डॉ. अग्रवाल ने आगे कहा कि गोपाल जी एक मृदुभाषी, सज्जन और आत्मीय व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने न सिर्फ एक सफल व्यवसायी के रूप में अपनी पहचान बनाई, बल्कि वह एक बहुत ही धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति भी थे।

उन्होंने प्रार्थना करते हुए कहा, भगवान उनकी आत्मा को शांति और अपने चरणों में स्थान दें, और उनके परिवार को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी कमी हमेशा महसूस होती रहेगी। ॐ शांति ।

— डॉ. अजय अग्रवाल

श्री गोपाल जी अग्रवाल के निधन का समाचार सुनकर हमें गहरा दुख हुआ

श्री गोपाल जी अग्रवाल के निधन का समाचार सुनकर हमें गहरा दुःख हुआ है। मेरी प्रार्थनाएं आपके और आपके परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और आपको इस अपार दुःख को सहने की शक्ति दें। ॐ शांति ।

— रामदेव नागला

श्री गोपाल अग्रवाल का जाना एक युग का अंत है

पत्रकारिता जगत के सशक्त हस्ताक्षर और लोकप्रिय दैनिक शुभ लाभ हिंदी समाचार पत्र के संस्थापक श्री गोपाल जी अग्रवाल का आकस्मिक निधन हिंदी साहित्य और पत्रकारिता जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

श्री अग्रवाल जी ने हैदराबाद जैसे बहुभाषी शहर में हिंदी की प्रतिष्ठा और गरिमा को बढ़ाने के लिए अथक प्रयास किए। उन्होंने 'शुभ लाभ डेली' की स्थापना कर यह साबित किया कि हिंदी पत्रकारिता न केवल जीवंत है, बल्कि समाज को नई ऊर्जा और दिशा देने में भी सक्षम है। उनका यह समाचार पत्र बहुत ही कम समय में लोकप्रियता की ऊँचाइयों तक पहुँच गया और आज डेली हिंदी मिलाप जैसे स्थापित पत्र के समकक्ष खड़ा है।

उनकी पत्रकारिता की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि उन्होंने अखबार को केवल खबरों का माध्यम नहीं बनाया, बल्कि उसे समाज, साहित्य और संस्कृति की धड़कन बना

दिया। 'शुभ लाभ डेली' में अनेक साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थाओं के समाचारों को प्रमुखता से स्थान देकर उन्होंने समाज को जोड़ने और संवेदनशील बनाने का कार्य किया। तेलुगु और अंग्रेजी समाचार पत्रों की गहरी समझ रखने वाले श्री अग्रवाल ने हिंदी पत्रकारिता को एक नया आयाम दिया। उनका यह योगदान पत्रकारिता जगत और हिंदी भाषा प्रेमियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगा। हैदराबाद की कई प्रतिष्ठित संस्थाओं-हिंदी लेखक संघ, गीत चाँदनी, सीता युद्धवीर पुस्तकालय एवं शोध संस्थान, गोलकोंडा दर्पण, बच्चन अकादमी और कबीर चिंतन के पदाधिकारियों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद, संपादक व कवि गोविंद अक्षय, कवि संतोष कुमार मिश्रा 'माधुर्य', कवि डॉ. प्रभासचंद्र सिंह 'चंदर', कवयित्री डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, कवयित्री रत्नकला मिश्र, और कवि ठाकुर दिनेश सिंह ने कहा है कि श्री गोपाल अग्रवाल का जाना एक युग का अंत है। उनकी सादगी, सौम्यता और हिंदी सेवा के प्रति उनकी लगन को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। साहित्यिक जगत, पत्रकारिता परिवार और हिंदी समाज उन्हें हमेशा श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद करेगा। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति ।

—कवि गोविंद अक्षय
हैदराबाद

अपना एक महत्वपूर्ण और व्यक्तिगत साथी खो दिया

हमें यह जानकर अत्यंत दुःख हुआ कि भाग्यनगर (हैदराबाद) के प्रसिद्ध समाजसेवी, उद्योगपति और शुभ लाभ दैनिक समाचार पत्र के अभिभावक, हमारे सामाजिक मित्र श्री गोपाल अग्रवाल जी (गोपी भाई) का आकस्मिक निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से मन अत्यंत व्यथित है। अग्रवाल समाज में किसी भी व्यक्ति को जब भी कोई तकलीफ होती थी, तो वह हमेशा आगे बढ़कर उनकी मदद करते थे। समाज के किसी भी कार्यक्रम के लिए वित्तीय सहयोग देने में वह हमेशा आगे रहते थे। हिंदी समाचार पत्र 'शुभ लाभ' को ऊँचाइयों तक पहुँचाने में गोपी भाई का महत्वपूर्ण योगदान था। उनके निधन से मैंने अपना एक महत्वपूर्ण और व्यक्तिगत साथी खो दिया है। हम परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वह दिवंगत आत्मा को शांति और उनके परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

—मुकुंद लाल अग्रवाल
हैदराबाद

श्री गोपाल जी अग्रवाल को हार्दिक श्रद्धांजलि

सिमलावाला परिवार, भाग्यनगर (हैदराबाद, तेलंगाना) ने प्रसिद्ध समाजसेवी, उद्योगपति और शुभ लाभ दैनिक समाचार पत्र के अभिभावक, श्री गोपाल अग्रवाल जी (गोपी भाई) के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि गोपी भाई के निधन की खबर सुनकर मन अत्यंत व्यथित है।

इस दुःख की घड़ी में, सिमलावाला परिवार ने परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की है कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति दें।

कैबिनेट मंत्री जावेद अहमद राणा ने किया दावा इस साल दरबार मूव की परंपरा बहाल की जाएगी

जम्मू, 23 अगस्त (ब्यूरो)। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली जम्मू कश्मीर सरकार में कैबिनेट मंत्री जावेद अहमद राणा ने शनिवार को कहा कि इस साल ऐतिहासिक दरबार-मूव परंपरा फिर से बहाल की जाएगी। राणा ने पत्रकारों को बताया कि घुस साल हम दरबार मूव की परंपरा बहाल करेंगे। यह पृष्ठे जाने पर कि क्या शुक्रवार की कैबिनेट बैठक में श्रीनगर में सितंबर के मध्य में होने वाले आगामी विधानसभा सत्र पर चर्चा हुई, मंत्री ने कहा कि कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। कैबिनेट की चर्चाओं को हमेशा सार्वजनिक रूप से साझा नहीं किया जा सकता, लेकिन हां, ये बैठकें महत्वपूर्ण निर्णयों पर केंद्रित होती हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि 1872 में महाराजा गुलाब सिंह द्वारा शुरू की गई दरबार मूव एक अर्धवार्षिक प्रथा थी जिसके तहत सिविल सचिवालय और अन्य कार्यालय गर्मियों में श्रीनगर में और सर्दियों में जम्मू में काम करते थे। उपराज्यपाल ने 2021 में सरकारी खजाने में लगभग 200 करोड़ रुपए की वार्षिक बचत का हवाला देते हुए इस प्रथा को समाप्त कर दिया था। हालांकि, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने लगातार इस परंपरा को बहाल करने का संकल्प लिया है। जानकारी के लिए पिछले साल दिसंबर में उन्होंने कहा था कि हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि दरबार मूव को बहाल किया जाएगा। जम्मू का अपना महत्व है और हम इसकी विशिष्टता को कम नहीं होने देंगे। उप मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने भी इस कदम का समर्थन किया था और जम्मू की अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव का उल्लेख किया था। उन्होंने कहा था कि दरबार मूव ने होटलों, परिवहन और स्थानीय उद्योगों के लिए व्यवसाय उत्पन्न करके रोजगार और आजीविका को बढ़ावा दिया। हालांकि केवल सरकारी नौकरियां सभी की रोजगार की जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती थीं, लेकिन इस परंपरा ने वैकल्पिक अवसर पैदा किए।

उन्होंने कहा था कि यह प्रथा मूल रूप से डोगरा महाराजाओं द्वारा जम्मू और कश्मीर क्षेत्रों के बीच आर्थिक संतुलन बनाए रखने के लिए शुरू की गई थी। उन्होंने आगे कहा था कि हमारी सरकार इस विरासत का सम्मान करती है और अपने लोगों की समृद्धि के लिए इसे बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

साइबर अपराधियों पर योगी सरकार की पैनी नजर

डाटा चोरी पर लगेगा 250 करोड़ तक का दंड

लखनऊ, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

योगी सरकार कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं टेक्नोलॉजी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसी के तहत प्रदेश में फॉरेंसिक साइंस को बढ़ावा दिया जा रहा है। यही वजह है कि सीएम योगी के निर्देश पर फॉरेंसिक साइंस को कानून प्रवर्तन में अनिवार्य किया गया है। योगी सरकार पिछले आठ वर्षों में आधुनिक फॉरेंसिक लैब स्थापित करने, साइबर अपराधों से निपटने के लिए अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने और पुलिस-फॉरेंसिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। इसी के तहत नोएडा में शुक्रवार को साइबर क्राइम को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों और उनसे निपटने की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यशाला में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट



ऑफ फॉरेंसिक साइंस के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी, एडिशनल सीपी अजय कुमार सहित उद्यमियों, बैंकिंग सेक्टर के प्रतिनिधियों, आरडब्ल्यूए के सदस्यों, सोशल वर्कर्स और पुलिसकर्मीयों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 250 से अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति ने साइबर सुरक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाया। कार्यशाला में साइबर ऑडिट, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट और डाटा सुरक्षा के महत्व पर विस्तृत चर्चा हुई।

विशेषज्ञों ने बताया कि आने वाले समय में डाटा चोरी पर 250 करोड़ रुपए तक के दंड का प्रावधान होगा। इस दौरान यूपी में फॉरेंसिक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए किए गए प्रयासों की भी जानकारी दी गई, जिसमें 13 कैबिनेट्स की स्थापना और राज्य के सभी 75 जिलों में मोबाइल फॉरेंसिक वैन की तैनाती शामिल है।

डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि आज के दौर में धन से भी अधिक मूल्यवान डाटा है। साइबर क्राइम और

डिजिटल डेटा चोरी में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, इसलिए सोशल मीडिया पर डाटा साझा करते समय सावधानी बरतना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जैसे वित्तीय ऑडिट होता है, वैसे ही अब डाटा ऑडिट भी अनिवार्य होगा। उन्होंने डेटा इश्योरेंस को भविष्य की बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि जैसे फसल, स्वास्थ्य और अग्नि बीमा होता है, वैसे ही आने वाले समय में डिजिटल इश्योरेंस भी आम आदमी तक पहुंचेगा। इसके अलावा उन्होंने डीएनए कुंडली की अवधारणा पर चर्चा करते हुए बताया कि भविष्य में जेनेटिक साइंटिफिक एनालिसिस के आधार पर नई संभावनाएं सामने आएंगी। कार्यशाला ने स्पष्ट किया कि डिजिटल युग में डेटा सुरक्षा केवल तकनीकी चुनौती नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। योगी सरकार विशेषज्ञों और नागरिकों के संयुक्त प्रयास से ही साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में लगातार काम कर रही है।

योगी सरकार ने जारी किया फर्टिलाइजर उपलब्धता का आंकड़ा

5.95 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 3.9 लाख मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध

लखनऊ, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने सफाई दी है कि प्रदेश में कहीं भी खाद-उर्वरकों की कमी नहीं है। सभी मंडलों में पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता है और किसानों को किसी प्रकार की दिक्रत न हो, इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने कालाबाजारी



और ओवर रेंटिंग पर कड़ा रुख अपनाया है। सरकार द्वारा समय-समय पर मॉनिटरिंग करने से खाद वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बनी हुई है। कृषि विभाग ने शुक्रवार को मंडलवार खाद की उपलब्धता के ताजा आंकड़े जारी किए हैं। प्रदेश में खाद की स्थितिःकृषि विभाग के अनुसार, प्रदेश में कुल 5.95 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 3.91 लाख मीट्रिक टन डीएपी (डाय अमोनियम फॉस्फेट) और 3.01 लाख मीट्रिक टन एनपीके (नाइट्रोजन फास्फोरस पोटेशियम) की उपलब्धता है। इसका अर्थ है कि खरीफ सीजन के दौरान किसानों के लिए खाद का पर्याप्त भंडार मौजूद है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और खाद की

उपलब्धता व वितरण पर कड़ी नजर रख रही है। सरकार ने दावा किया कि योगी सरकार किसानों के हित में लगातार कदम उठा रही है।

यूरिया का वास्तविक मूल्य 2,174 रुपए प्रति बैग है, लेकिन सब्सिडी के चलते यह किसानों को मात्र 266.50 रुपए में उपलब्ध कराया जा रहा है। समय से खाद, बीज और सिंचाई सुविधाओं की वजह से प्रदेश का खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 737 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच चुका है। कृषि क्षेत्र से जुड़ा जीएसएमए, जो सप्ता शासन के दौरान 2 लाख करोड़ रुपए था, अब बढ़कर 7 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

योगी सरकार ने प्रदेश में खाद की उपलब्धता को लेकर विशेष सावधानी बरती है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि किसानों को समय से यूरिया, डीएपी और एनपीके मिल सके। सीमावर्ती जिलों में तस्करी रोकने के लिए कड़ी चौकसी बढ़ा दी गई है और जमाखोरी व कालाबाजारी करने वालों पर कार्रवाई भी जारी है। इसका असर यह हुआ है कि मंडलवार खाद की उपलब्धता संतुलित है और किसानों को किसी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा।

ओड़ीशा के पुरी में 40वें आयटो वार्षिक सम्मेलन की भव्य शुरुआत

ओड़ीशा की उपमुख्यमंत्री ने किया यूपी पर्यटन के स्टॉल का उद्घाटन

लखनऊ, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आयटो) का 40वां वार्षिक सम्मेलन ओड़ीशा के पुरी में 22 से 25 अगस्त 2025 तक आयोजित हो रहा है। अधिवेशन का शुभारंभ केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। रिजु-वेनेट इनबाउंड /2030 थीम पर आधारित इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के स्टॉल का उद्घाटन ओड़ीशा की उपमुख्यमंत्री प्रावती परिदा ने किया। यह जानकारी उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 40वें आयटो वार्षिक सम्मेलन में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने अपने विविध पर्यटन आकर्षणों को प्रदर्शित किया। यूपी पर्यटन के स्टॉल पर भारत की इत्र नगरी कन्नौज, ट्रायंगल



(अयोध्या-काशी-प्रयागराज) और दीपोत्सव से लेकर रंगोत्सव तक के भव्य वार्षिक आयोजनों की झलक प्रस्तुत की गई। आयोजन में देशभर से 1,000 प्रतिनिधि, टूर ऑपरेटर, होटल व्यवसायी और ट्रेवल मीडिया के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश पर्यटन को इस मंच से राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा। यह आयोजन एक ऐसा मंच प्रदान कर रहा है, जहां पर्यटन उद्योग के पेशेवरों और सरकारी हितधारकों की भागीदारी के साथ इनबाउंड टूरिज्म के भविष्य पर विचार-विमर्श होगा।

उन्होंने बताया, आयटो उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक, धार्मिक

और सांस्कृतिक धरोहरों को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान कर रहा है। आयोजन के दौरान पर्यटन क्षेत्र से जुड़े निवेश, नवाचार और तकनीकी सहयोग जैसे मुद्दों पर भी चर्चा कर रहे हैं। सम्मेलन के पहले दिन उत्तर प्रदेश पर्यटन मंडप आगंतुकों का मुख्य आकर्षण रहा। प्रतिनिधियों ने विशेष रूप से इत्र पर्यटन में गहरी रुचि दिखाई। यहां कन्नौज की सदियों पुरानी अत्तर निर्माण परंपरा को घरेलू व अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए एक अनूठा अनुभववात्मक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत किया गया। सम्मेलन के पहले दिन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नेटवर्किंग सत्रों का भी आयोजन हुआ, जहां उत्तर प्रदेश पर्यटन

के अधिकारियों ने अयोध्या के राम मंदिर सर्किट, वाराणसी के रिवर फ्रंट और दुधवा व बुंदेलखंड में इको-टूरिज्म से जुड़ी संभावनाओं पर चर्चा की। आगामी दो दिनों में भी उत्तर प्रदेश पर्यटन अपने प्रचार-प्रसार की गतिविधियां जारी रखेगा। आयटो सम्मेलन राज्य के लिए पर्यटन क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोलने का अवसर है। सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक प्रदेश को भारत के बहुआयामी पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित किया जाए। उत्तर प्रदेश आने वाला हर पर्यटक यहां से न केवल अच्छी यादें लेकर जाए, बल्कि हमारी संस्कृति और आध्यात्मिकता से गहरा जुड़ाव भी महसूस करे। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि आयटो के माध्यम से राज्य सरकार देश के अग्रणी टूर ऑपरेटरों और उद्योग जगत के नेताओं से सीधा संवाद कर रही है।

एल्लिन क्षेत्र वाले फार्मूले से करोड़ों की बचत और काम बेजोड़

शारदा नहर की ड्रेजिंग हुई तो 12 जिलों में नहीं आई बाढ़

लखनऊ, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

पहाड़ी और मैदानी इलाकों में लगातार भारी बारिश से प्रदेश के कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। योगी सरकार द्वारा लगातार इन इलाकों में युद्धस्तर पर राहत कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशासनिक कुशलता से प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ का प्रभाव देखने को नहीं मिला है। इस बार लखीमपुर खीरी, सीतापुर, पीलीभीत, बाराबंकी समेत दर्जन जिले ऐसे हैं, जहां बाढ़ का प्रकोप न के बराबर है। इसकी मुख्य वजह सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इन जिलों में बहने वाली नदियों में ड्रेजिंग से नदियों का मूल स्वरूप वापस लौट आया और वह दोबारा अपने मूल प्रवाह में बहने लगीं। इसी के तहत शारदा नहर में ड्रेजिंग की गई। इसका नतीजा यह रहा कि जहां पिछले कई वर्षों से शारदा नहर के तेज बहाव से बाढ़ से प्रभावित जिलों में इस बार बाढ़ का प्रकोप देखने को नहीं मिला और लाखों की जनसंख्या में जन्मानस और खेतिहर भूमि पर बाढ़ का प्रभाव देखने को नहीं मिला। इतना ही नहीं ड्रेजिंग कार्य से राजस्व को भी करोड़ों का फायदा हुआ।

प्रदेश के करीब 12 जिलों से होकर शारदा नहर प्रवाहित होती है। ऐसे में मानसून के दौरान जब नेपाल में भारी बारिश होती है तो वहां से शारदा नहर में पानी छोड़ दिया जाता

है, जिससे शारदा विकराल रूप धारण कर लेती है। वर्तमान में शारदा नहर में 4 लाख क्यूसेक पानी बह रहा है। इससे प्रदेश के 12 जिलों में बहने वाली शारदा नहर के विकराल प्रवाह से काफी नुकसान होता है। सीएम योगी ने समस्या का संज्ञान लिया। साथ ही सीएम योगी ने लखीमपुर खीरी के शारदा नहर क्षेत्र में वर्षों से चल रही बांध निर्माण की कवायद को महज कुछ मिनटों में सुलझाकर यह साबित कर दिया कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति और व्यवहारिक सूझबूझ से करोड़ों के प्रोजेक्ट को भी कम लागत में और समय रहते पूरा किया जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह निर्णय उनकी प्रशासनिक दक्षता, संवेदनशीलता और ग्रामीणों के हितों के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण बन गया है। उन्होंने यह दिखाया कि सरकार यदि चाहे तो लंबे समय से लटके हुए और जटिल मुद्दों का समाधान सरल, रस्ता और प्रभावी ढंग से निकाल सकती है। सीएम योगी की सूझबूझ से 180 करोड़ का प्रोजेक्ट महज 22 करोड़ में सिमट गया, समस्या का समाधान भी हो गया और लाखों किसानों और ग्रामीणों का फायदा हो गया। सीएम के निर्णय से शारदा नहर क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बैठक में उच्च अधिकारियों ने बताया था कि मानसून के दौरान लखीमपुर खीरी की पलिया क्षेत्र

बहने वाली शारदा नहर में पानी का स्तर बढ़ जाता है, जिससे हर साल पलिया और निघासन क्षेत्र के लोग बाढ़ की समस्या से जूझते हैं। इसके साथ ही शारदा नहर के प्रवाह से 12 जिलों में बाढ़ का प्रकोप हर साल रहता है। अधिकारियों ने बताया कि वहां पर शारदा नहर और समपरीती भूमि बराबर हो गयी है। इससे हर साल बाढ़ का पानी आस-पास के गांव, खेत और रेलवे लाइन को प्रभावित करता है। इससे प्रत्यक्ष रूप से 16 गांव की 80 हजार आबादी और अप्रत्यक्ष रूप से करीब डेढ़ लाख लोग प्रभावित होते हैं। वहीं हर साल 10 हजार हेक्टेयर से अधिक खेतिहर भूमि प्रभावित होती है। उन्होंने इस समस्या से निजात के लिए सीएम के सामने शारदा नहर पर मिट्टी का बांध बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे सीएम योगी ने गहनता से समझा। उन्होंने बताया कि बांध के लिए 40 हेक्टेयर जमीन की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए करीब 200 किसानों से जमीन अधिग्रहित करनी होगी। अधिकारियों ने मिट्टी के बांध बनाने की लागत 180 करोड़ बताई।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर शारदा नहर के करीब साढ़े सात किलोमीटर के क्षेत्र में ड्रेजिंग कराई गई। इससे वर्षों की लंबित समस्या का स्थायी समाधान हो गया। साथ ही प्रोजेक्ट का खर्च भी 180 करोड़ से 22 करोड़ में सिमट गई।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण की तैयारी

500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार देखेंगे मेड इन यूपी की ताकत

लखनऊ, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की समृद्ध परंपरा, उद्यमिता और कारीगरों का हुनर अब वैश्विक मंच पर और अधिक चमकने जा रहा है। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन होने जा रहा है।

यह मेगा शो न केवल प्रदेश की औद्योगिक शक्ति और सांस्कृतिक पहचान का परिचय देगा बल्कि दुनिया भर के निवेशकों और खरीदारों को मेड इन यूपी की ताकत भी दिखाएगा। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में करीब 80 देशों से 500 से अधिक खरीदार के आने की उम्मीद है। इनमें से अब तक 75 देशों के 340 से ज्यादा बायर्स ने आने की पुष्टि भी कर दी है। यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है और आने वाले दिनों में इसमें और तेजी से वृद्धि की संभावना है। इस तरह यूपी-1आईटीएस प्रदेश के उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार के दरवाजे खोलने वाला साबित होगा।

योगी सरकार की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोजेक्ट (ओडीओपी) योजना पहले ही प्रदेश को अलग पहचान दिला चुकी है। यूपीआईटीएस में इन उत्पादों की विशेष प्रदर्शनी लगाकर इन्हें वैश्विक खरीदारों से सीधे जोड़ा जाएगा। इससे न केवल स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को फायदा होगा,

बल्कि निर्यात और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर आयोजित यह शो उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय व्यापार का हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। इसका उद्देश्य प्रदेश को निर्यात के मामले में शीर्ष पायदान पर ले जाना और निवेश आकर्षित करना है। सरकार चाहती है कि यूपी के हर जिले का हुनर वैश्विक बाजारों तक पहुंचे और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में योगदान दे।

इस मेगा इंटरनेशनल शो को खास बनाने के लिए 17 प्रमुख सेक्टरस के उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। इन सेक्टरस में उत्तर प्रदेश की विशेष पहचान बनाने वाले उत्पाद और ओडीओपी विशेष रूप से प्रदर्शित होंगे। 17 प्रमुख सेक्टरों में एग्रीकल्चर, हॉर्टिकल्चर, इरिगेशन, एनीमल हर्बेबैंडी, फिशरीज एंड डेयरी, अपैरल्स एंड गारमेंट्स, ऑटोमोबाइल्स, ईवी, ऑटो कंपोनेंट्स, आयुर्वेद, योग, नेचुरोपैथी, यूनानी, सिद्धा एंड होम्योपैथी, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग एंड मैयैनुफैक्चरिंग, टॉयज एंड स्पोर्ट्स गुड्स, एफएमसीजी, फूड एंड ड्रिबेक, ग्लासवेयर, हैंडीक्राफ्ट, हैंडलूम, लेदर गुड्स, आईटी, आईटीईएस, सॉफ्टवेयर, फार्मास्यूटिकल्स एंड मेडिकल इक्विपमेंट, रिन्यूबल एनर्जी और माइनिंग शामिल हैं।

नेशनल स्पेस डे पर बच्चों को मिली अंतरिक्ष की जानकारी

नई शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप पहल

लखनऊ, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

योगी सरकार की पहल पर आज प्रदेश के 1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों में मनाए गए नेशनल स्पेस डे ने बच्चों को भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों से सीधा रूबरू कराया। 1.48 करोड़ छात्र-छात्राओं ने डिजिटल संसाधनों के जरिये न केवल ग्रहों, उपग्रहों और ब्रह्मांड की उत्पत्ति की जानकारी पाई, बल्कि पहली बार चंद्रयान से लेकर गगनयान तक की पूरी यात्रा को विस्तार से जाना।

छात्रों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर देखकर और सीखकर भविष्य की तकनीकों को भी पहली बार व्यवस्थित रूप से समझा। इसके साथ ही विद्यालयों में आयोजित विशेष प्रदर्शनी, कार्यशालाओं और रचनात्मक गतिविधियों ने बच्चों को अंतरिक्ष विज्ञान की नई उड़ान समझने का



अवसर दिया। इस अवसर पर बच्चों को समूह चर्चा, चित्रकला प्रतियोगिता, मॉडल प्रदर्शनी और डिजिटल सेशन से जोड़ा गया। इस दौरान उन्हें शिक्षकों और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिला। बच्चों को पहली बार चंद्रयान, आदित्य-एल1 और गगनयान जैसे मिशनों की पूरी कहानी मिली, जिसने भविष्य में न सिर्फ अंतरिक्ष के क्षेत्र में उड़ान भरने को प्रेरित किया बल्कि



विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति नई रुचि और उत्साह भी जगा दिया। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियां नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। योगी सरकार चाहती है कि बच्चे, किताबों से ज्ञान अर्जित करते हुए विज्ञान और तकनीक को भी व्यावहारिक रूप से समझें। उन्होंने कहा कि नेशनल स्पेस डे उड़ान भरने को प्रेरित किया बल्कि

प्रौद्योगिकी के प्रति गहरी रुचि पैदा करना और उन्हें भविष्य के करियर विकल्पों की ओर प्रेरित करना है। शिक्षा विभाग पहले ही स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, ड्रोन और रोबोटिक्स लैब जैसी पहलों से बच्चों को नई तकनीकों से जोड़ चुका है। अब स्पेस डे जैसे आयोजन इस दृष्टि को और व्यापक बनाएंगे और बच्चों में शोध व नवाचार की राह खोलेंगे।

अहसास

घर पहुंच कर जब सहज ने बाकी बचे पचास रुपए मम्मी को देने लिए जेब में हाथ मारा तो वह सन्न रह गया। पचास रुपए गायब थे। वह उदास हो गया लेकिन मम्मी ने उसे धैर्य रखने को कहा। साथ ही उन्होंने उसे आगे से सावधानी से सफर करने की शिक्षा भी दी...



हर साल की तरह इस बार भी छात्रों का दूर घूमने के लिए जा रहा था। स्कूल की दो मिनी बसें इस उद्देश्य के लिए तैयार थीं। इस बार दूर चंडीगढ़ तक ही जा रहा था। बड़ी आयु के कुछ छात्र तो शिमला जाने की योजना बना रहे थे लेकिन दूर में छोटी आयु के बच्चे भी शामिल थे। इस लिए प्रिंसीपल साहब ने ज्यादा दूर जाने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने शाम को वापस लौट आना था। गगन और सहज भी दूर में जाने वाले छात्रों में शामिल थे। दोनों पांचवीं कक्षा के छात्र थे लेकिन दोनों का सैक्शन अलग था। गगन थोड़े बिगड़े स्वभाव का था। वह अपने किसी सहपाठी के बैग से कोई न कोई चीज निकाल लेता था। एक बार जब मामा जी की जेब में हाथ मारता पकड़ा गया था तो उसे खूब डांट पिलाई गई। दूर में जा रहे बच्चों को उनके मम्मी पापा ने कुछ रुपए दिए हुए थे। निश्चित दिन पर सुबह दोनों बसें स्कूल के गेट पर तैयार खड़ी थी। सहज और उसकासह पाठी मनमीत दोनों ही बस में साथ बैठे हुए थे। उनकी सीट के बिल्कुल बराबर वाली सीट पर ही गगन एक और छात्र के साथ बैठा हुआ था। सहज ने अपनी जेब से पैसे निकाले और गिनने लगा। गगन की तिरछी दृष्टि उस की ओर ही थी। गाने गाता और हंसी मजाक करता हुआ दूर चंडीगढ़ पहुंचा। सभी लोग सीधा सुखना झील गए। गगन के पास दो सौ रुपए थे। झील में कुछ बच्चे बोटिंग का मजा लेने लगे। मनमीत भी इन बच्चों में एक था। सहज बोटिंग करने से डरता था। इसलिए वह अपने कुछेक और मित्रों के साथ झील के किनारे पर घूमता हुआ मनमोहक नजारे देखने लगा। शाम होते ही बसें वापस आने को तैयार थीं। धीरे धीरे छात्र बसों में बैठने लगे। मनमीत बोटिंग करके अभी आया नहीं था। किशती चालक मनमीत, उसके कुछ दोस्तों और इंचार्ज अध्यापक को बिठाकर कुछ दूर ले गया था। सहज बस में अपनी सीट पर आ बैठा था। ज्यादा घूमने के कारण उसे नींद आ रही थी। उसके साथ कुछ समय के लिए गगन आ बैठा और बातें करने लगा। गगन ने महसूस किया कि सहज ऊंध रहा है। वह उसके पास जा बैठा और इधर उधर की बातें करने लगा। सहज हां हूँ करके उसकी बातों का जवाब देने की कोशिश करने लगा। फिर उसे पता ही न चला कि उसे कब नींद आ गई। मनमीत के आने से पहले ही गगन उठकर अपनी सीट पर जा बैठा। इंचार्ज अध्यापकों ने सभी छात्रों की गिनती की। फिर बसें

वापस अपनी मंजिल की तरफ रवाना हो गई। घर पहुंच कर जब सहज ने बाकी बचे पचास रुपए मम्मी को देने लिए जेब में हाथ मारा तो वह सन्न रह गया। पचास रुपए गायब थे। वह उदास हो गया लेकिन मम्मी ने उसे धैर्य रखने को कहा। साथ ही उन्होंने उसे आगे से सावधानी से सफर करने की शिक्षा भी दी। अगले दिन शाम को सहज ने एक बूढ़ी औरत को सड़क के किनारे पर खड़ा देखा। वह ज्यादा ट्रैफिक के कारण सड़क पार करने से डर रही थी। सहज जब उस बूढ़ी औरत के पास गया तो वह उसे कुछ जानी-पहचानी सी लगी। फिर उसे याद आया यह तो गगन की परदादी जी हैं। ऐसे लगता था जैसे उन्हें कम दिखाई देता है। सहज गगन की परदादी जी को उसके घर छोड़ने के लिए आने लगा। सहज गगन की परदादी जी को घर तक छोड़कर वापस लौट आया। गगन की परदादी जी ने गगन को बताया कि जो लड़का उसे सड़क पार करवा कर घर तक छोड़ कर गया है, वह बड़ा अच्छा लड़का है। उस में बड़ों के प्रति परोपकार और आदर की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है। सहज के बारे में ऐसी बातें सुन कर गगन मन ही मन लज्जित होने लगा। अगले दिन गगन सहज को एकान्त में ले गया। बोला, क्रसहज, तुमने कल मेरी परदादी जी को सड़क पार करवा कर घर तक छोड़ा, मैं तुम्हारा धन्यवादी हूँ। 'धन्यवाद कैसा ? वो मेरी भी तो परदादी जी हैं। और यह तो मेरा कर्तव्य था।' सहज ने जवाब दिया। गगन ने जेब से पचास रुपए निकाले और सहज की ओर बढ़ा दिए। 'तुम पचास रुपए इनाम देकर मुझे और भी शर्मिदा कर रहे हो। क्या बुजुर्गों को सड़क पार करवाना हमारा कर्तव्य नहीं है।' सहज उसके पचास रुपए लौटाता हुआ बोला। 'सहज, मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं आपसे कैसे नजर मिलाऊँ ?' 'क्या मतलब ? मैं तुम्हारी बात समझ नहीं' सहज बोला। 'मतलब यह कि दूर के समय मैंने तुम्हारी जेब से पचास रुपए निकाल लिए थे जब तुम सीट पर सो रहे थे। मुझे उस रात नींद नहीं आई। मैं तुम्हारे सामने अपने आप को बहुत छोटा महसूस कर रहा हूँ।' 'लेकिन अपनी गलती का प्रायश्चित्त करके तुम अब छोटे नहीं, बड़े हो गए हो। मुझे उम्मीद है कि तुम मेरे एक अच्छे मित्र बनोगे।' गगन बोला, 'सहज, मैं आगे से आप जैसा बनने की कोशिश करूंगा।'

कविता

अगर ना वातावरण बचाया

दूषित हो रहे धरती-पानी, न रहा कोई चारा, अगर न वातवरण बचाया, होगा कैसे गुजारा। जिस मिट्टी में खेले और बढ़े, उसकी कद्र न डाली, घोल रहे धरती में। हर, कर दी हालत माली, एक दिन हमें पड़ जाएगा, कर्ज चुकाना भारी। हर तरफ बेकद्री इसकी, यह पाक-पवित्र पानी, इसमें बसी है जान हमारी, हमने कद्र न जानी। क्या पीओगे अगर हो गया, पानी गंदा सारा, धुआं और जहरीली गैसें पानी में गईं घुल। सूख रहे वन-वान्य, जीवन हो जाएगा गुल, पहले जैसी जिंदगानी का अब न रहा नजारा। आओ हाथ मिलाएं और करें पर्यावरण की संभाल, आज के बाद पेड़ लगाए हर छोटा-बड़ा बाल। वातावरण बचाने का मिलकर लगाएं नारा, अगर न वातावरण बचाया, होगा कैसे गुजारा।



होमवर्क, नो टेंशन!

होमवर्क किसी भी बच्चे को पसंद नहीं। स्कूल से लेकर ट्यूशन हर जगह होमवर्क का यह भूत हमारे पीछे-पीछे चलता रहता है। आखिर, क्यों मिलता है यह? और कैसे बिना टेंशन पाले इससे निपटें आइए पढ़ें...



दोस्तो, सबसे ज्यादा खीझ आपको किस बात पर आती है ? हम्मम...सोचिए भई। बिल्कुल ठीक फरमाया। होमवर्क से। स्कूल में तो पढ़ाई करते ही हैं, फिर घर आकर होमवर्क को निपटाने का टेंशन भी रहता है। अगर ट्यूशन भी जाते हैं, तो फिर होमवर्क का टेंशन दोगुना हो जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि ये सब क्यों किया जाता है ?... नहीं न। अरे! आपको बेहतरीन छात्र बनाने के लिए ये सब किया जाता है। पढ़े हुए को दो से तीन बार लिखकर दोहराने से अच्छी तरह से याद हो जाता है, यह बात तो आप सब भी अच्छी तरह जानते हो। फिर होमवर्क को आप अपने दैनिक कार्य की तरह मजे लेकर करेंगे, तो इससे बोझिल होने का अहसास नहीं होगा। साथ ही आपको अपना पाठ्यक्रम भी जल्द याद हो जाएगा।

सही स्थान हो
पढ़ने में सबसे जरूरी है सही स्थान का चयन करना। यानी पढ़ने-लिखने का वह कोना शांत होने के साथ आरामदायक भी होना चाहिए। ऐसे स्थान पर बैठकर

होमवर्क करने का अपना ही मजा है। फटाफट होमवर्क पूरा होने के साथ पाठ याद भी हो जाएगा। इसके अलावा वहां आपकी ज़रूरत की सारी किताबें-कापियां, कम्प्यूटर, डिक्शनरी आदि मौजूद हों। अब अगर आपके पास स्टडी रूम न हो तो मम्मी-पापा की मदद से एक स्टडी कॉर्नर भी तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको थोड़ा-सा शांत कोना, एक कुर्सी और टेबल के साथ एक वॉल कैबिनेट या रैक की आवश्यकता होगी। यहां शांति से बैठ जाइए और पूरा कीजिए अपने होमवर्क को।

कीजिए इसे भी प्लान
जो भी होमवर्क, मिले उसे लिख लें। आसानी के लिए प्लान या फिर कैलेंडर भी बना सकते हैं। विषयवार सूची या टाइम-टेबल बना लीजिए, ताकि सभी विषयों को समय दे सकें और होमवर्क समय रहते ही पूरा भी हो जाए। जब भी होमवर्क करना शुरू करें, तो पहले ज्यादा कठिन सवाल को हल कीजिए। उसके बाद सरल वाले को हल कीजिए। इस तरह से होमवर्क करने से आपको ज्यादा बोझ नहीं महसूस होगा। कोई कठिन सवाल यदि



होमवर्क में मिले, जिसे आप हल न कर पा रहे हों, तो उसमे उलझ कर समय बर्बाद न करें। उसे अपने मम्मी-पापा या फिर अगले दिन स्कूल में अपने टीचर की मदद से हल कीजिए। पहले एक विषय के होमवर्क को पूरा कीजिए, उसके बाद दूसरे विषयों को हाथ लगाइए। इस तरह से व्यवस्थित ढंग से आपका होमवर्क निपट जाएगा।
एक ब्रेक तो बनता है
पढ़ाई के बीच एक छोटा-सा ब्रेक लेना तो बनता है। इस बात से आप भी इत्तेफाक रखते हैं, है न। इससे आप तरोताजा महसूस करेंगे, फिर पढ़ाई में भी मन लगेगा। पर आपका यह ब्रेक बहुत लम्बा न हो जाए, वरना तो आपका ध्यान भी भटक सकता है।
कभी-कभी हमें बहुत सारा होमवर्क मिल जाता है न।...आप सबका मुंह देखकर लगता है कि अक्सर ही ज्यादा होमवर्क मिल जाता है। खैर, अगर ऐसा लगे, तो होमवर्क करने पर आप खुद को इनाम भी दे सकते हैं। इनाम बतौर कोई फेवरेट टीवी प्रोग्राम देखना या फिर कोई ऑनलाइन गेम भी हो सकता है भई। इसके अलावा आप चाहें तो दोस्तों के संग गप्प महफिल भी जमा सकते हैं या फिर कोई फेवरेट चीज भी खा सकते हैं।

समय का सदुपयोग
खाली समय का सदुपयोग और होमवर्क...बात कुछ जंची नहीं, है न। अरे, भई! अगर आपको स्कूल में दो क्लास के बीच ही खाली समय मिल जाए तो होमवर्क करना शुरू कर दें। इससे दो फायदे हैं, दिन की शुरुआत में होमवर्क करेंगे, तो फ्रेश मूड से आप होमवर्क पूरा कर लेंगे और आपका होमवर्क बोझ भी थोड़ा कम हो जाएगा। साथ ही आपको रिवाइज करने का मौका भी मिलेगा। होमवर्क को खाली मिले स्कूल टाइम में करेंगे, तो कठिन

सवालों को टीचर से भी पूछ सकते हैं।
कोई भी काम अधूरा और बाद के लिए मत छोड़िए, इससे आपके ऊपर बोझ बढ़ता ही चला जाएगा और पढ़ाई बोझिल लगने लगेगी। और जब पढ़ाई बोझ लगने लगे, तो पढ़ाई करने का कोई फायदा नहीं होता। क्योंकि, चाहे हम कितनी देर भी किताबों को खोल कर बैठे रहें, पेन से कोरे कागज पर चाहे कितने ही गोले बना लें, याद कुछ भी नहीं होगा। होगा तो सिर्फ आपको समय बर्बाद। तो आईदा पढ़ने बैठने से पहले मन बनाकर बैठें।
इन्हें समझें
होमवर्क को मुश्किल और भारी समझ कर मत कीजिए। इसे रोज के नियम की तरह कीजिए। जैसी आपकी दिनचर्या। होमवर्क को बहुत भारी काम मत समझिए। ऐसा न हो कि आप पूरा समय होमवर्क और उसकी टेंशन में ही बिता दें और आपके दोस्त आपको

पढ़ाकू और किताबी कीड़ा जैसे उपनामों से नवाजे।
इसका मतलब यह भी नहीं है कि आप होमवर्क हड़बड़ाहट में खत्म कर दें। हर सवाल को अच्छी तरह समझकर करें, ताकि आपको याद भी रह जाए।
अब आई बात समझ में न। होमवर्क बोझिल नहीं होता है। दरअसल, उसे हम और आप बोझ बना देते हैं। लेकिन हमारे बताए हुए तरीके से होमवर्क निपटाएंगे, तो फिर देखिए होगा कमाल। आप चुटकियों में अपने होमवर्क को निपटा लेंगे और उसके साथ ही याद भी कर लेंगे। इतनी जल्दी भी क्या है ?...इसे आप अकेले ही मत अपनाइए, अपने दोस्तों को भी बताइए जैसे हमने आपसे इस फंडे को साझा किया। तभी तो सभी दोस्तों का होमवर्क समय पर पूरा होगा और फिर मचाएंगे सब मिलकर धमाल।



रंग भरो



अंतर दूढो

यहां आपको एक जैसी दो तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। पहली बायां देखने में तो आपको अंतर समझ में नहीं आएगा, लेकिन जरा गौर से देखने पर आपको सात अंतर दिखाई देंगे। खोज निकालिए वे अंतर...



गैरलाभकारी आपातकालीन हवाई चिकित्सा परिवहन प्रदाता मर्सी फ्लाइट ने कहा कि उसने कई मरीजों को हवाई मार्ग से अस्पताल पहुंचाया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ओ कैलाधन ने बताया कि बस में सवार ज्यादातर लोग भारतीय, चीनी और फिलिपीनो थे। एरी काउंटी के कार्यकारी मार्क पोलोनकार्ज और न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने हादसे पर दुःख जताया है।

पाणिशगट (अमेरिका)। राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि संकटग्रस्त सिलिकॉन वैली चिप निर्माता कंपनी इंटेल ने अमेरिकी सरकार को अपने कारोबार में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने पर सहमति जताई है। इसकी कीमत 8.9 अरब डॉलर है। यह 2008 के वित्तीय संकट के बाद अल्टो उद्योग को बचाने के बाद से किसी अमेरिकी कंपनी में सरकार के सबसे बड़े हस्तक्षेपों में से एक है। खबर के अनुसार, राष्ट्रपति ने यह घोषणा सांवदावता सम्मेलन में की। ट्रंप ने कहा कि यह घमासान पिछले सप्ताहे इंटेल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लियू-बू टैन के साथ हुई बातचीत के बाद हुआ है। ट्रंप ने कहा कि ट्रंप के साथ उद्घावन पर सहमत हो गए। यह उन्के लिए बहुत बड़ा सीधा है। इस सीधे पर इंटेल ने कहा कि अमेरिका उन्के शेरयो में 8.9 अरब डॉलर का निवेश करेगा। इसके अलावा सरकार ने चिप्स एंड साइस एक्ट के तहत कंप्नी को 2.2 अरब डॉलर का भुगतान किया है। चिप्स एंड साइस एक्ट एक संघीय कार्यक्रम है, जिस पर 2022 में हस्ताक्षर हुए थे। इसके बाद अमेरिकी सेमीकंडक्टर निर्माण को पुनर्जीवित करने के लिए अरबों डॉलर का अनुदान प्राप्त हुआ। टैन ने एक बयान में कहा कि सरकार इंटेल में बोर्ड की कांसेट नहीं लेगी। सरकार के पास अंतः राष्ट्रासनिक अधिकार नहीं होंगे। टैन ने कहा, इंटेल राष्ट्रपति और प्राशासन का भरोसा जताने के लिए आभारी है। अब हम अमेरिकी प्रौद्योगिकी और विनिर्माण क्षेत्र में नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। वाणिज्य सचिव हॉर्ड लुनिक ने इस समझौते को ऐतिहासिक बताया हूए कहा कि यह सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में अमेरिकी नेतृत्व को मजबूत करेगा। उअर, अमेरिकी सीधे की खबर से इंटेल के शेरयो में 6 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। 1968 में स्थापित, यह कंप्नी उद्योग में अग्रणी रही है। इसने चिप्स से जेअर और अधिक शक्तिशाली चिप्स का उत्पादन किया है। इस कारण सिलिकॉन वैली अमेरिकी तकनीकी क्षेत्र की नींव बन गई है। लेकिन स्मार्टफोन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्रांति सहित नवाचार की कई लहरों से चूकने के बाद इंटेल मुश्किल में है।



बका। पाकिस्तान ने 1971 में बांग्लादेश में ऑपरेशन सर्वलाइट के दौरान भयानक नरसंहार किया था, अब उसी कलेंगेआम करने वाले पाकिस्तान को बांग्लादेश सरकार ने बीजा-मुक्त यात्रा की सुविधा देने का फैसला किया है। यह कदम पाकिस्तानी विदेश मंत्री इश्राक डार की प्रस्तावित बांग्लादेश यात्रा से पहले लिया गया है, और इस दोनों देशों के संबंधों में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने का फैसला किया है। इस समझौते के तहत, दोनों देशों के सरकारी अधिकारी और राजनयिक पाँच साल तक बिना वीजा के एक-दूसरे के देश में यात्रा कर सकते हैं। पाकिस्तान सरकार ने पहले ही इस समझौते को मंजूरी दे दी है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनुस के प्रेस सचिव शाफीकुल आलम ने इस एक नियमित मामला बताया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के 30 से अधिक देशों के साथ इसी तरह के समझौते हैं। उन्होंने कहा कि हस्ताक्षर होने के बाद यह समझौता पांच साल की अवधि के लिए होगा। यह पूरे देश में कि वया यह अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाय जाने के बाद से पाकिस्तान के साथ बढ़ती मित्रता का एक और संकेत है आलम ने हालांकि इस समझौते को एक नियमित मामला बताकर कहा कि बांग्लादेश के 30 देशों के साथ इसी तरह के समझौते हैं।

वाशिगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि शिकागो अगला शहर हो सकता है, जहां अपराध पर कब्र से लेिए संघीय सरकार कार्रवाई करेगी। ट्रंप ने इससे पहले वाशिगटन डीसी में अपराध आपातकाल घोषित कर नेशनल गार्ड की तैनाती की थी। अब उनका कहना है कि शिकागो, लॉस एंजिल्स, न्यूयॉर्क, बार्टोमोर और ऑकैंडो जैसे अन्य शहरों में भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई की जा सकती है। ब्लाइट हाउस में प्रकाशों से बातीवली के दौरान ट्रंप ने दावा किया कि उनके प्रयासों से वाशिगटन दुनिया के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक बन रहा है। ट्रंप ने अन्य डेमोक्रेटिक शहरों की भी निगरानी तेज की इसकें महत वेस्ट वर्जीनिया, साउथ कैरोलिना, मिसिसिपी, ओहायो, लुइसियाना और टेनेसी जैसे राज्यो से। 1,900 से अधिक नेशनल गार्ड जवान तैनात किए गए हैं। राष्ट्रपति ने दक्षिण-पूर्वी डीसी में कानून प्रवर्तन अधिकारियों और जवानों से मुताकत कर अपने अभियान को और आगे बढ़ाने की बात दोहराई।

खबर के अनुसार, शुक्रवार सुबह संघीय एजेंटों ने ट्रंप के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन को मैरीलैंड स्थित आवास और वाणिज्यगण, डी. सी. स्थिति कार्यालय की तलाशी ली। यह छापा इस आशंका में मारा गया कि बोल्टन के आवास और कार्यालय में गोपनीय फाइलें हैं। इस कार्रवाई पर एफबीआई निदेशक काशन स्टैनफील्ड ने सोशल मीडिया पर कहा, कोई भी कानून न तो ऊपर नहीं है। एफबीआई एजेंट मिशन पर हैं। अतीत जनरल पामा बॉन्डी ने गेल की पोस्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त किया था, क्योंकि वह कहते हैं कि मुझ पर कोई समझौता नहीं हुआ जा सकता। न्याय जरूर होगा। हमेशा। एफबीआई ने एक लगभग छह वahren के साथ सुबह लगभग 7 बजे तक बोल्टन के घर पर हैं। इस दौरान स्थानीय मांगोगीमारी कार्टूटी पुलिस ने बोल्टन के आवास की ओर जाने वाली गली के दोनों प्रवेश द्वारों को अवरोध कर दिया। करीब एक घंटे बाद एफबीआई एजेंट्स आवास से फाइलों का ढेर लेकर निकले। कयास लगाए जा रहे हैं कि बोल्टन लंबे समय से ट्रंप के निशाने पर हैं। बोल्टन ने हाल ही में ट्रंप की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अलगाव में हुई बैठक के बाद आरोपचक्र की थी। सूत्रों ने बताया है कि मैरीलैंड के एक संघीय मजिस्ट्रेट न्यायाधीश ने बोल्टन के आवास और वाणिज्यगण के एक अन्य संघीय मजिस्ट्रेट न्यायाधीश ने उनके डाउनटाउन, डी.सी. कार्यालय की तलाशी लेने की अनुमति प्रदान

की लहोरीयय यूज नेनेल की खबर के अनुसार, बोल्टन ने संपर्क करने की कई कोशिशों के बावजूद एफबीआई के छापां पर कोई जवाब नहीं दिया। वह पूरे समयानुसार दोहरा दो बजे के बाद अपने आवास लौटे। तब तक एफबीआई अर्धरात्रि वहां से जा चुके थे। राष्ट्रपति डॉन न शुक्लवार सुबह पीलेस हासम मेंहायतय के सांक्ष दौरे के दौरान पत्रकारों से कहा कि उन्हें बोल्टन के आवास पर मारे गए एफबीआई के छापा की जानकारी मिली थी। उन्हें टीवी देखने पर इसकी जानकारी मिली। न्याय विभाग के प्रवक्ताओं ने भी टिप्पणी के तत्काल अनुरोधों का जवाब नहीं दिया। उल्लेखनीय है कि बोल्टन ने ईंग के पहले काफ़ाल के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में पदस्थ रहे हैं। 17 महीने तक इस पद पर रहने के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद बोल्टन ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में अपने कार्यकाल पर एक किताब द रूम डेयर इट हैपेंड लिखी। उन्होंने किताब में ईंग पर कठोर टिप्पणियां की। 20 प्रशासन ने इस किताब के प्रकाशन को रोकने की कोशिश की और बाद में उन पर मुकदमा दायर किया। न्याय विभाग ने इस बात की आशंकाधिक जांच शुरू की कि क्या बोल्टन ने गोपनीयताधिक प्रशंसित की। जून 2020 में अमेरिकी जिला न्यायाधीश रायस लेबर्थ

नवंबर 2020 में टुप ने अपनी पुस्तक में दावा कि बोल्टन ने अवैध रूप से बहुत सी गोपनीय जानकारी की। उन्होंने एक अन्य सशोध मीडिया संस्थान को एक गिरा हुआ जानकारी कहा। टुप ने बोल्टन-नशील गोपनीय जानकारी को लाभ प्रसारित करने के लिए उन्हें जेल में होना चाहिए। बाइडेन प्रशासन ने बोल्टन की जांच बंद कर दी और खिलाफ मुकदमा वापस ले लिया। यह तब नहीं है कि टुप के दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ करने के 24 घंटे के भीतर कार्यकाल प्रशासन ने बोअमेरिकी गुप्त सेवा सुरक्षा हटा दी थी। बोल्टन सुरक्षा दिसंबर 2021 में ईरान से मिली धमकी बाइडेन प्रशासन ने प्रदान की थी।

भारत में अमेरिकी राजदूत नामि
किए जाने के लिए सर्जियो गोर ने राष्ट्रप
रूप का आभार व्यक्त करते हुए सोश
मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि

संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतिनिधि
करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्
होगा! हमारे हृदय हाउस ने अमेरिका
फिर से महान बनाने में ऐतिहासि
उपलब्धियाँ हासिल की हैं।
सर्जियो गोर, भारत में अमेरि
राजदूत के रूप में सेवा देने वाले ए
गार्सटी के उत्तराधिकारी होंगे, जिन्होंने

ट्रंप ने ऐसे समय में गोर को भारत का राजदूत बनाने की घोषणा की है जब अमेरिका-भारत के संबंध तनावपूर्ण चल रहे हैं। ट्रंप ने कुछ भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया और अब इसे 27 अगस्त से 50 प्रतिशत करने की योजना है।

पेटायन ने अमेरिकी वायु सेना के एअरफोर्स में प्रमुख जेपीटी रक्षा खुरियाना को बर्खास्त कर दिया है। एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी और एक सीनेटर ने शुक्रवार को यह जानकारी जारी की। वह कार्रवाई रक्षा खुरियाना एअरसेंस की प्राथमिक रिपोर्ट तैयार करने के लिए क्रूर हत्ये बाढ़ हुई है। इस रिपोर्ट में उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दावे का खंडित किया था कि रक्षा खुरियाना अमेरिकी सैन्य हलालों में नष्ट कर दिए गए थे। जनरल क्रूस की नियुक्ति बाइडेन प्रशासन के दौरान हुई थी। फिलहाल, रक्षा खुरियाना एअरसेंस की उप निरीक्षण निरीक्षण बोर्ड को कार्यवाहक निरीक्षक के रूप में जिम्मा सौंपा गया है। वह इस मामले पर जनरल क्रूस के उत्तराधिकारी की

घोषणा तक रहेंगी। उत्तराधिकारी के नाम को सीनेट अनुमोदित करेगी। खबर के अनुसार, जेफरी क्रूस, ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद हटाए जाने वाले दूसरे शीर्ष सैन्य खुफिया अधिकारी हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख जनरल टिमोथी

डी. हॉग को एक दक्षिणपंथी सिद्धांतकार की शिकायत किए जाने के बाद पद से हटा दिया गया था। रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने नौसेना रिजर्व की प्रमुख वाइस एडमिरल नैन्सी लैंकोर और नौसेना

निरोध युद्ध कमजोर की देखरेख करने वाले नौसेना सौल अधिकारी रियर एडमिरल जेम्स सैंड्स को भी बर्खास्त कर दिया है। तीन अधिकारियों को बर्खास्तगी पेंटागन ने तत्काल कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। सीनेट की खुफिया समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेट सीनेटर मार्क वॉनर ने कहा कि जनरल क्रूक को बर्खास्त किया जाना पोशन करने वाले है। उनका गैर-पक्षपाती सेवा का लंबा करियर रहा है। वॉनर ने कहा, एक और वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी को बर्खास्तगी ट्रंप प्रशासन की खतरनाक आदत को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि रक्षा खुफिया एजेंसी विदेशी सेनाओं के बारे में खुफिया जानकारी इकट्ठा करने का काम करती है। इसमें उनकी सेनाओं का अकादर, स्थिति और संख्या शामिल है। यह एजेंसी पेंटागन में सेना के लड़ाकू कमांड और

योजनाकारों को यह जानकारी प्र
करती है। एक वरिष्ठ रक्षा अधिक
(जिन्हें सार्वजनिक रूप से बोलेने
अधिकार नहीं है) ने कहा कि ज-
रूस अब खुफिया एजेंसी के निदेशक
रूप में काम नहीं करेगा। हालांकि
स्पष्ट नहीं है कि उन्हें वायु सेना में व
दूसरा पद दिया जाएगा या वे सेवानिव
होगे। दो कांप्रेसी अधिकारियों ने क
कि सांसदों को शुक्रवार को सूचि
किया गया कि हेगेश्वरी ने विज्ञानस
कमी के कारण जनरल रूस को बख
कर दिया है। उल्लेखनीय है कि जू
इरान के तीन परमाणु डिब्बों
अमेरिकी सैन्य हमलों के उद्घाटन
रक्षा खुफिया एजेंसी ने एक प्रती
आकलन तैयार किया। इसमें बताया
कि तेहरान का परमाणु कार्यक्रम के
कुछ महानों के लिए ही पीछे चल

है। इस आकलन को छपा। इस पर व्हाइट हाउस की तीखी प्रतिक्रिया हुई। कुछ दिनों बाद व्हाइट हाउस और वॉशिंग्टन खुफिया अधिकारियों ने ईरान के खिलाफ एक अधिक समलप अभियान की एक अत्यन्त तस्वीर पेश करने की कोशिश की। वानरन ने क्रुस को बर्खास्तगी की सीधे तौर पर उस अपौरुषण के बारे में एजेंसी के आकलन से जोड़ा है। वानरन ने कहा, इस तरह का ईमानदारी और तथ्य-आधारित विश्लेषण तो वह चीज है जिसकी हमें अपनी खुफिया एजेंसियों से अपेक्षा करने चाहिए, चाहे वह व्हाइट हाउस के कथन को बढ़ावा दे या न दे। लेकिन जब खुफिया जानकारी को तोड़फोड़ कर पेश किया जाता है या दबा दिया जाता है, तो विरोधियों का पलटवार भी हो जाता है और अमेरिका कम सुरक्षित रह जाता है।



साई और डल झील एसोसिएशन की साझेदारी ने बदली कश्मीर के युवाओं की किस्मत

श्रीनगर , 23 अगस्त (एजेंसियां) । जम्मू-कश्मीर के साधारण परिवारों से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले तीन युवा एथलीट – मोहसिन अली, सज्जाद हुसैन और मुहम्मद हुसैन – प्रेरणा के प्रतीक बन गए हैं। खेलेो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 में इन खिलाड़ियों ने राज्य की स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक दिलाए। इनकी इस उपलब्धि के पीछे भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और डल झील स्थित नेहरू पार्क प्रशिक्षण केंद्र की अहम भूमिका रही है। मोहसिन अली, एक कारपेंटर के बेटे, ने

पुरुषों की 1000 मीटर कयाकिंग में स्वर्ण जीता। शिकारा चालक के बेटे सज्जाद और सब्जी विक्रेता के बेटे मुहम्मद हुसैन ने सी-2 500 मीटर कैनो स्लैलम में रजत, जबकि हुसैन ने सी-1 कैनो 1000 मीटर में कांस्य पदक हासिल किया। इन पदकों की बदौलत मेजबान जम्मू-कश्मीर ने देशभर के 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सातवाँ स्थान प्राप्त किया।

दलदल भरी आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद इन युवाओं ने खेलों में अपनी पहचान बनाई। खिलाड़ियों का कहना है कि यदि साई का सहयोग न होता, तो खेलों में आगे बढ़ना संभव नहीं था। साई केंद्र ने केवल प्रशिक्षण बल्कि खिलाड़ियों को आवश्यक सहायता, आहार और मार्गदर्शन भी प्रदान करता है। एथलीटों के कोच जुल्फिकार अली भट्ट ने बताया कि कश्मीर के अधिकांश खिलाड़ी मजदूर वर्ग से आते हैं और इसी वजह से इस केंद्र का महत्व और बढ़ जाता है।

सज्जाद हुसैन ने साझा किया कि किस तरह उनके कोच अभ्यास के बाद उन्हें स्कूल तक छोड़ते थे ताकि पढ़ाई और खेलों में संतुलन बना रहे। वहीं मुहम्मद हुसैन ने कहा कि इस केंद्र ने उन्हें नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रखकर सही राह दिखाई। मोहसिन अली ने भी माना कि परिवार की कठिन आर्थिक स्थिति के बीच साई का सहयोग ही उनकी सफलता की कुंजी रहा।

कोच जुल्फिकार अली भट्ट ने यह भी जोर दिया कि भारत यदि 2036 ओलंपिक की मेजबानी का लक्ष्य रखता है, तो श्रीनगर में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना अनिवार्य है। उनका मानना है कि ऐसे प्रयासों से डल झील और आसपास के युवाओं की प्रतिभा को वैश्विक मंच तक पहुंचाया जा सकेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

मोहन बागान ने 2030 तक के लिए मुंबई सिटी से मेहताब सिंह के साथ किया करार

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) ने शनिवार को घोषणा की कि मोहन बागान सुपर जायंट ने मुंबई सिटी एफसी से भारतीय डिफेंडर मेहताब सिंह के साथ पांच साल का करार कर लिया है। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने अपनी मेडिकल जाँच पूरी कर ली है और शनिवार को टीम के प्रशिक्षण में शामिल होंगे। मेहताब ने मोहन बागान के साथ दो आईएसएल कप और शील्ड जीते हैं और सेंटर-बैक और राइट-बैक दोनों के रूप में खेल सकते हैं। उन्होंने मुंबई सिटी के लिए कोच डेस बकिंघम के नेतृत्व में एफसी चैंपियंस लीग में भी हिस्सा लिया है। मेहताब ने कहा, हर खिलाड़ी मोहन बागान के लिए खेलने का सपना देखता है। मेरा भी यही सपना था और अब यह हकीकत बन गया है। यह टीम भारत की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और इसमें कई अच्छे विदेशी खिलाड़ी और भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी हैं। मेहताब ने एक बयान में कहा, मैंने मुंबई सिटी के लिए एफसी चैंपियंस लीग में खेला है और उनके साथ दो आईएसएल लीग और कप जीते हैं। मैं अपने नए वलब में पहले दिन से ही इस अनुभव का इस्तेमाल करूँगा क्योंकि हम अपना पहला चैंपियंस लीग 2 मैच 16 सितंबर को खेलेंगे। मेहताब ने आगे कहा, कोलकाता में फुटबॉल को लेकर उत्साह बिल्कुल अलग है और मोहन बागान के प्रशंसक देश में सबसे ज्यादा हैं। मैं उनके जुनून को जानता हूँ और उन्हीं में उनकी भावनाओं से भी वाकिफ हूँ। अब मैं हरे और मेहरून रंग की जर्सी में जीतना चाहता हूँ और अपनी झोली में ओर ट्रॉफियाँ जोड़ने की उम्मीद करता हूँ।

सिकफील्ड कप: प्रज्ञानानंद ने खेला आसान ड्रॉ, गुकेश ने रोमांचक बाजी में बाटे अंक

सेंट लुइस। सिकफील्ड कप के पांचवें दौर में सभी पांच मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए। भारत के ग्रैंडमास्टर और प्रज्ञानानंद ने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के खिलाफ काले मोहरों से आसान ड्रॉ खेला, वहीं विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने पोलेट के डूडा यान-क्रिस्तोफ के खिलाफ उतार-चढ़ाव भरे खेल में अंक साझा किए। अमेरिका के फबियानो करुआना ने वेस्ली सो के साथ बाजी ड्रॉ खेलकर 3.5 अंकों के साथ अपनी बढ़त बनाए रखी। लेवोन अरोनियन ने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजजा से और सैमुअल सेवियन ने उज्बेकिस्तान के नोडिबेक अब्दुसतोरोव से ड्रॉ खेला।

लाग्रेव ने प्रज्ञानानंद के खिलाफ जोखिम लेने से बचते हुए महज 26 चालों में ही दोहराव के जरिए खेल समाप्त कर दिया। दूसरी ओर गुकेश ने क्वीन पॉन ओपनिंग में जटिलताएं पैदा कीं। लेकिन डूडा ने कुछ सटीक चालों से बढ़त बना ली थी। हालांकि, मध्य खेल में डूडा की गलती ने गुकेश को वापसी का मौका दिया और खेल 45 चालों तक चला। नौ दौर के इस टूर्नामेंट के आधे पड़ाव पर करुआना शीर्ष पर हैं। उनके पीछे 3 अंकों के साथ प्रज्ञानानंद और अरोनियन हैं। वहीं 2.5 अंकों पर गुकेश, वाचियर-लाग्रेव, फिरोजजा, सो और सेवियन संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। डूडा 2 अंकों के साथ पीछे हैं और अब्दुसतोरोव 1 अंक के साथ सबसे निचले पायदान पर हैं। एक दिन के विश्राम के बाद मुकाबले फिर से शुरू होंगे। इसके रोमांचक समापन की उम्मीद है, क्योंकि शीर्ष और आठवें स्थान पर मौजूद खिलाड़ी के बीच सिर्फ एक अंक का अंतर है। परिणाम (पांचवां दौर): मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (फ्रांस), डूडा ने आर. प्रज्ञानानंद (भारत), 3 से ड्रॉ खेला। 2.5 यान-क्रिस्तोफ (पोलेट), 3। गुकेश (भारत, 2.5) से ड्रॉ खेला। फबियानो करुआना (अमेरिका, 3.5) ने वेस्ली सो (अमेरिका, 2.5) से ड्रॉ खेला। सैमुअल सेवियन (अमेरिका, 2.5) ने नोडिबेक अब्दुसतोरोव (उज्बेकिस्तान, 1) से ड्रॉ खेला। लेवोन अरोनियन (अमेरिका, 3) ने अलीरेजा फिरोजजा (फ्रांस, 2.5) से ड्रॉ खेला।

एशियन चैंपियनशिप : अर्जुन-एलावेनिल ने 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ट टीम स्पर्धा में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली। कजाकिस्तान के शिमकेंट में आयोजित 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में भारत के अर्जुन बाबुता और एलावेनिल वलारिवन की जोड़ी ने शनिवार को 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ट टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने चीन के डिगेंगे लू और शिनलू पेंग को 17-11 से मात देकर शीर्ष स्थान हासिल किया। शुरुआती दौर में चीनी खिलाड़ी बढ़त बनाए हुए थे, भारतीय शूटर शुरुआती राउंड में 9.5 और 10.1 स्कोर से पिछड़ गए। लेकिन बाद के राउंड में शानदार वापसी करते हुए अर्जुन-एलावेनिल ने गोल्ड अपने नाम किया। यह एलावेनिल का इस प्रतियोगिता में दूसरा स्वर्ण है। इससे पहले उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में भी पहला स्थान हासिल किया था। इससे पूर्व भारतीय तिक्की अर्जुन बाबुता, रुद्रांश पाटिल और किरण जाधव ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

लियोनेल मेसी के नेतृत्व में अर्जेंटीना की टीम नवंबर में आएगी भारत, खेलेगी मैत्री मैच

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां) । अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने शुक्रवार को घोषणा की कि लियोनेल मेसी के नेतृत्व में अर्जेंटीना नवंबर-2025 में केरल में एक अंतरराष्ट्रीय मैत्रीपूर्ण मैच खेलेगा। यह मैत्रीपूर्ण मैच नवम्बर फीफा विंडो में खेले जाने वाले तीन मैचों का हिस्सा होगा। अर्जेंटीना की टीम दो अन्य मैच ला एल्बीसेलेस्टे लुआंझा और अंगोला में खेलेगी।

एएफए ने कहा, लियोनेल स्कोलोनी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के पास 2025 के शेष समय में दो फीफा मैत्री मैच होंगे। पहला मैच, अक्टूबर में 6 से 14 तारीख तक, संयुक्त राज्य अमेरिका में खेला जाएगा (प्रतिद्वंद्वी और शहर निर्धारित किए जाएंगे)। दूसरा, नवंबर में 10 से 18 तारीख तक, लुआंझा, अंगोला और केरल, भारत में खेला जाएगा (प्रतिद्वंद्वी निर्धारित किए जाएंगे)।

हालांकि प्रतिद्वंद्वी की पुष्टि नहीं हुई है, मोरक्को, कोस्टा रिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ बातचीत हुई है, जबकि जापान से भी जल्द ही बातचीत की संभावना है। त्रिवेंद्रम का ग्रीन फील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम इस मैच का संभावित स्थल है और एएफए के अधिकारी इस साल के अंत में टीम के भारत दौर से पहले, सुरक्षा उपायों और मैदान का निरीक्षण करेंगे।

2011 के बाद से यह मेसी और अर्जेंटीना का पहला भारत दौरा होगा, जब उन्होंने कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय मैत्रीपूर्ण मैच खेला था। केरल में मैच आयोजित करने की यह घोषणा राज्य और रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग के लिए राहत की बात है। क्योंकि अर्जेंटीना ने पहले इस साल भारत आने पर संदेह व्यक्त किया था। केरल के खेल मंत्री वी. अब्दुलहोमान ने मई में कहा था कि टीम 2025 में केरल का दौरा नहीं करेगी, जबकि रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग कंपनी ने 31 दिसंबर तक दौरा न होने पर अर्जेंटीना खेमे को कानूनी कार्रवाई की धमकी दी थी। केरल सरकार की वाणिज्यिक साझेदार रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग कंपनी इस बातचीत में सक्रिय भूमिका निभा रही है और राज्य में अर्जेंटीना के आगमन के लिए भी यही कंपनी जिम्मेदार है।

रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग ने कहा कि उसने दिसंबर



केनेडी सेंटर में होगा फीफा वर्ल्ड कप 2026 का ड्रॉ : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि वॉशिंगटन स्थित जॉन एफ. केनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ड्रॉ की मेजबानी करेगा। ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, इस वर्ष 5 दिसंबर को 2026 फीफा वर्ल्ड कप ड्रॉ केनेडी सेंटर में आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर फीफा अध्यक्ष जिआनी इन्फेन्टिनो भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति ट्रंप इस समय केनेडी सेंटर के 257 मिलियन डॉलर के नवीनीकरण कार्य की देखरेख कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह सेंटर अगले साल होने वाले अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ समारोह का प्रमुख आकर्षण होगा। फीफा वर्ल्ड कप 2026 अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको संयुक्त रूप से आयोजित करेंगे। यह पहला वर्ल्ड कप होगा जिसमें 48 टीमों हिस्सा लेंगी और कुल 104 मैच खेले जाएंगे। कनाडा में 13 मुकाबले होंगे, जिनमें से 10 ग्रुप स्टेज के होंगे और ये टोटली वेंक्यूवर में बराबर बांटे जाएंगे। मेक्सिको की भी 13 मैचों की मेजबानी मिलेगी, जिनमें ग्रुप स्टेज के 10 मैच मेक्सिको सिटी, ग्वाडलुजारा और मॉन्टेरी में होंगे। बाकी मुकाबले अमेरिका के 11 शहरों में आयोजित किए जाएंगे। फीफा ने इस भव्य आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। संगठन ने अमेरिका में अपने फील्ड ऑफिस मियामी और न्यूयॉर्क के ट्रंप टॉवर में स्थापित किए हैं।

2024 में अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के साथ हुए समझौते के अनुसार, जून में अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन को 130 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है। रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग के अनुसार, मेसी दिसंबर में तीन भारतीय शहरों का एक व्यक्तिगत दौरा भी कर सकते हैं। टूर् ऑफ़ इंडिया 2025 नामक यह दौरा कोलकाता से शुरू होगा, उसके बाद अहमदाबाद, मुंबई और नई दिल्ली में होगा। आठ बार के बैलन डीओर विजेता मेसी की प्रतिमा का अनावरण, कॉन्सर्ट और उनके संभावित कार्यक्रम में शामिल हैं।

सकते हैं। टूर् ऑफ़ इंडिया 2025 नामक यह दौरा कोलकाता से शुरू होगा, उसके बाद अहमदाबाद, मुंबई और नई दिल्ली में होगा। आठ बार के बैलन डीओर विजेता मेसी की प्रतिमा का अनावरण, कॉन्सर्ट और उनके संभावित कार्यक्रम में शामिल हैं।

मारिया शारापोवा और ब्रायन ब्रदर्स टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल



लंदन। पूर्व विश्व नंबर-वन टेनिस स्टार मारिया शारापोवा और दिग्गज डबल्स जोड़ी बॉब व माइक ब्रायन को इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। शारापोवा, जो अपने शानदार करियर में करियर ग्रैंड स्लेम जीतने वाली केवल 10 महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं, 2004 में विबलडन जीतकर सुर्खियों में आई थीं। इसके बाद उन्होंने 2006 में यूपएस ओपन, 2008 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2012 व 2014 में फ्रेंच ओपन जीता। वह पहली रूसी खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने डब्ल्यूटीए रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया। 2012 लंदन ओलंपिक में उन्होंने सिल्वर मेडल भी जीता था। शारापोवा ने 2020 में 32 साल की उम्र में संन्यास ले लिया था। ब्रायन ब्रदर्स पुरुष डबल्स में सबसे सफल जोड़ी मानी जाती हैं। दोनों ने मिलकर 16 ग्रैंड स्लेम खिताब जीते और 438 समाप्त तक विश्व नंबर-1 जोड़ी बने रहे। 2012 ओलंपिक में स्वर्ण पदक और 2007 में अमेरिका को डेविस कप खिताब दिलाने में भी उनका बड़ा योगदान रहा। इंडवराज समारोह से पहले शारापोवा ने कहा, यह सफर कड़ी मेहनत और बलिदान से भरा था, लेकिन हर पल इसके काबिल था। वहीं, ब्रायन ब्रदर्स ने इसे बेहद विनम्र अनुभव बताते हुए कहा, अपने करियर की यादगार उपलब्धियों को हॉल ऑफ फेम में देखना गर्व की बात है।

हीरो एशिया कप 2025 के लिए भारत पहुंची मलेशिया की टीम

कप्तान मरहान जलील ने राजगीर पहुंचने पर जताई खुशी, कहा- भारत को हराना आसान नहीं होगा

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां) । बिहार में होने जा रहे प्रतिष्ठित हीरो एशिया कप 2025 के लिए शनिवार सुबह मलेशिया की टीम राजगीर पहुंच गई है। यह टूर्नामेंट 29 अगस्त को शुरू होगा और 7 सितंबर तक चलेगा। मलेशिया की टीम के यहां पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। पिछली बार जकार्ता में हुए फाइनल में मलेशिया की कोरिया के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इस बार मलेशिया के कप्तान मरहान जलील ने साफ कहा कि टीम जीतने के इरादे से आई है। उन्होंने कहा, राजगीर



आकर बेहद उत्साहित हूँ। हमारी तैयारियां अच्छी रही हैं और हम एक शानदार टूर्नामेंट की उम्मीद कर रहे हैं। मेजबान भारत को हराना आसान नहीं होगा क्योंकि उन्होंने प्रो लीग में कई शीर्ष टीमों के साथ खेला है और उनके पास बेहतरीन अनुभव और अंतरराष्ट्रीय हॉकी का एक्सपोजर है।

उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा चैंपियन कोरिया भी इस टूर्नामेंट में देखने योग्य टीम होगी। उन्होंने कहा कि इस साल हम उनके खिलाफ खेल चुके हैं और वे बेहद फिट और तेज नजर आ रहे हैं। कुल मिलाकर हमारी कोशिश पहले सुपर 4 में पहुंचने की होगी।

एशिया कप 2025 के लिए बांग्लादेश टीम घोषित, लिटन दास होंगे कप्तान; शांते-मेहदी बाहर

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शुक्रवार को एशिया कप 2025 के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। इस टीम के खिलाड़ी इससे पहले नीदरलैंड्स के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेंगे। टीम की कमान लिटन दास के हाथों में होगी, जिन्होंने हाल ही में श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में बांग्लादेश को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। लंबे समय बाद विकेटकीपर बल्लेबाज नुसरल हसन टीम में वापसी कर रहे हैं। वहीं, अनुभवी ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज को मुख्य टीम में जगह नहीं मिली है, जबकि सीनियर बल्लेबाज नजमुल हुसैन शांते भी टीम से बाहर कर दिए गए हैं। सीन्या सरकार को स्टैंडबाय खिलाड़ियों में रखा गया है। बांग्लादेश को एशिया कप में ग्रुप-बी में रखा गया है, जहां उसका सामना अफगानिस्तान, हांगकांग और श्रीलंका से होगा।

टीम के मुख्य कोच सरजीत कुंदन ने गर्मजोशी भरे स्वागत पर खुशी जताते हुए कहा, सबसे पहले तो हम इस शानदार स्वागत के लिए आभारी हैं। हमें खुशी है कि हम समय से पहले यहां पहुंचे और कुछ वॉर्म-अप मैच भी खेल पाएंगे। हम एक युवा टीम हैं और हमारा लक्ष्य 2028 ओलंपिक और

अगले साल के एशियाई खेलों की तैयारी करना है। हाल ही में हमने ऑस्ट्रेलिया और कोरिया का दौरा किया और सुलतान अजलान शाह टूर्नामेंट भी खेला है। यहां हमारा मकसद अच्छा खेलना है। हम इस प्रतियोगिता में दूसरी वीरियता प्राप्त टीम हैं और उम्मीद है कि पदक जीतेंगे।

दिल्ली प्रीमियर लीग: पुरानी दिल्ली 6 के लिए अब हर मैच फाइनल जैसा



नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां) ।

नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में चल रही दिल्ली प्रीमियर लीग में पुरानी दिल्ली 6 का यह सीजन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टीम ने शुरुआत आउटर दिल्ली वॉरियर्स से 82 रनों की करारी हार के साथ की थी, लेकिन इसके बाद शानदार वापसी करते हुए लगातार दो मैच जीते। हालांकि, इसके बाद लय बिगड़ गई और वॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स से 27 रनों और ईस्ट दिल्ली राइडर्स से 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट के दूसरे हाफ में भी हालात और कठिन रहे, जहां उन्हें दोबारा लगातार साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज से 46 रनों और ईस्ट दिल्ली राइडर्स से 21 रनों से हार झेलनी पड़ी। अब पुरानी दिल्ली 6 शनिवार को वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ जीत हासिल करके अपने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) अभियान को पटरी पर लाने की कोशिश करेंगे। हालांकि प्लेऑफ की उम्मीदें बेहद कमजोर स्थिति में हैं और टीम के लिए अब हर मुकाबला एक नॉकआउट मुकाबले की तरह है। आगामी मुकाबलों पर बात करते हुए पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नांगिया ने कहा कि, हमें अपनी स्थिति का पूरा अंदाजा है और लड़के

भी जानते हैं कि दांव पर क्या लगा है। अब सबकुछ आत्मविश्वास और योजनाओं को अनुशासन के साथ लागू करने पर निर्भर करता है। यहां से हर मैच हमारे लिए फाइनल है। टीम एक बार फिर सलामी बल्लेबाज समर्थ सेठ की निरंतरता, देव लाकड़ा की विस्फोटक मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाजी और कप्तान वंश बेदी के हरफनमौला प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। साथ ही गेंदबाजों को भी अहम मौकों पर विकेट निकालने ही होंगे। टीम के पास अभी सेंट्रल दिल्ली किंग्स (25 अगस्त) और साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज (27 अगस्त) के खिलाफ मैच बाकी हैं, ऐसे में शनिवार का यह मुकाबला बेहद अहम होने वाला है।

टीम:

वंश बेदी (कप्तान), ऋषभ पंत (माकी खिलाड़ी), ललित यादव, देव लाकड़ा, आयुष सिंह, समर्थ सेठ, आरूष मल्होत्रा, सार्थक पाल, अग्रिम शर्मा, विवेक यादव, युग गुप्ता, उदव मोहन, प्रणव पंत, प्रिंस मिश्रा, रघुल सेनी, आर्यन कपूर, प्रदीप पराशर, एकांश डोबाल, आदित्य मल्होत्रा, रजनीश दादर, आशीष चौरसिया, कुश नागपाल, ध्रुव चौहान, गौरव सरोहा।

द हंड्रेड: वेल्श फायर ने बर्मिंघम फीनिक्स को दी शिकस्त, प्लेऑफ़ उम्मीदें बरकरार

लंदन, 23 अगस्त (एजेंसियां) ।

पुरुषों के द हंड्रेड 2025 में वेल्श फायर ने बर्मिंघम फीनिक्स को शुक्रवार रात 8 विकेट से हराकर प्लेऑफ़ की दौड़ में अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा। इस जीत के साथ दोनों टीमों के आठ-आठ अंक हो गए हैं और अब दोनों के पास दो-दो मैच शेष हैं। हालांकि नॉकआउट तक का रास्ता अब भी कठिन है। दोनों टीमों को अपने बाकी दोनों मुकाबले जीतने होंगे और साथ ही उम्मीद करनी होगी कि तीसरे स्थान पर मौजूद नॉर्डन सुपरचार्जर्स अंक गंवाए। इसी दौड़ में साउदर्न ब्रेव (12 अंक) और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स (8 अंक) भी शामिल हैं।

मैच में बर्मिंघम फीनिक्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निराशाजनक शुरुआत की। बेन डकेट को राइली मेरेडिथ ने जल्दी ही आउट कर दिया। जो क्लार्क और विल स्मीड ने रन गति बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन बेन केलअवे ने क्लार्क को आउट कर फीनिक्स की बेयरस्टो ने ताबड़तोड़ 35 रन (21 गेंद) जोड़े और टीम की जीत की ओर धकेला। अंत में कप्तान टॉम एबेल ने चौका जड़कर जीत दिलाई।



सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेल्श फायर ने शानदार शुरुआत की। स्टीव स्मिथ और स्टीफन एस्कनाजी ने 72 रन की साझेदारी की। एस्कनाजी 42 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन स्मिथ ने पारी संभाले रखी। बीच में जॉनी बेयरस्टो ने ताबड़तोड़ 35 रन (21 गेंद) जोड़े और टीम की जीत की ओर धकेला। अंत में कप्तान टॉम एबेल ने चौका जड़कर जीत दिलाई।

सक्षिप्त स्कोरकार्ड:

बर्मिंघम फीनिक्स – 138/9 (100 गेंदों में), (जैकब बेथेल 38, जो क्लार्क 24; क्रिस ग्रीन 3/27, बेन केलअवे 2/10, राइली मेरेडिथ 2/25)

वेल्श फायर – 140/2 (89 गेंदों में) (स्टीवन स्मिथ 47*, स्टीफन एस्कनाजी 42, जॉनी बेयरस्टो 35)

परिणाम: वेल्श फायर 8 विकेट से विजयी।



अमेरिका में पाकिस्तानी छात्रों में बेचैनी, सोशल मीडिया जांच और ट्रैफिक उल्लंघन पर सख्ती

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका में पढ़ रहे पाकिस्तानी छात्र और अन्य वीजाधारक प्रशासन की कड़ी निगरानी से चिंतित हैं। एक अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप प्रशासन सोशल मीडिया की गहन जांच कर रहा है ताकि किसी भी अमेरिकी विरोधी या चरमपंथी गतिविधि का पता लगाया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि वे अमेरिकी नागरिकों, संस्कृति और संस्थानों के प्रति शत्रुता के संकेत खोज

ट्रंप प्रशासन की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग से वीजाधारकों में अनिश्चितता, मामूली उल्लंघनों पर भी नजर

रहे हैं। इस जांच के दौरान मामूली ट्रैफिक उल्लंघन, राजनीतिक प्रदर्शन या दस्तावेजों

की कमी भी वीजा रद्द होने का कारण बन सकती है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रैफिक उल्लंघन के मामलों का रिकॉर्ड अब अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के साथ साझा किया जाएगा। उत्तरी वर्जीनिया की एक यातायात अदालत ने हाल ही में दो पाकिस्तानी छात्रों को यह सूचना दी। बाल्टीमोर के छात्र युनुस खान ने कहा कि वे शिकागो जाने का मन बना रहे थे, लेकिन

सुरक्षा कारणों से उन्हें यात्रा टालनी पड़ी। वहीं, समीना अली ने बताया कि फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों में शामिल होने के बाद छात्रों में भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस कड़ी निगरानी के कारण पाकिस्तानी समुदाय में भय और असमंजस की स्थिति बन गई है। छात्र अपनी पढ़ाई और भविष्य को लेकर अनिश्चित हैं, क्योंकि कोई भी छोटी गलती उनके अमेरिकी प्रवास को खतरे में डाल सकती है।

न्यूज ब्रीफ

टिकटाक की भारत में वापसी की अटकलें तेज, वेबसाइट हुई एक्टिव

जम्मु। टिकटॉक जो 2020 में भारत में बैन हुआ था, उसकी वेबसाइट हाल ही में कुछ उपयोगकर्ताओं के मोबाइल और लैपटॉप पर एक्टिव दिख रही है। हालांकि ऐप अभी भी गुगल प्ले स्टोर और एपल स्टोर पर उपलब्ध नहीं है, जिससे साफ नहीं हो पा रहा कि टिकटॉक पूरी तरह से भारत में वापस आ रहा है या नहीं। यह संकेत ट्रेस्टिंग या सीमित रोलआउट के हो सकते हैं। कहीं वेबसाइट की उपलब्धता, कहीं भारत-चीन रिश्तों में सुधार की उम्मीदें भारत और चीन के बीच रिश्तों में हाल ही में सुधार के चलते टिकटाक की वापसी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, भारत सरकार ने अभी तक टिकटाक की वापसी के लिए कोई आधिकारिक मंजूरी नहीं दी है। कंपनी की तरफ से भी कोई घोषणा नहीं आई है। फिलहाल टिकटाक भारत में आधिकारिक रूप से बैन ही है और बिना अनुमति काम नहीं कर सकता।

1 सितंबर से बजाज आलियांज पॉलिसीधारकों को अस्पतालों में कैशलेस सुविधा नहीं: एचपीआई



नई दिल्ली। एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स-इंडिया (एचपीआई) ने घोषणा की है कि उसके सदस्य अस्पतालों में 1 सितंबर से बजाज आलियांज जनरल इश्योरेंस के पॉलिसीधारकों को कैशलेस इलाज की सुविधा नहीं देंगे। संगठन ने तहत 15,200 से अधिक निजी अस्पताल आते हैं, जिनमें मेक्स हेल्थकेयर और मेदांता जैसे प्रमुख नाम भी शामिल हैं। एचपीआई का आरोप है कि बजाज आलियांज अस्पतालों को पुराने टैरिफ पर भुगतान कर रहा है, जबकि मेडिकल खर्चों में सालाना 7-8 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है। पुराने टैरिफ, पेंमेंट कटौती और मेडिकल इन्वोलेशन को लेकर असंतोष; अस्पतालों ने रिफर्म्समेंट विकल्प रखा इसके अलावा कंपनी पर प्री-ऑथ और डिस्चार्ज अप्रुवल में देरी और पेंमेंट में मनमानी कटौती के भी आरोप लगाए गए हैं। संगठन का कहना है कि इस स्थिति में अस्पतालों के लिए गुणवत्तापूर्ण इलाज जारी रखना कठिन हो गया है। हालांकि एचपीआई ने स्पष्ट किया कि इलाज पूरी तरह बंद नहीं होगा। मरीजों को सेल्फ-पे आधार पर इलाज मिलेगा और वे बाद में कंपनी से रिफर्म्समेंट वलेम कर सकेंगे। संगठन ने इसी तरह की शिकायत के चलते केयर हेल्थ इश्योरेंस को भी नोटिस भेजा है और चेतावनी दी है कि 31 अगस्त तक जवाब नहीं मिलने पर उनकी भी कैशलेस सुविधा बंद की जा सकती है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, बजाज आलियांज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कंपनी पॉलिसीधारकों को बेहतर सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है और संवाद के जरिए समाधान निकालने की उम्मीद है।

रूस से सस्ते तेल का लाभ निजी कंपनियों तक सीमित, रिलायंस और नायरा ने उठाया सबसे ज्यादा मुनाफा, सरकारी कंपनियां पीछे रहीं



नई दिल्ली। रूस से सस्ते कच्चे तेल का आयात भारत के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद रहा, लेकिन इसका लाभ सभी को समान रूप से नहीं मिला। निजी क्षेत्र की दो बड़ी कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी ने इस अवसर का सबसे अधिक फायदा उठाया। उद्योग सूत्रों और शिपमेंट डेटा के अनुसार देश की सात प्रमुख रिफाइनरी कंपनियों ने राजाना करीब 18 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल खरीदा, जिसमें से करीब 8.81 लाख बैरल प्रतिदिन अकेले इन दो निजी कंपनियों के हिस्से में आया। नायरा एनर्जी को रूस की सरकारी कंपनी रोसनेफ्ट निर्यात करती है। सरकारी रिफाइनरियों को घरेलू बाजार में तय कीमतों पर ईंधन बेचने की बाध्यता के कारण अपेक्षाकृत कम मुनाफा हुआ। वहीं, निजी कंपनियों ने सस्ते रूसी तेल को रिफाइन कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊंचे दामों पर बेचा। अमेरिकी वित्त मंत्री के अनुसार भारतीय कंपनियों को ऐसे स्रोतों से अब तक करीब 16 अरब डॉलर का मुनाफा हुआ है। उन्होंने इसे जंग के समय मुनाफाखोरी करार दिया। फिनलैंड की एक संस्था की रिपोर्ट बताती है कि जी7 प्लस देशों ने भारत और तुर्की की 6 रिफाइनरियों से 21 अरब डॉलर के ईंधन उत्पाद खरीदे, जिनमें से लगभग 9 अरब डॉलर के उत्पाद रूसी कच्चे तेल से बने थे।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में मिला-जुला रुख रहा

- सेसेक्स 693 अंक गिरकर 81,306.85 अंक पर बंद

- निफ्टी 213 अंक गिरकर 24,870.50 अंक पर बंद

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार में बीते सप्ताह मिला-जुला रुख देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में बाजार में जबर्दस्त तेजी रही, जिसका श्रेय जीएसटी व्यवस्था में समावित सुधारों और प्रमुख कंपनियों में निवेश बढ़ने को दिया जा सकता है। हालांकि सप्ताह के अंत में आईटी और बैंकिंग शेयरों में गिरावट के चलते बाजार फिसल गया। यह सप्ताह निवेशकों के लिए भावनात्मक रूप से उतार-चढ़ाव से भरा रहा।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सेसेक्स 1,021 अंक की भारी बढ़त के साथ 81,619.59 पर खुला और 676 अंकों की तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी ने 322 अंकों की छलांग लगाई और 24,876.95 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी तेजी बरकरार रही। बाजार ने जीएसटी सुधारों की योजनाओं को सकारात्मक संकेत के रूप में लिया, जिससे सेसेक्स और निफ्टी दोनों में मजबूती आई। बुधवार को एशियाई बाजारों के कमजोर संकेतों का असर घरेलू बाजार पर भी पड़ा। हालांकि शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन दिन के अंत में मामूली तेजी के साथ बाजार बंद हुआ। गुरुवार को रिलायंस और आईसीआईसीआई बैंक में खरीदारी से बाजार ने मजबूती दिखाई। सेसेक्स 82,000 के पार बंद हुआ। आईटी और बैंक शेयरों की गिरावट की वजह से लगभग एक सप्ताह की तेजी के बाद शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई। सेसेक्स शुरुआती कारोबार में 262.05 अंक गिरकर 81,738.66 पर खुला और 693.86 अंक गिरकर 81,306.85 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 81.55 अंक गिरकर 25,002.20 पर खुला और 213.25 अंक गिरकर 24,870.50 अंक पर बंद हुआ।



म्यूचुअल फंड उद्योग परिचालन जोखिमों और फर्जीवाड़े से रहे सतर्क: सेबी प्रमुख

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय बाजार नियामक सेबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने म्यूचुअल फंड उद्योग को आगाह किया कि उन्हें केवल बाजार जोखिमों तक सीमित न रहकर परिचालन जोखिमों को भी गंभीरता से लेना होगा। उन्होंने कहा कि फर्जी निवेशकों द्वारा जालसाजी के मामलों में कोई व्यक्ति झूठे दस्तावेजों का सहारा लेकर असली निवेशकों की फंड यूनिट्स या राशि निकाल सकता है, जिससे निवेशकों का विश्वास गहिराई से प्रभावित होता है। सेबी प्रमुख ने म्यूचुअल फंड एसोसिएशन के एक कार्यक्रम में कहा कि एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को ऐसे धोखाधड़ी के मामलों में त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए और अपराध के बदलते तरीकों पर नजर रखनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि धोखाधड़ी के मामलों की जानकारी सभी एएमसी और रजिस्ट्रार एजेंटों के साथ साझा की जाए ताकि भविष्य में दोहराव से बचा जा सके। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य ने भी म्यूचुअल फंड उद्योग से जिम्मेदाराना और नैतिक वृद्धि पर जोर दिया। एएमसी को त्वरित कार्रवाई और पारदर्शिता सुनिश्चित करनी होगी उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा और नवाचार के दबाव में उद्योग को अल्पकालिक लाभ की बजाय निवेशकों के हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिससे दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित हो सके।



बैंक घोटाले में हिरेन भानु और पत्नी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस की तैयारी

एक्स्लेनेड कोर्ट ने मगोड़ा घोषित किया

मुंबई, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

मुंबई की एक्स्लेनेड कोर्ट ने न्यू रैंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन हिरेन भानु और उनकी पत्नी गौरी भानु को 122 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में भगोड़ा अपराधी घोषित किया है। कोर्ट ने पुलिस को दोनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इससे पहले मुंबई पुलिस ने दोनों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था क्योंकि वे विदेश फरार हो चुके हैं। कोर्ट ने मामले में शामिल पांच आरोपियों को 167.85 करोड़ रुपये कीमत वाली 21 संपत्तियों को कुर्क करने की अनुमति भी दी है।

इस घोटाले की जांच मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कर रही है। अब तक बैंक के पूर्व महाप्रबंधक हितेश मेहता, पूर्व सीईओ अभिमन्यु भोन सहित आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुंबई पुलिस अब इंटरपोल की मदद से हिरेन और उनकी पत्नी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की प्रक्रिया में है। यह प्रक्रिया लगभग एक महीने में पूरी हो सकती है। रेड



कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद दोनों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तलाश जाएगा। घोटाले के खुलासे के बाद हिरेन भानु फरार हो गए थे। उन्होंने खुद को निंदीय बताते हुए इस पूरे घोटाले की

जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिकारी हितेश मेहता पर डाली है। हिरेन ने बताया कि फरवरी में आरबीआई के अधिकारियों की पहली जांच के दौरान मेहता ने अपने अपराध को स्वीकार किया था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

टैरिफ विवाद के बीच...

शक्ति अधिनियम टैरिफ ढाँचे के अनुसार सीमा शुल्क के अधीन होंगी। हालांकि, 100 अमेरिकी डॉलर तक के मूल्य की उपहार वस्तुएं शुल्क से मुक्त रहेंगी।

उनके अनुभव...

जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए दो पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है। निर्वाचन आयोग द्वारा 7 अगस्त 2025 को जारी अधिसूचना के अनुसार, उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 के लिए मतदान और मतगणना 9 सितंबर को होगी। पर्यवेक्षकों के रूप में पंचायती राज मंत्रालय में अपर सचिव आईएसएस सुशील कुमार लोहानी (ओडिशा कैडर: 1995) और वित्त मंत्रालय के व्यव विभाग में तैनात अपर सचिव आईएसएस डी. आनंदन (सिक्किम कैडर: 2000) की नियुक्ति की गई है।

हिंदू मंदिरों को...

उत्तराखंड सरकार द्वारा अल्पसंख्यक शिक्षा बोर्ड के गठन का भी स्वागत किया गया तथा साथ ही यह भी अनुरोध किया गया कि केवल उन्हीं शिक्षण संस्थानों को अल्पसंख्यक समुदाय का संस्थान माना जाए जिनमें कम से कम 50% छात्र अल्पसंख्यक समुदाय से हों। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष दीवान सिंह फर्नाल्स, प्रदेश संगठन मंत्री अजय, प्रदेश संयोजक पूजा लटवाल, विभाग मंत्री पीयूष शर्मा, नंद किशोर जी, विभाग संगठन मंत्री मनोज जी, जिला मंत्री गिरिश पडलिया,

जिला सह मंत्री गिरिश पांडे, जिला संयोजक अंकित पाल जी, सह संयोजक अंकित पडलिया, राम जी अवस्थी, मीरा क्षोत्रिय आदि उपस्थित रहे।

चंद्रबाबू नायडू...

और नेशनल इलेक्शन बॉच (एन ई डब्ल्यू) की एक रिपोर्ट से इस बात की जानकारी मिली है। 127 राज्य और तीन केंद्र शासित प्रदेशों से सभी मौजूदा 30 मुख्यमंत्रियों के हलफनामों का एनालिसिस करके यह रिपोर्ट तैयार की है। डेटा पिछला चुनाव लड़ने से पहले दायर हलफनामों से लिया गया है। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू है। 132 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू दूसरे सबसे अमीर सीएम नंबर पर हैं। उनके पास करीब 165 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 167 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। हालांकि, खांडू कर्जदार मुख्यमंत्रियों की लिस्ट में सबसे ऊपर हैं। उनके ऊपर 180 करोड़ रुपये से ज्यादा की देनदारी है। कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया तीसरे नंबर पर हैं। उनके पास 51 करोड़ रुपये की संपत्ति है। इसमें 21 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 30 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। सबसे कम संपत्ति वाले अन्य मुख्यमंत्रियों में जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला दूसरे नंबर पर हैं। इनके पास भी सिर्फ 55.24 लाख रुपये की चल संपत्ति ही है। तीसरे नंबर पर केरल के सीएम पिनारई विजयन हैं। उनके पास 1.18 करोड़ रुपये की संपत्ति है। इसमें 31.8 लाख रुपये की चल और 86.95 रुपये की अचल संपत्ति है। देश के 30 मुख्यमंत्रियों में से 12 यानी 40% मुख्यमंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से 10 यानी 33 फीसदी पर हत्या की कोशिश, किडनैपिंग और रिश्वतखोरी जैसे गंभीर केस हैं। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी पर सबसे ज्यादा 89 मामले दर्ज हैं। चुनाव सुधार के लिए काम करने वाले एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक

रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आई है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब सरकार तीन बिल लाई है, जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में 30 दिन की हिरासत में लिए जाने पर निर्धारित अनुसूची, ईडी ने पीएनएल-2002 के तहत छापेमारी के दौरान लगभग 12 करोड़ रुपये की नकदी बरामद की, जिसमें लगभग 1 करोड़ की विदेशी मुद्रा शामिल है। ईडी ने लगभग 6 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण, लगभग 10 किलो चांदी के सामान और चार वाहन भी जब्त किए। इसके अलावा, 17 बैंक खाते और 2 बैंक लॉकर फ्रीज कर दिए गए। ईडी को केसी वीरेंद्र के भाई केसी नागराज और उनके बेटे पृथ्वी एन राज के पारिसर से कई संपत्ति से संबंधित दस्तावेज भी मिले, जिन्हें कब्जे में ले लिया। जांच में पता चला है कि विधायक केसी वीरेंद्र के सहयोगी दुबई से ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट चलाते हैं। यह भी सामने आया है कि विधायक केसी वीरेंद्र अपने सहयोगियों के साथ गंगोटो के लिए एक व्यापारिक यात्रा पर भी गए थे, जहां वे एक कैसीनो लीज पर लेने की योजना बना रहे थे। ईडी ने कहा, छापेमारी के दौरान जब सामग्री से यह संकेत मिलता है कि नकद और अन्य फंड्स की जटिल व्यवस्था की गई थी। शनिवार को ईडी ने गंगोटो से ही विधायक केसी वीरेंद्र को गिरफ्तार किया। फिलहाल, मामले में आगे की जांच जारी है।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का पहला प्रकाश

पोथी परमेसर का थान

अर्थात् परमात्मा का निवास स्थान श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी हैं ।



गुरु का स्थान हर युग, समाज, संस्कृति एवं समय में सर्वोपरि रहा है। गुरु जो अज्ञान का अंधकार दूर कर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। सही और गलत के बीच का भेद बताता है। हमें क्या करना चाहिए , क्या नहीं करना चाहिए इसका मार्गदर्शन करता है। वह हमारा सच्चा मित्र, बंधु बनकर हर परिस्थिति में हमारा साथ देता है । सम्पूर्ण पर चलने की प्रेरणा देता है। मानवीय उच्च मूल्यों का अंगीकार करने की शिक्षा देता है। ऐसे महान गुरु, जुगो जुग अटल धन धन साहेब श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का पहला प्रकाश आज सारा विश्व अत्यंत हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मना रहा है । श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी भारतीय एवं विश्व संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं । इनके प्रकाश का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक , साहित्यिक एवं नैतिक दृष्टि से अन्य साधारण महत्व है।

सिख धर्म के संस्थापक, मानवता के पुंज गुरु नानक देव जी ने गुरबाणी को, शब्द गुरु को सर्वश्रेष्ठ माना। उन्होंने ईश्वरीय वाणी द्वारा दुख चिंताओं को दूर किया। धुर की बानी आई। तिनी सगली चित मिटाई।।गुरुवाणी द्वारा उन्होंने मध्ययुगीन जातिगत ,धर्मगत तथा बाह्यगत सारे भेदभावों को दूर कर सभी को गले लगाया। सभी को ईश्वर की एक संतान माना ।गुरबाणी द्वारा दीन दुखियों के कष्ट हरे। मध्ययुग में सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं नैतिक स्थिति अत्यंत शोचनीय थी।समाज का शासक एवं शोषित वर्ग सभी अपनी-अपनी बीन बजा रहे थे। धर्म के वास्तविक रूप को कोई नही पहचान रहा था । अज्ञान केअंधकार में कोई राह

बताने वाला नहीं था।उस समय के साधु ,संतों,महात्माओं ने इस अज्ञान के अंधकार को दूर करने का सर्वोपरि प्रयत्न किया। ऐसे में गुरु नानक देव जी ने भी अपनी मृदुल गुरबाणी द्वारा अज्ञान के अंधकार को ज्ञान के प्रकाश से दूर किया। अंधविश्वास,अधर्म के अंधकार में भटक जनमानस को धुर की वाणी द्वारा शब्द गुरु द्वारा आनंद तथा शीतलता प्रदान की। मानवता का संचार किया। सभी को समान भाव से देखा ।उन्होंने गुरबाणी द्वारा प्रेम, समानता एवं सेवा का सरल धर्मोपदेश दिया। इसी धर्मोपदेश को गुरु नानक देव जी के बाद उनके परवर्ती नानक रूपी गुरुओं ने आगे बढ़ाया और गुरबाणी को परमेसर का स्थान दिया। सिखों के पांचवे गुरु गुरु अर्जन देव जी ने अपने पूर्ववर्ती गुरु ,भक्तों ,संतों की वाणी जो गुरबाणी से एकरूप थी, उन सभी की वाणी को एकत्रित कर संकलित किया।उन्होंने पोथी परमेसर का थान मानकर गुरु परंपरा द्वारा अपने परवर्ती चार गुरुओं की ,स्वयं की तथा अन्य संतो, भक्तों एवं भट्टों की वाणी के प्रामाणिक स्रोतों को इकट्ठा किया ।उनकी निष्पक्ष रूप से जांच पड़ताल कर संपूर्ण गुरबाणी का संपादन किया ।इस प्रकार श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को संसार के एकमात्र ऐसे धर्म ग्रंथ होने का मान तथा गौरव प्राप्त है जिसको सदुरु द्वारा स्वयं अपनी देखरेख में अन्य गुरुओं तथा भक्तों की वाणी को ज्यों का त्यों प्रामाणिक रूप में संकलित किया गया। ऐसे पवित्र प्रामाणिक गुरुवाणी का संकलन जाति ,वर्ण,कुल के दायरे से बाहर निकलकर करना तत्कालीन परिस्थितियों में एक अत्यंत चुनौती पूर्ण कार्य था। गुरु अर्जन देव जी ने इसे गुरुज्ञा मानकर स्वीकार किया। उन्होंने अपनी उदार तथा साग्रही दृष्टि द्वारा गुरबाणी का गहन अध्ययन, चिंतन किया। गुरबाणी की शिक्षा, संदेश सभी के लिए एक समान हो तथा सभी की वाणी में एकसरता हो इसका विशेष ध्यान रखा ।पश्चात 14 वर्षों के अथक परिश्रम के बाद सन 1604 ईस्वी में गुरुजी के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन एवं निरीक्षण में भाई गुरदास जी ने आदि ग्रंथ साहिब जी की संपादना पूर्ण की। इसके बाद गुरु गोविंद सिंह जी ने अपने पिता गुरु तेग बहादुर जी की वाणी को आदि ग्रंथ साहिब जी में समाहित कर सन 1708 ईस्वी में नांदेड़ महाराष्ट्र की पावन पवित्र भूमि पर सदा के लिए देहधारी गुरुओं की परंपरा को खत्म कर आदि



ग्रंथ साहिब जी को गुरु की पदवी से सुशोभित किया। इस प्रकार श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी सदा के लिए गुरु रूप में प्रतिष्ठित हुए हैं।

बाणी गुरु गुरु है बाणी विच बाणी अमृत सारे।। अर्थात बाणी ही गुरु है और गुरु ही बाणी है ।दोनों अभेद हैं। इसी में सारी अच्छाइयां, मानवता का भला करने वाले अमृतमई गुण समाहित हैं।गुरबाणी हमें परमात्मा से जोड़ती है ।मनुष्य को मानवता के

रहकर प्रभु का नाम जपते हुए गुरु का सच्चा सेवक, गुरुमुख बनने की शिक्षा देती है ।

मानवीय उच्च मूल्यों से परिपूर्ण श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी तत्कालीन समय में जितने महत्व-पूर्ण थे वहीं आज भी तथा आने वाले समय में भी उतने ही प्रासंगिक रहेंगे ।श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में आया प्रत्येक सबद(पद) मानवता का संदेश देता है ।किसी काव्य की सार्थकता और प्रासंगिकता का प्रश्न उसके



पथ पर चलने की सत्प्रेरणा देती है ।मनुष्य की हर समस्या का योग्य समाधान गुरबाणी द्वारा प्राप्त होता है।

गुरबाणी मनुष्य को काम, क्रोध लोभ, मोह, अहंकार से बचाती है। मनुष्य को प्रेम एवं विश्वास, विनम्रत, दया, सेवा, परोपकार, प्रिय वचन जैसे सदुणों को धारण कर, सत्संगति में

मानव मूल्यों से संबंध रहता है ।इस संदर्भ में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी खरे उतरते हैं ।श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी मानवीय सर्वोच्च मूल्यों के स्रोत तो हैं ही, साथ ही युगीन परिस्थितियों से जुझने तथा मानवता की रक्षा करने में पूर्णतया समर्थ हैं। भव्यकाल में जब मानवता तार तार हो रही थी ऐसे में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रकाश

का उद्देश्य सत्य, शांति एवं समानता को इस धरती पर पुनः स्थापित करना था। मानवीय मूल्यों की इस परम शाश्वत अमूल्य धरोहर को सौंप कर मानवता को चिरंजीविता का आशीर्वाद देने वाली, महिमा मंडित करने वाली श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में आई गुरुओं, भक्तों की वाणी वैसे ही एक रूप हो गई है जैसे दूध में खांड मिल जाती है। सद्य स्थिति में बड़ी तेजी से आधुनिकता का लिबास पहने मानव आगे बढ़ता जा रहा है ।किंतु आधुनिकता की होड़ में अपनी संस्कृति, संस्कार और सभ्यता से मुंह मोड़कर नैतिक मूल्यों का हनन कर रहा है।

हिंसाचार, नैतिक मूल्यों का अधः पतन, वैवाहिक, सामाजिक जीवन में असंगतियां, असंतोष, नशे का सेवन, नारी शोषण, आतंकवाद, मानसिक, शारीरिक विकार आदि अनेकानेक बुराइयों ने एक ऐसे महादानव का सृजन किया है जिसका महामानव बनकर ही अंत किया जा सकता है। ऐसे महामानव का निर्माण करने में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी सर्वदा समर्थ है।श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी ने तत्कालीन परिस्थितियों में मनुष्य को दुष्प्रवर्तियों से सावधान कर मानवता की रक्षा की। साथ ही सद्य स्थिति में तथा आने वाले समय के बारे में भी मनुष्य को सचेत किया है ।गुरबाणी में जीवन के हर पहलू पर प्रकाश डालकर जिस सरलता से उन समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया है, वह अद्भुत है। इसीलिए श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को कलयुग का जहाज कहा जाता है ।जिसके सहारे मनुष्य दुर्गुणों एवं विकारों के भवसागर से सुरक्षित निकालने में समर्थ सिद्ध हुआ है।

ऐसे कलयुग के जहाज श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी अनेकानेक, अद्वितीय गुणों, विशेषताओं, मानवीय सर्वश्रेष्ठ मूल्यों से भरा महासागर है जिसका कोई पारा वार नही।गुरबाणी अपने आप में एक विराट दर्शन, सर्वव्यापी सोच है ।आज तथा आने वाले समय में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी सारे संसार को अपने दिव्य ज्ञान के प्रकाश से ऐसे ही सदा प्रकाशित करते रहेंगे।

आप जी के पहले प्रकाश को कोटि-कोटि नमन।

डॉ.रॉजेंद्र कौर महाजन,
हैदराबाद

क्या भाग्य की डोर कर्म के हाथों में है, जानें सदियों से चली आ रही भाग्य और कर्म की जुगलबन्दी



अनादिकाल से कर्म और भाग्य के रहस्यों पर विचार-विमर्श होता आया है, किंतु आज तक ऐसा कोई निर्णायक निष्कर्ष नहीं निकला जो सभी को एक साथ संतुष्ट कर सके। प्रश्न सदा यही रहा है, यदि जीवन पूर्णतः भाग्य के अधीन है और भाग्य पूर्वनिश्चित तथा अपरिवर्तनीय है, तो फिर कर्म का महत्त्व कहाँ रह जाता है। आइए इस रहस्य को एक उदाहरण के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करें।

मान लीजिए, एक गाय को 10 मीटर लंबी रस्सी से एक खूंटे में बांध दिया गया है और उसके चारों ओर हरा-भरा घास का मैदान है। रस्सी की लंबाई के अनुसार, गाय 20 मीटर व्यास के वृत्ताकार क्षेत्र में घूम सकती है। यह 20 मीटर का दायरा उसके भाग्य की परिधि है, भाग्य की परिधि जीवन में आने वाले उपलब्ध अवसर और संभावनाएँ हैं। यदि गाय सक्रिय होकर चारों ओर घूमे, तो वह इस पूरे क्षेत्र की घास खा सकती है। यदि वह कर्म न करे तो इस क्षेत्र की घास चरने से वंचित रह जायेगी। कहा जा सकता है कि 20 मीटर व्यास के वृत्त का क्षेत्र गाय का भाग्य है और जितनी घास वह खा सकी वह उसका कर्म है, स्पष्ट है कि प्रयास करने पर ही भाग्य का सम्पूर्ण उपयोग सम्भव है। भाग्य की सम्पूर्णता का लाभ तभी संभव है, जब कर्म किया जाए।

उपचार की आवश्यकता- यदि गाय 20 मीटर क्षेत्र की समस्त घास चरना चाहती है, किन्तु उसके कर्म का मार्ग विभिन्न बाधाओं से अवरुद्ध हैं, जैसे, गाय बीमार हो सकती है, उसके मार्ग में कांटे हो सकते हैं इत्यादि। यदि मार्ग से कांटे हटा दिए जाएँ, बीमारी का इलाज कर दिया जाए, तो गाय अपने सम्पूर्ण भाग्य का पूर्ण उपभोग कर सकेगी। हमारे जीवन में भी यही सिद्धांत लागू होता है। कई बार ग्रह-स्थितियां या कर्मफलजन्य बाधाएँ हमारे मार्ग में रुकावट डालती हैं। यह अवरोध कार्यसिद्धि में देरी, असफलता या अपूर्ण फल का कारण बनते हैं।

ज्योतिषशास्त्र यहां एक सहायक मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। जन्मकुंडली के ग्रह हमारी प्रवृत्तियों, अवसरों और बाधाओं का संकेत देते हैं। यदि कोई ग्रह कार्यसिद्धि में अवरोधक है, तो उसे अनुकूल करने हेतु विशेष उपाय किए जाते हैं। उपाय उस ग्रह की नकारात्मकता को घटाकर सकारात्मकता को बढ़ाते हैं।

चंद्रग्रहण से मेष, मिथुन सहित अन्य राशियों को मिलेगा लाभ, सितंबर में तेजी से बढ़ेगी धन संपत्ति

इस साल का दूसरे चंद्रग्रहण 7 सितंबर को लगने जा रहा है। कुंभ राशि में पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में चंद्रमा को ग्रहण लगेगा। ग्रहण के दौरान चंद्रमा और राहु दोनों साथ में कुंभ राशि में विराजमान रहेंगे। जबकि सूर्य और केतु चंद्रमा से सप्तम भाव में होकर चंद्रमा पर दृष्टिपात करेंगे। ऐसे में जिन राशियों से तीसरे, चौथे, छठे, नौवें, 11वें में ग्रहण लगेगा उन राशियों को इस ग्रहण से जमकर लाभ मिल सकता है।

चंद्रग्रहण के बाद से ही मेष, मिथुन सहित 5 राशियों को अचानक लाभ, धन संपत्ति वाहन आदि का सुख मिल सकता है। बता दें कि धार्मिक दृष्टि से चंद्रग्रहण को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। चंद्रग्रहण का असर देश और दुनिया पर भी पड़ेगा। चंद्रग्रहण के कारण कुछ स्थानों पर अग्निकांड, युद्ध, रोग, प्राकृतिक आपदा आ सकती है। लेकिन, चंद्रमा पर गुरु की दृष्टि होने से जल्द ही परिस्थितियां अनुकूल हो जाएंगी। साथ ही 5 राशियों को भी लाभ मिल सकता है।

मे़ष राशि, अचानक लाभ मिलेगा

मे़ष राशि से 11वें भाव में चंद्रग्रहण लगने जा रहा है। ऐसे में मे़ष राशि के जातकों को अचानक लाभ मिल सकता है। व्यापारियों के लिए अब समय है अपनी क्षमता और रचनात्मकता दिखाने का। व्यापारी वर्ग के जातक इस अवधि में काफी पैसा कमाएंगे। साथ ही भविष्य में लाभ दिलाने वाली कुछ और भी योजनाओं में आप निवेश कर सकते हैं। घर परिवार में अगर आप किसी की सेहत को लेकर परेशान थे तो अब उनकी सेहत में काफी सुधार देखने को

मिलेगा। जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी।

मिथुन राशि, फंसा धन मिलेगा

मिथुन राशि से नवम भाव में चंद्रग्रहण लगने जा रहा है। ऐसे में मिथुन राशि के जातकों को बड़ा धन लाभ मिल सकता है। साथ ही आज आपको अपने फंसा हुआ धन भी वापस मिल सकता है। जिसे लेकर आप काफी समय से बहुत ही चिंतित थे। अब आपकी कई मुश्किलें आसान होंगी।



साथ ही अचानक लाभ मिलने के योग भी हैं। पहले किए गया निवेश आपको अब लाभ देगा। लेकिन, आपको स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना होगा। परिवार के बुजुर्ग की सेहत का विशेष ख्याल रखें।

कन्या राशि, शत्रु को मात देंगे

कन्या राशि से छठे भाव में चंद्रग्रहण लगने जा रहा है। इसी के साथ कन्या राशि के जातक अब अपने शत्रु पर जीत हासिल करेंगे। आप हर तरह से अपने शत्रुओं को मात देंगे। इस अवधि में आप कुछ ऐसे

कठिन निर्णय ले सकते हैं जिनसे आपको लाभ मिल सकता है। साथ ही नौकरीपेशा वर्ग के लोगों को कार्यस्थल पर अब सराहना मिल सकती है। साथ ही आपको धन संपत्ति का सुख मिलने के योग भी दिखाई दे रहे हैं। बस आपको थोड़ा सावधानी से अपने काम करने होंगे।

वृश्चिक राशि, वाहन का सुख मिलेगा

वृश्चिक राशि से चौथे भाव में चंद्रग्रहण लगने जा रहा है। ऐसे में वृश्चिक राशि के लोगों को वाहन का सुख मिल सकता है। इस दौरान कुछ लोग अपनी डीम कार या बाइक खरीद सकते हैं। साथ ही इस अवधि में आप काफी यात्राएं भी कर सकते हैं। जिनसे आपको काफी लाभ मिल सकता है। यह यात्राएं धार्मिक और कामकाज से संबंधित होंगी। लेकिन, माता की सेहत को लेकर लापरवाही न करें। उनकी सेहत का विशेष ख्याल रखें।

धनु राशि, साहस में वृद्धि होगी

धनु राशि से तीसरे भाव में चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है ऐसे में धनु राशि के जातकों के अंदर एक अलग ही साहस देखने को मिलेगा। आने वाला समय धनु राशि के लोगों के लिए करियर में धन लाभ और उन्नति दिलाने वाला है। अगर आप काफी समय से बीमार चल रहे हैं तो आपकी सेहत में सुधार होगा। साथ ही आपके अपने भाई बहन के साथ रिश्तों में सुधार होगा। पैतृक संपत्ति या किसी और संपत्ति को लेकर जो भी विवाद था वह सभी अब खत्म होंगे। जो लोग नौकरी बदलने का प्रयास कर रहे हैं वह सफल होंगे।

चाहे प्रारब्ध कितना भी कठिन क्यों न हो, वर्तमान कर्म ही आपके अगले क्षण का बनाता है भाग्य

वर्तमान कर्मों का भाग्य पर प्रभाव – वर्तमान जन्म में व्यक्ति के कर्म यानी पुरुषार्थ उसके भाग्य को प्रभावित करते हैं। जन्मपत्री में शिक्षा का स्तर आदि से संबंधित योग रहते हैं, लेकिन व्यक्ति उन ज्योतिषीय योगों के निमित्त उस दिशा में कितनी मेहनत करता है, यह उसके वर्तमान कर्मों पर निर्भर है, जो आगे का भाग्य निश्चित करता है। इसे इस प्रकार समझा जा सकता है, जैसे कि, जब कोई धार्मिक ग्रंथ, मान लीजिए तीर्थ विशेषांक, वर्षों बाद दोबारा प्रकाशित होता है, तो उसमें यह स्पष्ट किया जाता है कि तीर्थों के नाम, प्रभाव और महत्त्व स्थायी होते हैं, यानी उनमें कोई बदलाव नहीं होता, परंतु



उनके मार्ग, यातायात के साधन, ठहरने की व्यवस्था आदि में समयानुसार परिवर्तन संभव है। इसलिए तीर्थ यात्रा करने वाले यात्रियों को चाहिए कि वे पुराने विवरणों पर पूर्णतः निर्भर न रहें, बल्कि वर्तमान परिस्थिति और

साधनों का भी विचार करें। बस ठीक यही स्थिति ज्योतिष शास्त्र की भी है।

व्यक्ति के पूर्व जन्मों के कर्मों के अनुसार उसका जन्म एक विशेष समय, स्थान और परिस्थिति में होता है। उस समय की ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति उसके जीवन की संभावनाओं, प्रवृत्तियों और प्रवाह का संकेत देती है। आपकी जन्मपत्री आपके जन्म से पहले तक की आपके शुभाशुभ कर्मों की रिपोर्ट है, जिसे जानकर व्यक्ति को समय का बोध होता है, कब आगे बढ़ना है, कब रुककर तैयारी करना है, कब सावधान रहना है।

ग्रहों की चाल और दशाएं ये बताती हैं कि समय कैसा है, अनुकूल, प्रतिकूल या सावधानी वाला। लेकिन समय का कैसे उपयोग करना है, यह व्यक्ति के वर्तमान पुरुषार्थ पर निर्भर करता है। इसलिए कहते हैं, भविष्य तो अभी बना ही नहीं है, क्योंकि व्यक्ति के हर क्षण का कर्म उसके सोचने का तरीका और उसके द्वारा लिया गया निर्णय ही आने वाले भविष्य की परिस्थितियां बना रहा है। आज जो बीज बोएंगे, वही कल फल बनकर आएगा, अगर बोया ही नहीं तो फल कहाँ से मिलेगा। ग्रहों की चाल और दशाएं ये बताती हैं कि समय कैसा है, अनुकूल, प्रतिकूल या सावधानी वाला। लेकिन समय का कैसे उपयोग करना है, यह व्यक्ति के वर्तमान पुरुषार्थ पर निर्भर करता है। इसलिए कहते हैं, भविष्य तो अभी बना ही नहीं है, क्योंकि व्यक्ति के हर क्षण का कर्म उसके सोचने का तरीका और उसके द्वारा लिया गया निर्णय ही आने वाले भविष्य की परिस्थितियां बना रहा है। आज जो बीज बोएंगे, वही कल फल बनकर आएगा, अगर बोया ही नहीं तो फल कहाँ से मिलेगा।

यशराज फिल्म की खोज थीं गौहर खान और वाणी कपूर, ऐसे शुरू हुआ फिल्मी सफर

भा रतीय सिनेमा की सबसे प्रतिष्ठित प्रोडक्शन कंपनियों में से एक 'यशराज फिल्म' (वाईआरएफ) ने कई प्रतिभाशाली कलाकारों को बॉलीवुड में लॉन्च किया है। उनमें गौहर खान और वाणी कपूर भी शामिल हैं, जिनकी प्रतिभा को वाईआरएफ ने ही तराशने का काम किया। गौहर ने 2009 में वाईआरएफ की फिल्म 'रॉकेट सिंह: सेल्समैन ऑफ द ईयर' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की, जबकि वाणी कपूर ने 2013 में 'शुद्ध देसी रोमांस' के साथ डेब्यू किया। हालांकि, बाद में वे दोनों वाईआरएफ की कई अन्य फिल्मों में भी नजर आईं।

दोनों अभिनेत्रियों का वाईआरएफ के साथ कनेक्शन उनकी करियर के लिए महत्वपूर्ण रहा है, जिसने उन्हें बॉलीवुड में एक मजबूत पहचान दिलाई।

23 अगस्त 1983 को महाराष्ट्र के पुणे में एक मुस्लिम परिवार में जन्मीं गौहर खान पांच भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं और उनकी बड़ी बहन निगार खान भी एक जानी-मानी टीवी एक्ट्रेस हैं। गौहर ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की और 2002 में फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जहां उन्हें 'मिस टैलेंटेड' का खिताब मिला। गौहर ने मनीष मल्होत्रा, रितु कुमार और नीता लुह्ला जैसे मशहूर डिजाइनरों के लिए मॉडलिंग की। मॉडलिंग में मिली कामयाबी से उनका फिल्मी करियर भी परवान चढ़ा। गौहर ने 2009 में यशराज फिल्म की 'रॉकेट सिंह: सेल्समैन ऑफ द ईयर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके अलावा, 2010 में गौहर खान ने एकता कपूर की फिल्म 'वन्स अपॉन ए टाइम



इन मुंबई में एक आइटम नंबर 'पर्दा' में भी अपने हुस्न का जलवा बिखेरा। साथ ही वाईआरएफ की फिल्म 'इश्कजादे' (2012) में भी अहम भूमिका निभाई। 'इश्कजादे' में उनके आइटम नंबर 'झल्ला वल्ला' और 'छोकरा जवां' को खूब सराहा गया।

गौहर ने 2013 में रियलिटी शो 'बिग बॉस 7' में हिस्सा लिया और विजेता बनीं, जिससे उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ। इसके अलावा, वह 'झलक दिखला जा' और 'तांडव' (2021) जैसे टीवी शोज में भी नजर आईं।

गौहर की पर्सनल लाइफ की बात करें तो वह 'बिग बॉस 7' के सह-प्रतियोगी कुशल टंडन के साथ रिलेशनशिप में थीं, लेकिन बाद में उनका ब्रेकअप हो गया। गौहर ने 25 दिसंबर 2020 को जैद दरबार से शादी की। 10 मई 2023 को उन्होंने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया।

वहीं, 23 अगस्त 1988 को दिल्ली के एक पंजाबी हिंदू परिवार में पैदा हुई वाणी कपूर ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की और फिर यशराज फिल्म के साथ बतौर सहायक काम किया। 2013 में उनकी पहली फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस' रिलीज हुई, जिसमें उनके अभिनय को सराहा गया। इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला डेब्यू के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। वाणी ने 'बेफिक्रे' (2016), 'वांर' (2019), 'चंडीगढ़ करे आशिकी' (2021) और 'रेड 2' (2025) जैसी फिल्मों में काम किया। 'चंडीगढ़ करे

आशिकी' में उनके ट्रांसजेंडर किरदार को खूब प्रशंसा मिली। उसी साल, उन्होंने 'बेल बॉटम' में अक्षय कुमार के साथ काम किया, लेकिन यह फिल्म व्यावसायिक रूप से असफल रही।

2022 में उनकी फिल्म 'शमशेरा' रिलीज हुई, लेकिन यह भी असफल रही। 2024 में वह 'खेल खेल में' में नजर आईं, जो एक इटैलियन फिल्म का रीमेक थी। 2025 में वह 'रेड 2' में अजय देवगन के साथ दिखाईं, जो उनकी पहली व्यावसायिक सफलता थी। वह नेटफ्लिक्स की थ्रिलर सीरीज 'मंडला मर्डर्स' में भी नजर आईं, जिसमें उन्होंने एक अधिकारी की भूमिका निभाई है। उनके किरदार को काफी सराहा गया है। वाणी कपूर और गौहर खान ने अपने करियर में उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन उनकी प्रतिभा और मेहनत ने उन्हें बॉलीवुड में एक उभरती हुई अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है।

गोविंदा-सुनीता के तलाक की खबर फिर निकली अफवाह, मैनेजर ने बताई सच्चाई

बॉ लीवुड अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता के तलाक की खबरें काफी दिनों से चर्चाओं में थीं। अब अभिनेता के मैनेजर ने भी इसे सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने बताया कि ये सब बस अफवाहें हैं। बता दें, एक समय सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा था कि अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता का तलाक होने वाला है। लेकिन अभिनेता के मैनेजर ने शनिवार को समाचार एजेंसी से बातचीत करते हुए इसे सिरे से खारिज करते हुए बताया कि भले ही कोर्ट में कुछ कागज जमा किए थे, लेकिन वह मामला पहले ही सुलझ गया था।

अब गोविंदा और सुनीता के बीच सब कुछ ठीक है।

तलाक से जुड़ी जो खबरें सामने आई हैं, वे पुरानी घटनाओं पर आधारित हैं और फिलहाल दंपति के बीच सब कुछ ठीक है। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह वही 2024 वाला केस है जो सुनीता ने बांद्रा फैमिली कोर्ट में दाखिल किया था, तो उन्होंने पुष्टि करते हुए कहा कि हां, यह वही केस है, लेकिन अब मामला सुलझ चुका है।

शशि ने आगे बताया, यह पुरानी बात है जो फिर से ताजा खबर की तरह फैल रही है। कोई नई बात नहीं हुई है। मुझे लगातार कॉल आ रही हैं, लेकिन सब ठीक है। कपल के बीच लगभग सब कुछ सुलझ गया है। चिंता की कोई बात नहीं है। हम जल्द ही आधिकारिक बयान भी जारी करेंगे। उन्होंने मीडिया में फैल रही गलत जानकारियों को लेकर नाराजगी जाहिर की और कहा, क्या आपने गोविंदा को इसके बारे में बोले देखा है? फिल्म इंडस्ट्री और मीडिया में लोग गलतफहमी और भ्रामक जानकारी का फायदा उठाते हैं। कोई मूर्ख व्यक्ति इस विवाद से फायदा उठाना चाहता है। बता दें कि इस साल फरवरी में भी ऐसी खबरें सामने आई थीं कि सुनीता ने तलाक के लिए अर्जी दी है और कानूनी नोटिस भी भेजा है। वहीं, गोविंदा पिछले कुछ महीनों से मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। अक्टूबर में बंदूक की सफाई के दौरान उनके पैर में गोली लग गई थी।



निक्की तंबोली ने उषा नदकर्णी की टिप्पणियों पर दी सफाई

अ भिनेत्री निक्की तंबोली ने उषा नदकर्णी की उस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उषा ने निक्की को 'घमंडी' बोला था। निक्की ने स्पष्ट किया कि वह उषा का बहुत सम्मान करती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह उनकी हर बात से सहमत हों या उनकी चापलूसी करें।

दरअसल, निक्की तंबोली ने उषा नदकर्णी के इंटरव्यू का एक वीडियो क्लिप अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट किया, जिसके कैप्शन में निक्की ने लिखा, मैं उषा जी का बहुत सम्मान करती हूं। लेकिन सिर्फ इसलिए कि आप सीनियर हैं और मैं जूनियर, इसका मतलब यह नहीं कि मैं आपकी हर बात मानूं या चापलूसी करूं। आप मुझे घमंडी कहकर आंक नहीं सकतीं। मुझे अपनी असलियत पता है और मेरे प्रशंसक भी इसे जानते हैं। आपके लिए मेरे सम्मान के अलावा, किसी और को मुझे जज करने का हक नहीं है।

बता दें कि उषा नदकर्णी इंटरव्यू में यह कहती नजर आ रही थी कि निक्की ने उनसे कभी बातचीत शुरू नहीं की और वह मुझे हमेशा घमंडी नजर आईं। दोनों ने इस साल 'सेलिब्रिटी मास्टर शेफ' के सेट पर साथ काम किया था। निक्की, जो रियलिटी शो 'बिग बॉस' में फर्स्ट रनर-अप बनकर मशहूर हुई थीं, उन्होंने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए एक वीडियो बनाया, जिसमें उन्होंने कहा, ऐसे मुश्किल शो में फर्स्ट रनर-अप बनना आसान नहीं था।

मैंने अपनी असली शख्सियत के दम पर यह हासिल किया। मेरी फितरत में लोगों की चापलूसी करना नहीं है। मेरे प्रशंसक मुझे मेरे असली रूप के लिए प्यार करते हैं, और उनके साथ मेरा भावनात्मक रिश्ता मेरी असली ताकत है। वहीं, निक्की इन दिनों अपने बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल के साथ अपनी लव लाइफ और घूमने-फिरने में व्यस्त हैं।

दूसरी ओर, उषा नदकर्णी हाल ही में तब चर्चा में आईं, जब उन्होंने अंकिता लोखंडे के ब्लॉग में बताया कि 80 साल की उम्र में उन्हें अकेले रहने का डर सताता है। पिछले साल जून में उनके छोटे भाई का निधन हो गया था, जिसके बाद से वह अकेलेपन के डर से जूझ रही हैं। उषा ने 'पवित्र रिश्ता' में सविता के किरदार से दर्शकों का दिल जीता था और कई बॉलीवुड व मराठी प्रोजेक्ट्स में भी काम किया है।



एटीवी राइड पर निकलीं मोनालिसा बोलो- 'क्या फन है'

भो जपुरी फिल्म इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री मोनालिसा अक्सर अपनी सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं। उनकी हर नई तस्वीर या वीडियो में उनका अलग और आकर्षक अंदाज देखने को मिलता है, जो लोगों का ध्यान तुरंत खींच लेता है। इस बार उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ नई और दिलचस्प पोस्ट्स शेयर की हैं, जिनमें उनका अनोखा लुक और मस्ती भरा अंदाज साफ नजर आ रहा है।

मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरों और वीडियो पोस्ट किए हैं, जिसमें फैंस को उनका बेहद अलग और मजेदार अंदाज देखने को मिला। वीडियो में वह येलो कलर की एक दमदार ऑल-टरेन व्हीकल (एटीवी) चलाते हुए नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर जोश और मस्ती साफ झलक रही है, जिससे साफ पता चलता है कि वह इस एडवेंचर को कितना एनर्जॉय कर रही हैं। उनके कपड़ों की बात करें तो उन्होंने ब्लैक कलर की स्लीवलेस ड्रेस पहन रखी है, जो उनके लुक को स्टाइलिश बना रही है। उनके चेहरे पर प्यारी मुस्कान साफ दिख रही है। कुछ अन्य तस्वीरों में भी वह ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही हैं, जिसमें उन्होंने अपने बालों की दो चोटियां बनाई हुई हैं। साथ ही पिक कलर की चप्पलें उनके कूल लुक को और भी निखार रही हैं। इस अनोखे लुक में मोनालिसा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। पोस्ट के साथ मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा है, 'क्या फन है!' इस पोस्ट पर उनके फैंस जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'एटीवी चला रही हैं आप? फुल ऑन झकास फोटो।' दूसरे फैन ने लिखा, 'आपको देखकर मेरा भी बाहर घूमने और मजा करने का मन कर रहा है।'

अन्य फैन ने लिखा, 'ब्लैक ड्रेस में सुंदर लग रही हो आप, और दो चोटियों में तो आप बच्ची जैसी दिख रही हो।' कुछ फैंस ने कहा कि मोनालिसा ने अपनी अंदाज और स्टाइल से एक बार फिर साबित कर दिया कि वह हर रूप में खूबसूरत और आकर्षक लगती हैं।

मिस्ट्री प्रोजेक्ट अलर्ट : मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने खचाखच भरे फिल्म सेट से दिया हिंट



अ पने अगले बड़े प्रोजेक्ट को लेकर बढ़ती चर्चाओं के बीच, मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने एक नई बीटीएस (बिहाइंड-द-सीन्स) झलक साझा कर फैंस को उत्साहित कर दिया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें एक विशाल प्रोडक्शन सेट दिखाई दे रहा है, जहां भारी लाइटिंग रिस, जटिल वेंटिलेशन सिस्टम और क्रू मेंबर्स की भीड़ मौजूद है, जो किसी बड़े प्रोजेक्ट की ओर इशारा कर रहा है। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा: यह एक हाउसफुल है जिससे यह साफ है कि यह एक मजेदार टीज़र है जो लोगों की जिज्ञासा को और बढ़ा रहा है। साल 2025 में 'मालिक' और 'तेहरान' जैसी फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभाकर मानुषी ने दर्शकों का ध्यान खींचा और सराहना भी बटोरी। अब तक उन्होंने जो प्रोजेक्ट्स चुने हैं, वे अलग-अलग जॉनर में रहे हैं—ऐसे में उम्मीद की जा सकती है कि उनका अगला प्रोजेक्ट भी कुछ अनोखा होगा।

क्या वह किसी हाई-कॉन्सेप्ट वेब सीरीज़ का हिस्सा हैं? या फिर किसी पीरियड ड्रामा में नजर आने वाली हैं जिसमें एक बड़ा स्टारकास्ट हो? या शायद कोई हाई-एंड फैशन कमर्शियल जिसमें सिनेमा जैसा फील हो? बैकग्राउंड में नजर आने वाला विंटेज स्टाइल सेट और विशाल स्केल का प्रोडक्शन किसी म्यूज़िक वीडियो या इंटरनेशनल कोलैबोरेशन की ओर भी इशारा कर सकता है।

हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, इसलिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और फैन फोरम्स पर चर्चाओं का दौर लगातार जारी है। चाहे यह फिल्म हो या किसी लग्जरी ब्रांड का एंडोर्समेंट, एक बात तो तय है—मानुषी छिल्लर अपने फैंस को कयास लगाने पर मजबूर करना अच्छे से जानती हैं। जब तक इस रहस्यमयी प्रोजेक्ट से पर्दा नहीं उठता, तब तक सभी की नजरें उनके सोशल मीडिया और हर BTS हिंट पर टिकी रहेंगी।

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान शनिवार को बांका के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अद्वैत मिशन लाल कालेज का दृष्टांत किया और छात्रों, अधिकाओं व शिक्षाविदों को संबोधित किया। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि लाल कॉलेजों से निकलने वाले विद्यार्थी देश को कानून की जानकारी देते हैं, लेकिन आज चिंता का विषय यह है कि संसद और विधानसभाओं में कानून बनाने की जिम्मेदारी निभाने वाले जनप्रतिनिधि ही अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने लगे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है और नागरिकों को इस पर गंभीरता से

उन्होंने कहा कि भारत की शिक्षा और संस्कृति की जड़ें बहुत गहरी हैं। आज केरल को देश का सबसे अधिक शिक्षित राज्य माना जाता है, लेकिन यह मुकाम हासिल करने में उसे बीस साल से अधिक का समय लगा। जबकि बिहार हजार साल पहले से ही शिक्षा का केंद्र रहा है। नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय इसकी ऐतिहासिक मिसाल हैं।

राज्यपालों ने कहा कि कानून की विद्यार्थियों को संदेश देते हुए

बल्कि इसे समाज सुधार और न्याय की स्थापना का माध्यम बनाएँ। उन्होंने युवाओं से सत्य, नैतिकता और धर्मार्थ के मार्ग पर चलकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का आह्वान किया।

उद्घाटन समारोह के दौरान कॉलेज प्रशासन ने राज्यपाल का स्वागत किया और संस्थान की आगामी दीर्घ योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ मौजूद रही

कुमार (पिता दुनदुन लाल रजक), निवासी बंदर बगीचा, डाक बंगला रोड, थाना कोतवाली, जिला पटना के खाते में 7 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए थे। टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी के पास से 3 पासबुक, 2 चेकबुक, 1 आधार कार्ड, 1 फर्जी एफ़ीडेविट, 1 अंक प्रमाण पत्र, जाकील मुहर, अंगूठे का निशान लगा सदा कागज और कुछ संदिग्ध सामान बरामद किए गए।

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी के खाते पर अन्य चार राज्यों में साइबर ठगी से जुड़े साइबर दर्ज हैं। पुलिस टीम में सामने आई सभी अविनाश कुमार कश्यप और पुअनी श्रीकांत शामिल थे।

नेता प्रतिपक्ष प्र तेजस्वी यादव ने महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले में केस दर्ज होने के बाद बिहार की सिंघासत गरमा गई है। वोट अधिकार यात्रा पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के साथ कटिहार पहुंचे तेजस्वी यादव ने शनिवार दोपहर इस मामले के कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि एफआईआर से कौन उड़ता है? क्या 'जुमला' कोई आपत्तिजनक शब्द है? मैं तो सिर्फ सच्चाई बोल रहा था और आगे भी बोलता रहूंगा। यह लोग जितनी चाहें उतनी एफआईआर दर्ज करा लें, मुझे कोई फर्क नहीं

पड़ता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता सरकार चुनता है, सरकार मतदाता नहीं। यह बात मोदी जी और अमित शाह जी नहीं समझते। जनतंत्र की जननी बिहार से ही ये जनतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी, बाबा साहेब के संविधान को समाप्त क्यों करना चाहते हैं? एक गरीब का एक वोट इस देश की अनमोल है। किसी की हिम्मत नहीं कि गरीब का एक वोट और देश की अमानत लूट ले। जिन लोगों ने वोट चोरी करके सरकार बनाई है, वह मेरी आवाज को दबावा चाहते हैं लेकिन जनता उनकी सच्चाई को जान चुकी है। वहीं तेजस्वी यादव के करीबी

दरअसल, तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी को जुमलेबाज कह दिया था। सोशल मीडिया पर 22 अगस्त उन्होंने तस्वीर शेयर करते

हुए लिखा था कि आज गया में
लगेगी झूठ और जुमलों की
दुकान! प्रधानमंत्री जी, गया में
बिना हड्डी की जुबान से आज झूठ
और जुमलों का हिमालय खड़ा
करेंगे लेकिन बिहार के न्यायप्रिय
जनता दशरथ मांझी की तरह
उनके झूठ और जुमलों के इन
विशाल पहाड़ों को तोड़ देंगे। 11
साल अपनी और 20 वर्षों की
एनडीए सरकार के काम का
हिसाब दो? तेजस्वी के इस बयान
के बाद सियासत गरमा गई थी।
इसके बाद महाराष्ट्र के गढ़चिरोली
में स्थानीय भाजपा विधायक
मिलिंद नरोटे तेजस्वी यादव पर
प्राथमिकी दर्ज करवाई।

फल्गु नदी का जलस्तर एक बार फिर खतरे का संकेत देने लगा है। शनिवार देर रात घोसी प्रखंड के कई गांवों में अचानक पानी घुस गया। सूखे होते-होते जल प्रवाह और तेज हो गया, जिससे ग्रामीणों में अपरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने बताया कि रात करीब तीन बजे जल लोग नंद में थे, तभी पानी घरों में घुसने लगा। घबराहट के बीच लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन शुरू कर दिया। कई घरों में पानी भर गया है और खेतों-खलिहान जलमय हो गए हैं। गौरतलब है कि कुछ माह पूर्व



ही फल्गु नदी के तटबंध टूटने से घोसी प्रखंड के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए थे। उस दौरान किसानों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई थीं। लोग उस संकट से उबर भी नहीं पाए थे कि एक बार फिर जलस्तर बढ़ने से हालात

बिगड़ गए हैं। हालांकि, जिला प्रशासन ने पहले ही अलर्ट जारी कर दिया था और लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की थी। फिलहाल प्रशासन की सक्रियता से किसी बड़े नुकसान की खबर

जिला पदाधिकारी ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों और प्रखंड विकास

जिले की सभी नदियों के जलस्तर की नियमित निगरानी की जा रही है। हर दो घंटे पर जलस्तर मापा जा रहा है ताकि संभावित खतरे को समय रहते टाला जा सके। प्रशासन का दावा है कि प्रभावित लोगों को राहत और मदद पहुंचाने के प्रयास लगातार जारी हैं।

नेता राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव, भाकपा (माले) महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य सहित विपक्षी दलों के कई बड़े नेता मौजूद रहे।
कटिहार जिले के कुर्सेला शाहीद स्मारक चौक से यह यात्रा शुरू हुई, जिसमें झारखंड सरकार की कुर्सी मंत्री शिल्पी नेहा तिकौं, मंत्री दीपिका सिंह पांडेय और मंत्री इरफान अंसारी शामिल हुए। यात्रा

वहीं मंत्री दीपिका सिंह पांडेय और इरफान अंसारी ने कहा कि बिहार की जनता एनडीए सरकार से नाराज़ है और अब बदलाव चाहती है। उन्होंने दावा किया कि झारखंड की तरह बिहार में भी इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी।

पुलिस के अनुसार, मरने वालों की पहचान रविंद्र प्रसाद की पत्नी संजू देवी, परशुराम प्रसाद की पत्नी उदेशा देवी, त्रिप-गुरी शरण पांडेय की पत्नी कंचन देवी, शंभू राम की पत्नी बबीता देवी, विकास साव की पत्नी रेणु कुमारी, धनंजय पासवान की पत्नी दीपिका पासवान, विंदेश प्रसाद की पत्नी गंगा देवी, चंद्रमौली पांडेय की पत्नी कुसुम देवी और शंकर चौधरी का पुत्र चंदन कुमार (चालक) के रूप में हुई। वहीं घायलों की पहचान काजल कुमारी, रुपम देवी, सिबिता देवी और नीलम देवी के रूप में हुई।

बिहार के भागलपुर जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान बड़ा मामला सामने आया है। बांच में दो पाकिस्तानी महिलाओं के नाम वोट प्रक्रिया में पाए गए हैं। खास बात यह है कि दोनों महिलाओं के पास आधार और वोटर आईडी कार्ड भी मौजूद हैं और उन्होंने कई बार मतदान भी किया है। मामला सामने आने के बाद गृह मंत्रालय और चुनाव आयोग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उनके नाम मतदाता सूची से हटाने का आदेश दिया। जिला प्रशासन ने बीएलओ के माध्यम से ३०-७-१९ भरकर प्रक्रिया शुरू कर दी।

बताया जा रहा है कि फिरदौसिया जनवरी 1956 में तीन महीने के वीजा पर भारत आई थीं। वहीं, इमराना उसी साल तीन साल के वीजा पर भारत पहुंचीं। वीजा अवधि खत्म होने के बाद दोनों ने भारत में अवैध रूप से रहना शुरू

कर दिया और स्थानीय लोगों से शादी कर ली। इसके बाद उन्होंने आधार और मतदाता पहचान पत्र बनवा लिए। जानकारी के अनुसार, दोनों ने वर्षों तक मतदान किया। दरअसल, 1 अगस्त 2025 को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित हुआ, तभी यह गड़बड़ी सामने आई। गृह मंत्रालय और चुनाव आयोग ने डीएम भागलपुर, एखण्डसपी और निर्वाचन अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी। जांच में पुष्टि हुई कि दोनों महिलाएं पाकिस्तानी नागरिक हैं और लंबे समय से वीजा नवीनीकरण के बिना रह रही हैं। इसके बाद उनके नाम मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

डीएम सह जिला निर्वाचन
आधिकारी डा. नवल किशोर
पैधारी ने कहा कि गृह विभाग के
द्वारा सत्यापन किया गया।
महिलाओं के पास पाकिस्तानी
पोर्ट पाए गए हैं। सत्यापन
उनके नाम हटाने और
पीआईसी नंबर रद्द करने की
क्रिया चल रही है। सूत्रों के
अनुसार, यह मामला उन खुरों
की पुष्टि करता है जिन पर खुरिया
जैसिया पहले से अलर्ट करती हैं।
कि विदेशी नागरिक वीजा अवधि
अधिक समय तक रहकर
भारतीय दस्तावेज हासिल कर रहे
हैं। एसआईआर-2025 अभियान
तहत ऐसे ही मामलों की पहचान
कर कार्रवाई की जा रही है।

